▸▸ वर्ष 68 ▸▸ अंक 210 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 28 अप्रैल, 2025
▸▸ वैशाख शुक्ल पक्ष 01, विक्रम संवत् 2082
▸▸ महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

"जीवन एक बड़ी सड़क है, जिसमें कई संकेत होते हैं। इसलिए जब आप खड्डों से गुजर रहे हों, तो अपने दिमाग को जटिल न बनाएं। नफरत, शरारत और ईर्ष्या से दूर रहें।
– बॉब मार्ले

ऑफ बीट

टाइटैनिक सर्वाइवर का पत्र 3 करोड़ में नीलाम

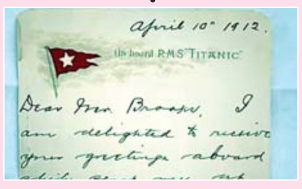

15 अप्रैल, 1912 की काली तारीख को याद करके आज भी रूह कांप जाती है। इस दिन विशालकाय टाइटैनिक जहाज डूबा था और उसमें सवार 1,496 लोगों की मौत हो गई थी। अब टाइटैनिक हादसे में बचने वाले एक व्यक्ति का पत्र नीलाम हुआ है, जिसकी कीमत तीन करोड़ से ज्यादा मिली। यह पत्र प्रथम श्रेणी के यात्री कर्नल आर्चीबाल्ड ग्रेसी का है, जिन्होंनें इसमें टाइटैनिक की त्रासदी का वर्णन किया है। पत्र पर 10 अप्रैल, 1912 की तारीख लिखी हुई है, जिस दिन वह जहाज पर चढ़े थे। ग्रेसी ने पत्र टाइटैनिक के केबिन सी51 से लिखा था। यह पत्र 11 अप्रैल, 1912 को आयरलैंड के क्वीन्सटाउन में जहाज के रोके जाने पर पोस्ट किया गया था। इस पत्र की नीलामी का आयोजन रविवार को इंग्लैंड स्थित विल्टशायर के हेनरी एल्ड्रिज एंड सन नामक नीलामीघर ने किया गया। इसे एक अज्ञात व्यक्ति ने तय कीमत से पांच गुनी में खरीदा है।

प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों के डीए में पांच प्रतिशत का इजाफा

अब 55 फीसदी हुआ महंगाई भत्ता, सीएम की घोषणा- पांच समान किस्तों में किया जाएगा एरियर का भुगतान

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के कर्मचारियों के लिए रविवार का दिन तोहफा लेकर आया। सरकार ने उनका मंहगाई भत्ता 5 प्रतिशत बढ़ाते हुए 55 प्रतिशत कर दिया। यह घोषणा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ के कार्यक्रम में की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के सभी वर्गों के प्रमोशन भी जल्द किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सभी कर्मचारियों के लिए 2024 से 3 प्रतिशत और 1 जनवरी 2025 से 2 प्रतिशत मंहगाई भत्ते की अतिरिक्त किस्त मंजूर की गई है। अब कर्मचारियों का मंहगाई भत्ता केन्द्रीय कर्मचारियों के समान 55 प्रतिशत हो गया है। एरियर की राशि का भुगतान 5 समान किस्तों में जून 2025 से अक्टूबर 2025 तक कर दिया जाएगा। इस घोषणा से सरकार पर 175 करोड़ का अतिरिक्त भार आएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2016 से अधिकारी-कर्मचारियों को प्रमोशन नहीं मिल पा रहे है। इसके कई कारण हैं। हमने इन कारणों को दूर करने की दिशा में काम किया है और मंत्रिमण्डल की ओर से समिति बनाई है, जो अधिकारियों के सभी वर्गों से बात कर बीच का रास्ता निकालने की कोशिश में लगी हुई है। बाबा महाकाल के आशीर्वाद से जल्द ही मामले को सुलझा लिया जाएगा और हम इसकी केवल घोषणा ही नहीं करेंगे, उसे अमलीजामा भी पहनाएंगे।

7.50 लाख कर्मचारियों को मिलेगा लाभ

केन्द्र की मोदी सरकार केन्द्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पेंशनभोगियों की महंगाई राहत में 2 प्रतिशत की वृद्धि कर चुकी है, जिसके बाद जनवरी 2025 से डीए 53 से बढ़कर 55 प्रतिशत हो गया है। केन्द्र के इस कदम के बाद कई राज्यों की सरकारों ने भी अपने कर्मचारियों का डीए बढ़ा दिया। इनमें उत्तरप्रदेश राजस्थान, उड़ीसा, असम, हरियाणा, गुजरात शामिल हैं। अब केन्द्र सरकार के समान अपने कर्मचारियों को डीए देने वालों राज्यों की सूची में मध्यप्रदेश भी शामिल हो गया है। इस तरह अक्षय तृतीया से पहले राज्य के 7.50 लाख अधिकारी-कर्मचारियों को सरकार ने यह तोहफा दिया है। हालांकि अब तक इस संबंध में आदेश जारी नहीं हुआ है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि वित्त विभाग जल्द ही आदेश जारी कर देगा।

पिछली बार नवम्बर में 4 प्रतिशत बढ़ा था डीए

पिछली साल सरकार ने नवंबर में 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाया था, जिससे तब 46 से बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया था। नई दरें जनवरी 2024 से लागू की गई थीं, ऐसे में जुलाई 2024 और जनवरी 2025 की डीए की 2 किस्तें बाकी थीं। इसे देखते हुए सीएम ने दोनों किस्तों को मिलाकर 5 प्रतिशत डीए बढ़ाने की घोषणा की है। हाल ही में अधिकारियों का डीए जनवरी 2025 से 55 प्रतिशत किया था, बढ़ा हुआ एरियर मई में दिया जाएगा। कर्मचारियों का डीए 21 मार्च 2022 को 11 प्रतिशत बढ़ाकर 20 से 31 प्रतिशत किया था। उसी साल 22 अगस्त 2022 को 3 प्रतिशत की, फिर 27 जनवरी 2023 और 19 जुलाई 2023 को 4-4 प्रतिशत डीए बढ़ाया और यह 42 प्रतिशत तक पहुंचा। 14 मार्च 2024 और 28 अक्टूबर 2024 को फिर 4 प्रतिशत डीए बढ़ाया। तब यह 50 प्रतिशत हो गया था।

775 से 7500 रुपए तक बढ़ेगा वेतन

जानकारों की मानें तो 5 प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ने के बाद कर्मचारियों के वेतन में 775 से लेकर 7500 रुपए तक का इजाफा होगा। इससे कार्यरत कर्मचारियों की तो मांग पूरी हो गई, लेकिन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए इस घोषणा में शामिल नहीं किया गया, जिससे पेंशनरों में उदासी छाई हुई है। उनके संगठनों ने भी सीएम से पिछली तारीख से 5 प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाए जाने की मांग की है। सरकार ने इस पर कोई निर्णय नहीं लिया है।

आईपीएल में आज

गुजरात बनाम राजस्थान
समय : शाम 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

परिणाम: मुंबई ने लखनऊ को 54 रन से हराया।
बेंगलुरु ने दिल्ली को 6 विकेट से हराया।

मंदसौर: आंतरी माता के दर्शन करने जा रहे लोगों के साथ भीषण हादसा

बाइक को टक्कर मार कुएं में गिरी वैन, 12 की मौत

जागरण, मंदसौर। मंदसौर के नारायणगढ़ थाना क्षेत्र में बूढ़ा-टकरावत फंटे गांव में रविवार दोपहर एक सड़क हादसे में 12 लोगों की जान चली गई, वहीं चार घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। एक ईको वैन बाइक को टक्कर मारने के बाद बेकाबू होकर सड़क किनारे कुएं में जा गिरी, जिसमें बाइक सवार सहित 12 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के बाद प्रशासनिक अमले के लोग घटनास्थल पर पहुंचे। तीन साल की बच्ची समेत चार घायलों का रेस्क्यू कर मंदसौर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसडीईआरएफ की टीम ने कुएं से शव निकाले। क्रेन की मदद से वैन को बाहर निकाला गया। हादसे की सूचना मिलते ही उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, कलेक्टर अदिति गर्ग, एसपी अभिषेक आनंद, एडिशनल एसपी गौतम सोलंकी और एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी मौके पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार हादसे में सबसे पहले आबाखेड़ी के रहने वाले बाइक सवार गोबर सिंह की मौत हुई। सीएम डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया है।

एसडीईआरएफ की टीम ने क्रेन की मदद से वैन बाहर निकाली।

शादी-समारोह के बाद सभी जा रहे थे मंदिर

हादसे में घायल महिला माया बाई ने बताया कि वे रतलाम जिले के गांव खोजनखेड़ा में एक शादी समारोह में आए थे। यहां से सभी वैन से नीमच जिले के मनासा तहसील में स्थित आंतरी माता मंदिर दर्शन करने जा रहे थे। कार में चालक सहित 14 लोग सवार थे। इसी दौरान दोपहर करीब 1 बजे ग्राम काचरिया कदमाला में सामने से आ रही बाइक से वैन टकरा गई। इससे वैन असंतुलित होकर सड़क किनारे बने कुएं में जा गिरी।

चीख पुकार सुनकर मदद के लिए पहुंचे लोग

कार जैसे ही कुएं में गिरी तो तेज आवाज हुई। आसपास के लोग चीख सुनकर कुएं की तरफ भागे। किसी ने पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों ने भी मदद करने की कोशिश की पर कुंआ काफी गहरा होने से वे कुछ नहीं कर सके। ऊपर से पानी में डूबी कार दिख रही थी। पुलिस टीम ने मौके पर क्रेन बुलवाई और खाट डालकर घायलों को निकालने की कोशिश की। पहले प्रयास में बच्चे समेत चार लोगों को निकाला और उन्हें अस्पताल पहुंचाया।

बचाने गया मनोहर जहरीली गैस की चपेट में आया

घटनास्थल पर पहुंचे डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने बताया कि हादसे की चपेट में कुल 16 लोग आए हैं। सबसे पहले घायलों को निकालकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा है। कुएं में जहरीली गैस के कारण, बचाने गए मनोहर सिंह की भी मौत हुई है। मुझे जैसे ही घटना के बारे में पता चला मैं सीधा यहां पहुंच गया। जिले के सारे अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं।

अंतरिक्ष क्षेत्र का केंद्र बनेगा मप्र: मुख्यमंत्री

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव में 20 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव, 75 हजार रोजगार होंगे सृजित

विशेष संवाददाता भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश में पिछले 11 साल में अमूलचूल परिवर्तन आए हैं। देशभर की सूरत बदल चुकी है। मध्यप्रदेश सरकार भी पीएम मोदी के विजन और मिशन के साथ खड़ी है। हम मां अहिल्याबाई की नगरी को ग्रीन सिटी बनाएंगे, तो प्रदेश अंतरिक्ष क्षेत्र का केन्द्र बनेगा।

सीएम रविवार को इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश स्टेट ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर सीएम ने आईटी सेक्टर के लिए 4 नई पॉलिसियां भी जारी कीं। सीएम ने कहा कि हमने सरकार के गठन के बाद तत्काल सूबे में उद्योग और रोजगार की ओर ध्यान दिया। उद्योग मंदिर की तरह हैं जिससे लाखों लोगों को रोजगार मिलता है। प्रदेश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का प्रमुख केन्द्र बनेगा, इसके लिए राज्य को 1500 करोड़ का निवेश मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हम आज बदलते दौर का भारत देख रहे हैं, जहां कई क्षेत्रों में तीव्र प्रगति हो रही है। इंदौर ने उद्योगों के विकास का कीर्तिमान बनाया है, इंदौर आईटी क्षेत्र की राजधानी है। प्रदेश में पांच बड़े नगरों में इण्डस्ट्री पार्क प्रारंभ किए जा रहे हैं। कोरिया जैसे देश जिनसे भारत का पुराना सांस्कृतिक नाता है, वे भी प्रदेश में निवेश करेंगे। आज की कॉन्क्लेव में कोरिया और जापान से भी प्रतिनिधि आए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 इंदौर के दौरान की प्रेस वार्ता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉन्क्लेव से लगभग 20 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे लगभग 75 हजार रोजगार सृजित होंगे। आज के टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव में भूमि-पूजन एवं शिलान्यास भी हुए हैं जो इस बात का द्योतक हैं कि हम बस वादे नहीं करते, धरातल पर करके दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल जिले के बैरसिया में मोबाइल, सेमीकंडक्टर डिवाइस पार्क बनाने वाले प्रतिष्ठान विश्व स्तरीय अधोसंरचना का लाभ प्राप्त करेंगे। सीएम ने कहा- टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 प्रदेश की तकनीकी-परक औद्योगिक यात्रा का स्वर्णिम पड़ाव है। आज का दिन प्रदेश के टेक्नो-इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। ■ शेष पृष्ठ 9 पर

भाजपा नेता शिकायत पर नेहा सिंह राठौर के खिलाफ मामला दर्ज

लखनऊ, जेएनएन। पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर विवादित ट्वीट करने के मामले में लोक गायिका नेहा सिंह राठौर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। इसके बाद उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इसके अलावा लखनऊ के हजरतगंज थाने में भी लोकगायिका के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह शिकायत कवि अभय प्रताप सिंह ने कराई है। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है। नेहा ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ट्वीट किया था। और इसे सरकार का प्रोपेगेंडा बताया था। इसके बाद लोगों ने नेहा सिंह राठौर को देशद्रोही कहना शुरू का दिया।

पहलगाम हमले पर किया था विवादित ट्वीट

विधायक ने यूपी पुलिस को टैग करते हुए लिखा कि क्या आपकी साइबर टीम सो रही है। इससे पहले नेहा ने एक वीडियो भी शेयर किया था, जिसमें कहा था कि मोदी सरकार हमले का इस्तेमाल बिहार चुनाव में करेगी। इस वीडियो में नेहा ने कहा था- एक फोन कॉल से दूसरे देशों की जंग रुकवाने वाले मोदी अपने देश में आतंकवादी हमला नहीं रुकवा पाए और अंधभक्त मुझसे कह रहे है की ऐसी बातों पर राजनीति और सवाल मत करो। अरे जब देश की राजनीति ही राष्ट्रवाद और हिंदू मुसलमान के मुद्दे पर चल रही है तो सवाल किस मुद्दे पर करूं।

कांग्रेस का 'संविधान बचाओ अभियान' आज से फिर शुरू

नई दिल्ली, जेएनएन। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सोमवार को जयपुर के रामलीला मैदान में लोकतंत्र बचाओ रैली को संबोधित करेंगे। इसके बाद देशभर में अलग-अलग राज्यों में संविधान बचाओ रैलियों का आयोजन होगा। जयपुर रैली में खड़गे के शामिल होने की पुष्टि राजस्थान कांग्रेस ने कर दी है।

बता दें कि जयपुर के रामलीला मैदान की पहचान ऐतिहासिक पहचान है। यह मैदान कांग्रेस के लिए भी काफी अहमियत रखता है। इसी मैदान में आपातकाल के बाद पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने रैली कर कांग्रेस (आई) पार्टी की घोषणा की थी। यह रैली एक जनवरी-1978 को हुई थी। यहां से कांग्रेस को नई ताकत मिली थी। पार्टी ने बताया कि इसके बाद पूरे देश में संविधान बचाओ रैलियों का सिलसिला शुरू होगा, जिसे पहलगाम हमले के बाद रोक दिया गया था। मंगलवार को बिहार और ओडिशा में कई रैलियां प्रस्तावित हैं।

जेएनयू छात्र संघ चुनाव

तीन पदों पर वामपंथी छात्र संगठनों को बढ़त

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में छात्रसंघ चुनाव की मतगणना रविवार को हुई। समाचार लिखे जाने तक 5125 वोटों की गिनती पूरी हो गई थी। इसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महामंत्री पद पर वामपंथी छात्र संगठनों के छात्र आए चल रहे थे। हालांकि, जब 3125 वोटों की गिनती पूरी हुई थी, उस समय एबीवीपी आगे थी। उसकी अध्यक्ष पद की उम्मीदवार शिखा स्वराज 922 वोटों पाकर सबसे आगे चल रही थीं। इस पद के लिए दूसरे नंबर पर एआईएसए-डीएसफ के नीतीश कुमार थे, जिन्हें 846 वोट मिले थे। गिनती आगे बढ़ने के बाद शिखा पिछड़ गई थीं। ■ शेष पृष्ठ 9 पर

सेहत | डायबिटीज, लिवर रोग के दोहरे खतरे पर जारी की नई गाइडलाइन

मधुमेह-लिवर रोगों से बचना होगा आसान

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत में आजकल एक नई चुनौती तेजी से बढ़ रही है। एक साथ मधुमेह (टाइप 2) और लिवर से जुड़ी एक गंभीर बीमारी, जिसे अब 'मेटाबॉलिक असोसिएटेड स्टियाटोटिक लिवर डिजीज' (एमएएसएलडी) कहा जाता है। पहले इसे 'नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज' (एनएएफएलडी) कहा जाता था। इस दोहरी बीमारी की बढ़ती समस्या को देखते हुए देश के जाने-माने डॉक्टरों ने भारतीयों के लिए खास नई गाइडलाइन जारी की है। ये गाइडलाइन प्रतिष्ठित मेडिकल पत्रिका 'डायबिटीज एंड मेटाबॉलिक सिंड्रोम: क्लीनिकल रिसर्च एंड रिव्यूज' में छपी है।

फोर्टिस सीडीओसी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के अध्यक्ष डॉ. अनूप मिश्र इस रिपोर्ट के मुख्य लेखक हैं। उन्होंने बताया है कि ■ शेष पृष्ठ 9 पर

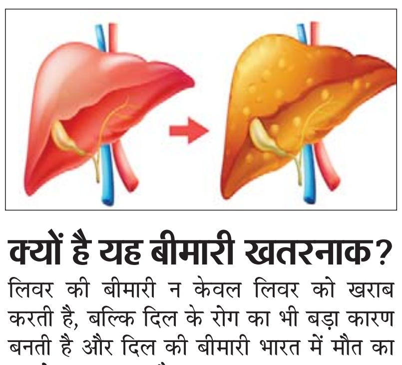

क्यों है यह बीमारी खतरनाक?

लिवर की बीमारी न केवल लिवर को खराब करती है, बल्कि दिल के रोग का भी बड़ा कारण बनती है और दिल की बीमारी भारत में मौत का सबसे बड़ा कारण है।

खानपान में बदलाव

डॉक्टरों ने बताया है कि खाने में 50 से 60 फीसदी जटिल कार्बोहाइड्रेट (जैसे साबुत अनाज), 20 से 30 फीसदी वसा (अच्छी किस्म की) और 15 से 20 फीसदी प्रोटीन होना चाहिए।

यह हैं नई सिफारिशें

- मधुमेह है, तो नियमित लिवर की जांच कराएं।
- वजन कम करना जरूरी है। वजन घटाने से लिवर ठीक होता है और मधुमेह काबू में।
- शरीर की लंबाई के मुकाबले पेट का घेरा कितना है, इसका ध्यान रखना चाहिए।
- लिवर की जांच के लिए बिना चीरफाड़ वाले टेस्ट जैसे 'एफआईबी-4 स्कोर' और 'लिवर जांच' कराई जा सकती है।

इन चीजों से बचें: घी, मक्खन, नारियल, ताड़ का तेल से बचना चाहिए। इसके अलावा, बार-बार गर्म किए हुए तेल, बहुत अधिक मीठा, मैदा, बिस्किट, नमकीन जैसी प्रोसेस्ड चीजें और रेड मीट या प्रोसेस्ड मीट से दूरी बरतें। **क्या खाना फायदेमंद:** सब्जियां, दालें, मेवे, बीज, मछली और समुद्री खाने वाली चीजें, खासकर वे जिनमें ओमेगा-3 वसा अधिक होता है, जैसे सालमन मछली। दिन में तीन या उससे ज्यादा कप बिना चीनी वाला सामान्य कॉफी पीना भी फायदेमंद बताया गया है, क्योंकि इससे लिवर पर सूजन कम होती है।

1050.2025A

संक्षिप्त खबरें

चिकित्सकों को सिखाया जीवन की रक्षा करना

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। एम्स भोपाल ने गत दिवस नेशनल इमरजेंसी लाइफ सपोर्ट कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मध्यप्रदेश में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाना था। पांच दिवसीय यह ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स फॉर डॉक्टर्स कार्यक्रम ट्रॉमा एवं इमरजेंसी मेडिसिन विभाग द्वारा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य फोकस चिकित्सा विशेषज्ञों की आपातकालीन देखभाल क्षमताओं को सशक्त करना और प्रशिक्षकों की एक दक्ष टीम तैयार करना रहा, जो संकट की घड़ी में जीवनरक्षक तकनीकों को प्रभावी ढंग से लागू कर सके। इस प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से आए 24 चिकित्सकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. मोहम्मद यूनुस, विभागाध्यक्ष ट्रॉमा एवं इमरजेंसी मेडिसिन एवं नोडल अधिकारी रहे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से डॉ. पारुल मुलिक उपस्थित रहीं।

कमजोर वर्ग को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दे रही है सरकारः देवड़ा

विसं, भोपाल। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि हमारी सरकार समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को, उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए दृढ़-संकल्पित है। श्री देवड़ा रविवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा आयोजित चिकित्सा सम्मेलन दशपुरकॉन 2025 में सहभागिता कर उपस्थित प्रबुद्ध नागरिकों व चिकित्सकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के व्यापक विस्तार, चिकित्सा शिक्षा में गुणात्मक सुधार, तकनीकी नवाचारों के समावेशन एवं दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित किया है।

मंडल रेल उपयोगकर्ता समिति सदस्य बने पुरोहित

भोपाल। भारतीय मजदूर संघ से सम्बद्ध पश्चिम मध्य रेल कर्मचारी परिषद के उपाध्यक्ष एवं रेलवे हम्माल मजदूर संघ के

महामंत्री दिनेश पुरोहित को रेलवे बोर्ड की स्पेशल इंटरेस्ट केटेगरी के अंतर्गत भोपाल मंडल की मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति का सदस्य नामित किया गया है। समिति का कार्यकाल दो वर्ष का होगा, जो कि अगस्त 2026 में समाप्त होगा। यह समिति रेल यात्रियों की सुविधाओं में उत्तरोत्तर सुधार के लिये कार्य करती है। पुरोहित के मनोनयन पर पश्चिम मध्य रेल कर्मचारी परिषद के महामंत्री शिशिर रिछारिया एवं कोषाध्यक्ष राहुल राज ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार माना है।

बिजली कालोनी में बनाया जाएगा नवीन पार्क

जागरण संवाददाता, भोपाल। वार्ड 70 स्थित बिजली कालोनी में लोगों को नवीन पार्क की जल्दी ही सौगात मिलेगी। रविवार को मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने पार्क के निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। उन्होंने कालोनी में अन्य कार्यों को भी शुरू कराने की बात कही। भूमिपूजन के पूर्व स्थानीय लोगों द्वारा पुष्पवर्षा कर और ढोल की थाप पर मंत्री का स्वागत किया गया। इस दौरान सारंग ने कहा कि 2008 से पहले नरेला विधानसभा में कई सुविधाओं का अभाव था, लेकिन अब प्रत्येक घर में नर्मदा जल, हर कालोनी में पक्की सड़कों, आदर्श ड्रेनेज और थीम पार्क जैसी अनेक सौगातें रहवासियों को दी गई हैं।

भाजपा नेतृत्व ने बड़े नेताओं पर साधी खामोशी, छोटे को लगाई फटकार

भाजपा में पिछले महीनों से आपसी खींचतान ने अंदरूनी अनुशासन को पहुंचाया नुकसान

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा में पिछले कुछ महीनों से आपसी खींचतान ने अंदरूनी अनुशासन को बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया। जिसे लेकर पिछले दिनों प्रदेश नेतृत्व सक्रिय हुआ है और विधायकों व दूसरे निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को नसीहत दी गई है, जिससे पार्टी के दूसरे नेता सकते में हैं। मगर ऐसे वरिष्ठ नेताओं के मामले में पार्टी की चुप्पी सवाल जरूर खड़े हो रहे हैं। गौरतलब है कि जिस तरह से पिछले दिनों मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल, पिछोर विधायक प्रतीम सिंह लोधी, बीना की नगर पालिका अध्यक्ष, देवास और सागर की मेयर ने अपने निर्णयों और क्रियाकलापों से पार्टी और अपनी ही सरकार की किरकिरी कराई है, उससे पार्टी नेतृत्व बेहद खफा है और प्रदेश नेतृत्व ने गंभीरता से लेते हुए सभी को खरी-खरी सुनाते हुए साफ कह दिया कि यदि अब ऐसा हुआ तो उसे अनुशासनहीनता माना जाएगा और फिर पार्टी के संविधान के तहत एक्शन होगा, फिर चाहे कोई विधायक हो या मेयर पार्टी किसी को भी नहीं बख्शेगी। पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इस तरह की गतिविधियों की वजह पार्टी के स्थानीय स्तर पर आपसी वर्चस्व की लड़ाई है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम को अपने विधानसभा क्षेत्र में मऊगंज विधायक की सक्रियता रास नहीं आई और उन्होंने सीधे हाईकमान से शिकायत कर दी,जिसकी वजह से विधायक पटेल को भोपाल तलब किया गया। सूत्रों का कहना है कि गौतम भी कई बार मऊगंज क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते आ रहे है। पटेल ने अपनी सफाई के दौरान यह बात भी पार्टी के नेतृत्व के सामने रखी है। इसी तरह देवास मेयर गीता अग्रवाल को पार्टी नेतृत्व के समक्ष इसलिए हाजिर होना पड़ा कि वहां के सांसद ने पार्टी नेतृत्व से उनकी शिकायत की थी। अग्रवाल ने बिना संगठन की सहमति से दो एमआईसी सदस्यों को हटा दिया था। बीना नगर पालिका अध्यक्ष लता सकवार ने भी कुछ ऐसा ही कदम उठाया,तो उन्हें भी स्थानीय वरिष्ठ नेताओं की शिकायत पर भोपाल बुलाया गया। पिछोर विधायक प्रीतम लोधी के मामले पर भी कहा जा रहा है कि उन्होंने सरकार के मंत्री को लेकर जो टिप्पणी की ,उसे सरकार और संगठन ने उचित नहीं माना। कहा जा रहा है कि इस मामले में भी नेतृत्व से वरिष्ठ नेताओं ने आपत्ति दर्ज कराई,जिसकी वजह से विधायक प्रीतम को अपनी यात्रा निरस्त करते हुए भोपाल आना पड़ा और नेतृत्व के सामने अपनी गलती स्वीकार करनी पड़ी। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने अपनी पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर कहा कि कुछ महीने पहले वरिष्ठ नेताओं के बीच छिड़ी वर्चस्व की लड़ाई सभी ने देखी है,लेकिन उन नेताओं पर वैसा एक्शन नहीं लिया गया,जिस तरह से इन नेताओं पर लिया गया है। हालांकि उन नेताओं को भी पार्टी नेतृत्व ने तलब किया था और उन्हें पार्टी गाइललाइन का हवाला देते हुए समझाइश दी थी। कहा जा रहा है कि उस दौरान जिन नेताओं के बीच लड़ाई सार्वजनिक हुई थी,वो हाईप्रोफाइल नेताओं के करीबी है। ऐसे में प्रदेश नेतृत्व ने भी इस पूरे मामले को भोपाल की जगह दिल्ली भेज दिया था,जहां से इन नेताओं को फटकार मिली थी। जिसके बाद संबंधित नेताओं के खिलाफ जुबानी जंग सुनाई नहीं पड़ी है।

रविवार को पहुंचीं संगीता तिवारी

इधर शनिवार को पार्टी नेतृत्व के सामने नहीं आई सागर मेयर संगीता सुशील तिवारी रविवार को भोपाल पहुंचीं और उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के समक्ष अपना पक्ष रखा। बताया गया है कि तिवारी ने अपनी गलती को स्वीकार कर लिया है।

प्रदेश में डाक्टरों की कमी के लिए पिछली सरकारें जिम्मेदारः पटेल

अनूप सक्सेना, भोपाल

इंटरव्यू ऑफ द वीक

स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में सरकार भले ही बेहतर होने का दावा करे, लेकिन हकीकत यह है कि गांव से लेकर शहरों में अब भी वो उपचार नहीं मिल रहा है, जिसके लिए मरीजों को आज भी महानगरों की ओर भागना पड़ रहा है। एयर एम्बुलेंस की बात करने वाली सरकार अपने उप स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ चिकित्सक भी उपलब्ध नहीं करा पा रही है। इसके लिए स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल पूर्ववर्ती सरकारों को दोषी ठहरा रहे हैं। उनका कहना है कि पूर्ववर्ती सरकारें गिनती के मेडिकल कॉलेज पर निर्भर रहीं, जिससे आवश्यकता के अनुसार डाक्टर ही नहीं मिल पाए। दैनिक जागरण के इंटरव्यू ऑफ दा वीक में मंत्री पटेल ने खुलकर अपनी बातें रखीं।

सवालः स्वास्थ्य सेवाओं के दावे बहुत पर हकीकत सब जानते हैं, डाक्टरों की कमी, विशेषकर कस्बाई क्षेत्रों में यह समस्या मरीजों के लिए मुसीबत बनी हुई है?

जवाबः बिल्कुल हमारी चिंता इसी ओर है और हमने सार्थक प्रयास भी किए हैं। अगर पूर्ववर्ती सरकारें इस ओर सजग होती हैं और नए मेडिकल कॉलेज खोलने की दिशा में काम किया गया होता, तो आज मध्यप्रदेश के हर स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सकों और आवश्यकतानुरूप विशेषज्ञ चिकित्सक उपचार कर रहे होते।

सवालः बीस साल से तो आपके दल की सरकार है। इतने साल बाद भी पुरानी सरकार का रोना क्यों?

जवाबः जिस तरह से स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में इंफ्रास्टक्टर को नजरादांज किया गया, उसे सुधारने में हमारे दल की सरकार को समय लगा। हमने पिछले कुछ सालों से लगातार नए मेडिकल कॉलेज खोलने की दिशा में काम किया है। एक दो सालों में इन मेडिकल कॉलेज से निकले चिकित्सक उपचार करते नजर आएंगे। हमारा पूरा फोकस गांवों में बेहतर उपचार देने पर रहेगा।

सवालः प्रदेश में शिशु मृत्यु दर बहुत अधिक है, जो बड़ी चुनौती है?

जवाबः सच में यह चिंता का विषय है, शिशु मृत्यु दर पर नियंत्रण की दिशा में हम लगातार काम कर रहे हैं। कोशिश रहती है कि अधिकतर प्रसव संस्थागत हो सकें। स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और उप स्वास्थ्य केन्द्रों को प्रसव केन्द्र के रूप में विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

सवालः मध्यप्रदेश के स्वास्थ्य संकेतक देश के अन्य राज्यों की तुलना में कमजोर हैं?

जवाबः ऐसा नहीं है, कुछ मानकों में अवश्य हम कमजोर हैं पर ओवर ऑल हम दिनों -दिन मजबूत होते जा रहे हैं। सरकार जिस गति से काम कर रही है, मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में भी मध्यप्रदेश देश में अव्वल नजर आएगा।

सवालः ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर प्रयास भी नाकाफी हैं। कई बार विधायक या सांसद इस कमी की बात करते रहते हैं?

जवाबः बिल्कुल, हमारे संज्ञान में लाया जाता है, बल्कि हम स्वयं मैदानी दौरे में इसका आंकलन भी करते हैं। मैंने जैसे पहले कहा कि पहले की सरकारों ने नए चिकित्सक बनाने की दिशा में सोचा नहीं, इसलिए आबादी बढ़ने की वजह से यह कमी विशाल दिखने लगी है। अब हमारी सरकार इस दिशा में काम कर रही, तो आने वाले समय में आपको चिकित्सक भी स्वास्थ्य केन्द्रों में उपचार करते मिलेंगे और ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाएं भी गुणवत्तापूर्ण होंगी।

सवालः निजी चिकित्सा संस्थानों में मरीजों से उपचार के एवज में काफी बिल वसूले जा रहे हैं, सरकार क्या कोई एक्शन लेगी?

जवाबः इस मामले में नियमानुसार सरकार अपना काम करती है, लेकिन मेरा तो यह कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आयुष्मान योजना के जरिए उपचार सुगमता से किया जा रहा है, ऐसे में मरीजों पर आर्थिक बोझ कैसे पड़ रहा है। हमारी सरकार उप स्वास्थ्य केन्द्रों से लेकर जिला अस्पतालों को बेहतर से बेहतर संसाधन उपलब्ध करा रही है। आने वाले समय में हमारे अस्पताल किसी निजी अस्पताल के मुकाबले उपचार या स्वास्थ्य परीक्षण करने वाले मेडिकल इक्यूपमेंट बेहतर होंगे, तो जरूरत पड़ने पर लोग स्वास्थ्य केन्द्रों में पहुंचकर अपना गुणवत्तापूर्ण उपचार करा पाएंगे और जब तक मरीज नहीं चाहेगा, तब उसे निजी अस्पतालों में नहीं जाना पड़ेगा।

सवालः विधानसभा के बजट सत्र के बाद आपकी पहचान कुछ अलग तरह की हुई है। लोग कह रहे हैं कि आप स्वयं सरकार की कानून व्यवस्था से अंदर ही अंदर दुखी हैं, यही वजह है कि सदन में जवाब देते वक्त आपकी आंखों में आंसू आ गए थे?

जवाबः इसमें मैं बस इतना ही कहूंगा कि जब हम दूसरे के दुख को उसकी जगह अपने-आपको रखकर अनुभव करते हैं, तो भावुकतावश ऐसी स्थिति बनती है।

कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली आज से

ग्वालियर से होगी अभियान की शुरुआत, 30 मई तक जारी रहेगा

विसं भोपाल। कांग्रेस संविधान को लेकर सोमवार से मैदान में दिखाई देगी, जिसकी शुरुआत ग्वालियर से होगी। पार्टी का यह अभियान 30 मई तक जारी रहेगा, जिसमें पार्टी के कार्यकर्ता संविधान को लेकर भाजपा और उसकी सरकारों को घेरेगी और जनता को बताएगी कि किस तरह से संविधान बदला जा रहा है। सोमवार ग्वालियर में संविधान बचाओ रैली का आयोजन करेगी,जिसमें प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। कांग्रेस के जय बापू, जय भीम, जय संविधान अभियान के तहत ग्वालियर में रैली का आयोजन हो रहा है। जिसमें पूरे प्रदेश से कांग्रेस कार्यकर्ता, समर्थक, किसान, युवा, मजदूर, दलित, आदिवासी और संविधान के रक्षक इस रैली में शामिल होंगे। प्रत्येक जिले में जिला कांग्रेस कमेटी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के समन्वय से 3 से 10 मई तक रैलियाँ आयोजित होंगी। इसी तरह 11 से 17 मई के मध्य विधानसभा स्तरीय संविधान बचाओ रैलियाँ आहुत की जाएगी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस विधायकों, पूर्व जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा जनजागरण रैलियाँ होंगी। इसी तरह 20 से 30 मई तक कांग्रेस घर-घर संपर्क अभियान चलाएगी,जिसमें पार्टी कार्यकर्ता द्वार-द्वार जाकर जनता से संवाद करेंगे। महँगाई, बेरोजगारी और संवैधानिक अधिकारों के हनन जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। अभियान साहित्य वितरित किया जाएगा और सोशल मीडिया के माध्यम से जनजागरण को सशक्त किया जाएगा।

डीजीपी को जीतू ने लिखा पत्र

सांसद और विधायकों को सलामी देने के निर्णय को वापस लेने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने

डीजपी कैलाश मकवाना को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने कहा कि निर्देश पुलिस की विश्वनीयता को कम करेगा और साथ ही समाज में अपराध के प्रति गलत संदेश भी देगा। जीतू ने पत्र में लिखा कि मध्यप्रदेश में भाजपा के 29 सांसदों में से 9 पर आपराधिक मामले दर्ज है। भाजपा के 163 विधायकों में से 51 पर आपराधिक मामले पंजीबद्ध है। इनमें हत्या, बलात्कार, डकैती, अपहरण आदि जैसे मामले है,जिनमें से कम से 7 वर्ष से अधिक की सजा का प्रावधान है। इसी तरह सरकार के 12 मंत्रियों पर आपराधिक मामले दर्ज है,इनमें से तो 3 पर मामले गंभीर है। यदि पुलिस कर्मी ऐसे नेताओं को सलाम देंगे तो यह न केवल उनकी निष्पक्षता और स्वतंत्रता पर प्रश्न उठाएगा,बल्कि अपराध की जांच और रोकथाम में भी बाधा उत्पन्न करेगा।

हमारा जीयो और जीने दो के सिद्धांत पर विश्वास

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है भोपाल, संत हिरदाराम की पुण्य भूमि है। संत परम्परा के अनुसार हम जीयो और जीने दो के सिद्धांत में विश्वास करते हुए प्राणी मात्र से प्रेम के भाव का व्यवहार में भी निवर्हन करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को सिंधु भवन में आयोजित चेतीचांद महोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक भगवान दास सबनानी ने की। इस अवसर पर मध्यप्रदेश सिन्धु भवन ट्रस्ट के पदाधिकारी उपस्थित थे। सीएम ने कहा कि सिंधी समाज ने इन मूल्यों का पालन करते हुए अपने धर्म और संस्कृति की सरक्षा के लिए अपना घर-परिवार और व्यापार छोड़ा। संघर्ष और चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी कर्मठता और आत्मविश्वास से उन्होंने स्वयं को पुनः स्थापित भी किया।

मंदसौर घटना के बाद बोर्ड ने जारी की एडवाइजरी

बिना प्रशिक्षण व सरकारी मदद के कुएं पर न उतरें

विसं भोपाल। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सूखे कुएं में उतरने से हो रही कई तरह की दुर्घटनाएं के संबंध में एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि बिना प्रशिक्षण और सरकारी मदद के कुएं पर नहीं उतरना चाहिए। मंदसौर जिले की घटना के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि सूखे कुएं में दुर्घटना होने पर सबसे महत्वपूर्ण कदम तत्काल आपातकालीन सेवाओं को बुलाना और प्रशिक्षित बचाव दल की प्रतीक्षा करना है। सुरक्षा को प्राथमिकता देना और बचाव दल के निर्देशों का पालन करना महत्वपूर्ण है ताकि दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को सुरक्षित रूप से बचाया जा सके। बोर्ड ने कहा कि कुओं में हाइड्रोजन सल्फाइड, मोनोऑक्साइड, मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड जैसी खतरनाक गैसों की उपस्थिति बेहोशी, घुटन और मृत्यु का कारण बन सकती है। सीमित स्थान में ऑक्सीजन का स्तर कम होने से सांस लेने में तकलीफ और बेहोशी हो सकती है। एडवाइजरी में कहा गया कि यदि कुएं में आवश्यक है, तो पहले लालटेन रस्सी से नीचे डालें यदी लालटेन बुझ जाती है तो वहां पर ऑक्सीजन की कमी है और वहां जहरीली गैस है। ऐसे में कुएं में नहीं जाना चाहिए। यदि संभव हो, तो दूर से या सुरक्षित दूरी से दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की स्थिति का आकलन करें। बचाव दल को उचित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण, श्वास सुरक्षा उपकरण, हार्नेस, रस्सियां और अन्य आवश्यक उपकरणों का उपयोग करना चाहिए। संभव हो तो कुएं के वायुमंडल की निगरानी करें ताकि खतरनाक गैसों या ऑक्सीजन की कमी का पता चल सके। दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को सुरक्षित रूप से कुएं से बाहर निकालने के लिए उचित तकनीकों का उपयोग करें।

चार लाख शिक्षकों को नहीं मिलेगा अर्जित अवकाश

एक मई से स्कूल शिक्षा विभाग शुरू करेगा समर कैंप, इनमें लगाई जाएगी शिक्षकों की ड्यूटी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। सूबे के करीब चार लाख शिक्षक 31 दिनों की गर्मियों की छुट्टियों में आराम नहीं कर पाएंगे। अब उन्हें भी कार्य करना होगा। स्कूल शिक्षा विभाग के जारी आदेश में ग्रीष्मकालीन अवकाश एक मई से शुरू हो रहे हैं। दूसरी तरफ एक मई से ही सरकारी स्कूलों में समर कैंप शुरू हो जाएंगे। इसके साथ नीट समेत अन्य परीक्षाएं भी आयोजित होंगी, जिसमें शिक्षकों को दी जाने वाली जिम्मेदारियां निभानी हैं। इससे शिक्षक गर्मियों की छुट्टी में भी कार्य करते हुए दिखाई देंगे। राज्य के स्कूलों में एक मई से ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू हो रहे हैं। शिक्षकों को पूर्व में दो माह का ग्रीष्मकालीन अवकाश मिलता था। इसे धीरे-धीरे कम किया जा रहा है। वर्तमान में शिक्षकों को ग्रीष्मकालीन अवकाश 31 दिन का मिल रहा है। इस बार शिक्षकों के लिए ग्रीष्मकालीन अवकाश 1 से 31 मई तक रहेगा, जबकि विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन अवकाश 1 मई से 15 जून तक कुल 46 दिन का होगा। ग्रीष्मकालीन अवकाश में शिक्षकों से काम लिया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थियों के प्रवेश, मध्यान्ह भोजन, प्रशिक्षण जैसे कई कार्यक्रम चलते हैं। आगामी मई में विभाग शासकीय स्कूलों में समर कैंप भी शुरू हो रहा है। इसके साथ ही नीट समेत अन्य परीक्षाओं में शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। इससे शिक्षक चंद दिनों का ही ग्रीष्मकालीन अवकाश का सुख ले पाएंगे। ग्रीष्मकालीन अवकाश के अलावा शिक्षकों को सालभर में कुल 26 छुट्टियां मिलती है। ग्रीष्मकालीन अवकाश में काम करवाने का शिक्षक कई सालों से विरोध कर रहे हैं।

छुट्टी में अर्जित अवकाश की पात्रता

शिक्षकों को गर्मियों की छुट्टियों में काम पर बुलाने पर संबंधित जिले के कलेक्टर एक वर्ष में अधिकतम पंद्रह दिन व विभागाध्यक्ष एक वर्ष में अधिकतम 30 दिन अवकाश स्वीकृत कर सकते हैं। लेकिन शिक्षकों से गर्मियों में छुट्टी में काम करवाने के बाद भी अर्जित अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाता है।

छुट्टी को अनदेखा करते हैं अफसर

शिक्षकों के अर्जित अवकाश को लेकर विभाग के अधिकारी अनदेखा करते रहे हैं। विस चुनाव 2023 की आचार संहिता के पहले लोक शिक्षण ने जारी आदेश में कहा था कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के सभी प्रकरणों के समय-सीमा में निराकरण के लिए एजुकेशन पोर्टल पर आवश्यक मॉड्यूल तैयार किया जाएगा। समस्त संकुल प्राचार्य मॉड्यूल अनुसार शिक्षकों की जानकारी एवं वांछित अभिलेखों की प्रति पोर्टल पर अपलोड करेंगे। नियत समय-सीमा में जानकारी अपलोड न करने की स्थिति में संबंधित प्राचार्य एवं डीईओ की जबावदेही नियत की जा सकेगी। लोक शिक्षण द्वारा जारी स्वीकृति के आधार पर संबंधित शिक्षक को अर्जित अवकाश की पात्रता होगी। विभाग के जारी आदेशों पर अभी तक कोई अमल नहीं हुआ है। विभाग अब तक आनलाइन व्यवस्था भी शुरू नहीं कर सका है। इस कारण गर्मियों की छुट्टी में काम करने वाले शिक्षकों को अर्जित अवकाश का लाभइस बार भी मिलना मुश्किल है।

सरकारी कर्मचारियों की तरह मिले अवकाश

प्रदेश के कई शिक्षक संगठन सरकारी कर्मचारियों की भांति अवकाश की मांग रहे हैं। शिक्षक, व्याख्याता एवं प्राचार्य संवर्ग के अध्यक्ष शिववीर सिंह भदौरिया का कहना है कि शिक्षकों के ग्रीष्मकालीन अवकाश समाप्त कर शासकीय कर्मचारियों की भांति अवकाश मिलना चाहिए। जब स्कूल शिक्षा विभाग का सत्र एक अप्रैल से शुरू हो जाता है और ग्रीष्मकालीन अवकाश में भी गतिविधियां चलती है, तो गर्मियों की छुट्टी को खत्म कर देना चाहिए, ताकि शिक्षक अपनी सुविधानुसार सालभर शासकीय कर्मचारियों की भाति छुट्टी ले सके।

आयोजन | आईएम बीजेपी फ्यूचर फोर्स ने राज्य संग्रहालय में किया द अंबेडकर यूथ कॉन्क्लेव का आयोजन

संविधान नहीं होता तो सामान्य लोग राजनीति में नहीं आ पातेः सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। राजधानी के राज्य संग्रहालय में रविवार को आईएम बीजेपी फ्यूचर फोर्स' द्वारा आयोजित 'द अंबेडकर यूथ कॉन्क्लेव' का आयोजन किया। जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव,प्रदेश भाजपाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा सहित दूसरे बड़े नेताओं का संबोधन हुआ। इस मौके पर सीएम ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर ने देश के लिए हमेशा गुरु की भूमिका निभाई। डॉ. यादव ने कहा कि बाबा साहब के बनाए संविधान की वजह से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री और मैं मध्यप्रदेश की जनता का सेवक बन सका। डॉ. अंबेडकर ने देश के लिए हमेशा एक गुरु की भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि यदि बाबा साहब का संविधान नहीं होता तो सामान्य लोग राजनीति में नहीं आ पाते। बाबा साहब ने सच्चे अर्थों में देश के लिए गुरु की भूमिका निभाई है। सीएम ने कहा कि बाबा साहब के बनाए संविधान में कानून सबके लिए समान बनाया गया है। आरक्षण आज भी चल रहा है और आगे भी निरंतर चलता रहेगा, इसमें कोई शंका नहीं है। कांग्रेस आरक्षण को लेकर जनता में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है, इससे आप सभी प्रबुद्ध लोगों को सतर्क रहना है। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की राजनीति ने परिवारवाद को समाप्त करने के लिए देशभर के एक लाख ऐसे प्रोफेशनल्स युवाओं को सक्रिय राजनीति में आने का आह्वान किया था, जिसके परिवार से अभी तक कोई भी राजनीति में न हो। मध्यप्रदेश भाजपा ने इसके लिए 'आई एम बीजीपी फ्यूचर फोर्स' नाम से अभियान शुरू किया और मध्यप्रदेश में बड़ी सख्या में इंटेलेक्चुअर्ल्स, प्रोफेशनल्स पार्टी से जुड़े जिनका कोई राजनीतिक पृष्टिभूमि नहीं है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने कहा कि बाबा साहब ने भारत को संविधान देकर देश को सजाने व संवारने का कार्य किया है। वह इतने बड़े महापुरूष थे कि वे आज तक प्रासंगिक हैं। कांग्रेस पार्टी ने संविधान की प्रस्तावना में संशोधन् कर संविधान की आत्मा को ठेस पहुंचाई है।

मुख्यमंत्री, भाजपा नेताओं ने सुनी मोदी के मन की बात

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा नेताओं ने कार्यकर्ताओं के साथ अलग-अलग स्थानों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात सुनी। सीएम ने कहा यह प्रसारण देश को एकसूत्र में पिरोता है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि दुनिया के सारे देश आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े हैं। सीएम ने अपने निवास पर मन की बात कार्यक्रम को सुना। इसके उपरांत उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देशवासियों से सतत संवाद के अभूतपूर्व माध्यम मन की बात के 121वें संस्करण का श्रवण अत्यंत प्रेरणादायक रहा। यह प्रसारण देश को एक सूत्र में पिरोकर सभी देशवासियों के मातृभूति के प्रति समर्पण, सम्मान और स्नेह को राष्ट्रव्यापी स्वरूप प्रदान करता है। प्रधानमंत्री के ओजस्वी और प्रेरणादायक वचन हमेशा हम सभी को प्रेरित करते हैं। इसी तरह भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भोपाल के वार्ड क्रमांक 50 में आने वाले बूथ क्रमांक 200 पर मन की बात को सुना। कार्यक्रम के दौरान शर्मा ने पहलगाम में आंतकी हमले में दिवंगत हुए लोगों के लिए दो मिनट का मौन रखकर शोक व्यक्त किया। यहां उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मन की बात कार्यक्रम देश के जन-जन की बात और सामाजिक आंदोलन बन गया है।

बीयू ने रोका एक्सीलेंस कालेज में मनोविज्ञान रिसर्च सेंटर का रास्ता

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने आठ माह से एक्सीलेंस कालेज को मनोविज्ञान का रिसर्च सेंटर बनाने वाली फाइल को रोक रखा है। नोटिफिकेशन जारी नहीं होने के कारण कालेज की शोध गतिविधियां ठप्प बनी हुई हैं। जबकि कालेज में मनोविज्ञान का पीएचडी प्रोग्राम संचालित करने यूजीसी के मुताबिक मापदंड के मुताबिक फैकल्टी तक मौजूद है। एक्सीलेंस कालेज ने गत वर्ष मनोविज्ञान का रिसर्च सेंटर बनाने के लिए आवेदन किया था। रिसर्च सेंटर के मापदंड देखने के लिए बीयू निरीक्षण तक करा चुका है। इसके बाद भी उसे रिसर्च सेंटर घोषित करने के लिए बीयू आठ माह में नोटिफिकेशन जारी नहीं कर सका है। जबकि कालेज में शोध कार्य कराने के लिऐ एक प्रोफेसर और दो असिस्टेंट प्रोफेसर पदस्थ हैं। हालांकि बीयू 2400 पीएचडी की सीटों पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी नेट) के स्कोर के आधार पर प्रवेश देगा। बीयू के पास पांच फैकल्टी की करीब 40 विषयों में पीएचडी कराएगा। इसमें सबसे ज्यादा सीटें 330 मैनेजमेंट में दी गई हैं। जबकि लिम्नोलाजी, वूमन स्टडी और डांस में सीटें रिक्त ही नहीं है। छह विषयों में दस से भी कम सीटें रिक्त हैं।

पीएचडी में प्रवेश लेने बढ़ाई तिथि

बीयू ने पीएचडी प्रवेश के लिए यूजीसी नेट से 25 अप्रैल तक आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि रखी थी। बीयू को ज्यादा संख्या में आवेदन नहीं मिले, जिसके कारण बीयू आवेदन करने की तिथि में दस दिन की बढ़ोतरी कर दी है। अब विद्यार्थी पांच मई तक आवेदन कर सकते हैं। वहीं विलंब शुल्क के साथ दस मई तक आवेदन जमा करने का अंतिम मौका दिया जाएगा। यूजीसी नेट परीक्षा (नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट) साल में दो बार जून और दिसंबर में आयोजित की जाती है। बीयू अधिकारियों का कहना है कि दिसंबर परीक्षा में सभी सीटों पर प्रवेश नहीं होते हैं तो छह माह बाद होने वाली परीक्षा से रिक्त सीटों के लिऐ विद्यार्थियों को चयनित किया जाएगा।

दैनिक जागरण
भोपाल, 28 अप्रैल 2025

राजधानी जागरण

03

•11• राज्य •31• संस्करण | मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

www.dainikjagranmpcg.com

राजधानी का तापमान/मौसम

अधिकतम 38.7°c | न्यूनतम 20.4°c

दिन में धूप से गर्मी का अहसास होगा, शाम को उमस के कारण परेशानी

संक्षिप्त खबरें

बैरसिया में हुए हादसे में घायल युवक की मौत

जागरण, भोपाल। बैरसिया स्थित एचपी पेट्रोल पंप के सामने मंगलवार रात एक बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे में दो युवक और उनके पिता गंभीर रूप से घायल हुए थे। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। रविवार सुबह इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक रघुवीर सिंह (36) पुत्र ज्ञान सिंह निवासी अरवलिया मिस्त्री का काम करता था। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मंगलवार को अरवलिया से बैरसिया जाने के लिए निकले थे। बैरसिया से करीब एक किलोमीटर पहले एचपी पेट्रोल पंप के पास अचानक सामने एक एक्टिवा सवार युवक आ गया। उसे बचाने के प्रयास में बाइक चला रहे रघुवीर ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित बाइक सड़क पर गिरकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार रघुवीर के पिता ज्ञान सिंह और भाई तुलसी गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को पहले बैरसिया और फिर हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार सुबह इलाज के दौरान रघुवीर की मौत हो गई।

कार के बोनट पर केक काटने वाले भाई गिरफ्तार

जागरण, भोपाल। गांधी नगर पुलिस ने एयरपोर्ट रोड पर कार की बोनट पर तलवार से केक काटने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी जुड़वा भाई हैं। वायरल वीडियो के आधार पर दोनों की पहचान अरशान खान (19) और अयान खान (19) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि रात 11 बजे केक काटने की खास वजह यह थी कि दोनों के नाम मिलकर 11 अक्षर बनते हैं। इसलिए उन्होंने खास तौर पर रात 11 बजे केक काटा। थाना प्रभारी सुरेश फरकले के मुताबिक आरोपियों के कब्जे से तलवारें बरामद हुई हैं। एक नकली प्लास्टिक की तलवार भी है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि जन्मदिन पर उनके दोस्त उन्हें बुलाकर ले गए थे। दोनों भाई कॉलेज में प्रथम वर्ष के छात्र बताए जा रहे हैं। पुलिस ने दोनों के पांच दोस्तों की पहचान की है। उन सभी की तलाश की जा रही है। जांच में पता चला है कि जब तलवार से केक काटने का वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए आरोपियों ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डीएक्टिवेट कर दिया था। पुलिस ने पहचान कर ली है कि यह अकाउंट किसका है। वीडियो में चार से पांच कारें दिखाई दे रही हैं।

कल से शुरू हो रही नर्सिंग परीक्षा, नहीं दे सकेंगे 36 कॉलेज के छात्र

मप्र नर्सिंग काउंसिल ने जारी की सूची, 28 कॉलेज सीबीआई की जांच रिपोर्ट में अनसुटेबल पाए गए और 8 कॉलेजों के पास क्लीनिकल बिल का सत्यापन नहीं

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। शैक्षणिक सत्र 2022-23 की नर्सिंग परीक्षाएं हाइकोर्ट के आदेश पर 29 अप्रैल से शुरू हो रही हैं। परीक्षा शुरू होने से पहले मप्र नर्सिंग काउंसिल ने एक सूची जारी की है, जिसमें 36 कॉलेजों का नाम है। सूची में शामिल कॉलेजों के छात्र-छात्राएं इस परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे। नर्सिंग काउंसिल ने यह सूचना कॉलेजों को भी भेज दी है। जानकारी अनुसार जिन 36 कॉलेजों को परीक्षा में शामिल नहीं किया जा रहा है, उनमें 28 कॉलेज सीबीआई की जांच रिपोर्ट अनसुइटेबल पाए गए हैं और शेष 8 कॉलेजों के पास क्लीनिकल बिल का सत्यापन नहीं है। इससे उन्हें परीक्षा में शामिल होने से रोक दिया गया है। आपको बता दें कि मप्र में नर्सिंग घोटाले की जांच हाइकोर्ट के निर्देश पर

सीबीआई द्वारा की गई है। इसमें कई कॉलेज नियमों की दृष्टि से फर्जी पाए गए हैं। इसी आधार पर नर्सिंग काउंसिल ने 36 कॉलेजों की सूची जारी की है, जिन्हें परीक्षा में शामिल नहीं किया जा रहा है। 36 कॉलेजों में 8 कॉलेज ऐसे हैं, जिन्होंने क्लीनिकल बिल का सत्यापन नहीं कराया है। दरअसल किसी भी नर्सिंग कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों को कुछ महीने के लिए जिला अस्पताल में जाकर प्रशिक्षण लेना होता है। इस प्रशिक्षण के बदले में कॉलेज संबंधित जिला अस्पताल की रोगी कल्याण समिति में 5 हजार रुपए प्रति छात्र के हिसाब से शुल्क जमा करते हैं। शुल्क जमा करने के बाद अस्पताल द्वारा क्लीनिकल बिल जारी किया जाता है। नर्सिंग काउंसिल ने जिन आठ कॉलेजों को परीक्षा में शामिल होने से रोका है, उनके द्वारा क्लीनिकल बिल जमा नहीं किया गया है। इसलिए उन्हें परीक्षा में शामिल होने से रोक दिया गया है। मप्र नर्सिंग काउंसिल के अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा शुरू होने में अभी दो दिन का समय है, जो कॉलेज भी सोमवार को क्लीनिक बिल जमा कर देंगे, उन्हें परीक्षा में शामिल कर लिया जाएगा।

2 हजार छात्रों के भविष्य पर संकट

मप्र नर्सिंग काउंसिल द्वारा 36 कॉलेजों को परीक्षा में रोकने का सीधा असर यहां अध्ययनरत करीब दो हजार नर्सिंग छात्रों पर पड़ेगा। जानकारी अनुसार नर्सिंग कॉलेज में अलग-अलग सीटों की संख्या है। यह संख्या कहीं 100 है, कहीं 60 तो कहीं 30। औसतन एक कॉलेज में 50 सीट भी मानें तो 1800 बच्चे परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे।

मुख्य सचिव से उच्च स्तरीय जांच की मांग

नर्सिंग घोटाले में उच्च स्तरीय जांच की मांग एनएसयूआई ने फिर शुरू कर दी है। गत दिवस एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने मुख्य सचिव अनुराग जैन को ज्ञापन सौंपकर यह मांग उठाई है। ज्ञापन में कहा गया है कि इस घोटाले का पर्दाफाश हुए एक वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, फिर भी अब तक सभी दोषियों पर उचित कार्रवाई नहीं की गई है। वर्ष 2024 में तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा आयुक्त द्वारा 110 से अधिक डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। किन्तु वर्तमान आयुक्त तरुण राठी द्वारा केवल 70 व्यक्तियों को ही आरोप पत्र जारी किया गया। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व में प्रतिभा सिंह ठाकुर द्वारा कई फर्जी नर्सिंग कॉलेजों को अवैध रूप से मान्यता दी गई थी, और एनएसयूआई ने 4 अप्रैल 2025 को चिकित्सा शिक्षा आयुक्त को लिखित शिकायत भी की थी, किन्तु अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

राजधानी में 275 मकान हाईटेंशन लाइन के नीचे, कंपनी ने शुरू की हटाने की कार्रवाई

अनदेखी से होते हैं हादसे: अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में ऐसे 6 कब्जे हटाए, अन्य को जारी किए गए नोटिस

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजधानी में लगभग 275 मकान या भवन ऐसे हैं, जिनका निर्माण 132 केवी की एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन के नजदीक किया गया है। नतीजतन बारिश के मौसम में छत या बालकनी का फर्श गीला होने या अचानक से लाइन के संपर्क में आने से लोगों को बिजली का झटका लगता है, जिससे कई बार लोगों की जान भी चली जाती है। ऐसे में हाई टेंशन लाइन के नजदीक कब्जा कर बनाए गए निर्माणों को तोड़ने के लिए बिजली कंपनी द्वारा कार्रवाई शुरू की गई है। बता दें कि 12 अप्रैल को नारियलखेड़ा स्थित शारदा नगर में दो लोगों के भोपाल-लालघाटी एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन के चपेट में आ जाने के बाद एमपी ट्रांसको द्वारा इन निर्माणों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई है। पहले चरण में अब तक 6 से ज्यादा निर्माणों को हटाकर हाईटेंशन लाइन से दूर किया गया है। गौरतलब है कि शारदा नगर निवासी फरहान खान और गुड्डू खान हाईटेंशन लाइन के चपेट में आने के बाद गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना के दौरान फरहान और गुड्डू मकान के ऊपर सीमेंट की चादर का शेड लगा रहे थे। इसी दौरान एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन के इंडक्शन जोन के संपर्क में आ गए और हादसा हो गया। घटना के कारण लाइन में ट्रिपिंग आ गई और पूरे क्षेत्र में करीब 9 मिनट तक विद्युत आपूर्ति बाधित रही।

हाईटेंशन लाइन के नीचे से अतिक्रमण हटाते कर्मचारी।

जहां दुर्घटना हुई वहां से 6 कब्जे हटाए

नारियलखेड़ा के शारदा नगर इलाके में गली नंबर 13 से गुजर रही एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन के बिल्कुल नजदीक लोगों ने कब्जे कर दो मंजिला और तीन मंजिला निर्माण कर रखे हैं। इस कारण अक्सर इन क्षेत्रों से लोगों के एचटी लाइन से झुलसने की खबरें आती रहती हैं। इसी कारण निर्माणों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। अब तक 6 कब्जों को हटाया गया है। एमपी ट्रांस्को के अधिकारियों के अनुसार कब्जा हटाने से पहले भवन स्वामियों को नोटिस भी जारी किए जा चुके हैं।

> भोपाल में एक्स्ट्रा हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइनों के समीप बने सभी ऐसे अनाधिकृत और घातक निर्माणों को चिन्हित कर हटाया जा रहा है, ताकि इन लाइनों के संपर्क में आने से होने वाली दुर्घटनाओं की संभावनाओं को समाप्त किया जा सके।
>
> ■ **रवि चौरसिया**, कार्यपालन अभियंता, भोपाल, एमपी पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी

पेट्रोलिंग के दौरान चिन्हित किए कब्जे

एमपी ट्रांस्को के अधिकारियों ने बताया कि कंपनी द्वारा भोपाल में की गई पेट्रोलिंग के दौरान 132 केवी एचटी लाइन के नजदीक लगभग 275 कब्जे चिन्हित किए गए हैं, जो लाइन के बिल्कुल नजदीक होने से घातक और असुरक्षित हो गए हैं। इन सभी मकान मालिकों को लगभग 900 नोटिस जारी किए जा चुके हैं और कई बार काउंसलिंग कर इन्हें कब्जों के चलते होने वाली दुर्घटनाओं की जानकारी भी दी गई है, कुछ भवन मालिकों ने अपने निर्माणों को ठीक करवा लिया है और जिन जगहों पर भवन की डिजाइन में सुधार नहीं किया जा रहा है वहां एमपी ट्रांस्को द्वारा कार्रवाई कर निर्माण हटाए जा रहे हैं। गौरतलब है कि शहर में एचटी लाइन के नजदीक सबसे ज्यादा कब्जे गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, करोंद, रतनपुर कॉलोनी, देवकीनगर, लालघाटी, नारियलखेड़ा, जैन कॉलोनी, आनंद नगर, साईंनाथ इंटरप्राइजेस, विश्वकर्मा नगर, शिव नगर, बैरागढ़, रतन कॉलोनी व शारदा नगर में है। इस कारण इन क्षेत्रों को एमपी ट्रांस्को द्वारा अति संवेदनशील क्षेत्र घोषित किया गया है।

भीषण गर्मी में भी बोरवन में 40 तरह के पक्षियों का डेरा

वन विभाग के अधिकारियों ने लोगों को बताया पक्षियों का महत्व

बोरवन पार्क में मौजूद पक्षी। पानी के लिए पार्क में कई जगह सकारे रखे गए हैं।

जागरण संवाददाता, भोपाल। संत हिरदाराम नगर स्थित बोरवन पार्क में गर्मी के मौसम के दौरान भी पक्षियों की विभिन्न प्रजातियां विचरण कर रही हैं। रविवार को पर्यावरण वानिकी वनमंडल भोपाल और संस्था भोपाल बर्ड्स के संयुक्त तत्वावधान में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उद्यान के अंदर 40 से ज्यादा पक्षियों की प्रजातियों को चिन्हित किया गया। इस दौरान वन विभाग के अधिकारियों ने स्थानीय लोगों को पक्षियों के बारे में जागरूक करते हुए जैव विविधता में इनका महत्व बताया। कार्यक्रम में राजभवन के ओएसडी अरविंद पुरोहित और पर्यावरण वानिकी वनमंडल के एसडीओ आरकेएस चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। साथ ही भोपाल बर्ड्स से डॉ. संगीता राजगीर और मो. खालिक ने स्थानीय लोगों के साथ पक्षी प्रजातियों को चिन्हित किया। इस दौरान अधिकारियों ने पार्क में विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी के सकोरे रखे और पक्षियों के संरक्षण के लिए जगह जगह पोस्टर लगाए। बता दें कि बोरवन में रोजाना सैकड़ों लोग सुबह की सैर करने आते हैं। इस दौरान सभी को पक्षियों की प्रजातियों के बारे में बताया गया। इन पक्षियों का महत्व बताते हुए पार्क के अंदर इनके पोस्टर भी लगाए गए। ताकि यहां आने वाले लोग इन पक्षियों को पहचानकर इनके संरक्षण के लिए कार्य कर सकें।

इन प्रजातियों के पक्षी हैं मौजूद

पार्क के अंदर मुख्यतः सिनेरस टिट, कोयल, रोज रिंग पैराकीट, ब्लैक ड्रोंगो, पर्पल रम्पड सनबर्ड, ब्लैक हेडेड आइबिस, ग्लासी आइबिस, पेंटेड स्निप, जीटिंग सिस्टिकोला, स्पॉट बिल डक जैसे पक्षियों को चिन्हित किया गया।

आरकेएमपी के पास शराबियों ने गाड़ी में घुसकर हेड कांस्टेबल को पीटा, वर्दी फाड़ी

दुस्साहस: देर रात संचालित रेस्टोरेंट सहित दुकानें बंद कराने पहुंची थी जीआरपी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पुलिस और जीआरपी के लिए सिरदर्द बन गया है। बंसल वन में संचालित होने वाला पब, रेस्टोरेंट और दुकानों में विवाद हो रहे हैं। सूचना पर जीआरपी पहुंचती है तो विवाद की स्थिति बन जाती है और नशे में जीआरपी के साथ मारपीट आम बात हो गई है। शनिवार देर रात भी ऐसा ही कुछ हुआ। जीआरपी की टीम बंसल वन में दुकानें बंद कराने पहुंची थी, तभी युवकों ने जीआरपी की जीप में घुसकर एक हेड कांस्टेबल की पिटाई कर दी। मारपीट में कांस्टेबल की वर्दी फट गई। आरोपियों ने धार्मिक आधार पर आपत्तिजनक टिप्पणियां भी की हैं। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो की तलाश जारी है। जीआरपी के अनुसार, शनिवार रात करीब 2 बजे

बंसल वन की दुकानें और रेस्टोरेंट्स बंद कराने पहुंची थी। इसी दौरान कुछ युवक कार में बैठकर शराब पीते दिखे। जीआरपी में पदस्थ हेड कांस्टेबल नजर दौलत खान ने उन्हें स्टेशन परिसर में शराब पीने से मना किया। इस पर वह भड़क गए। आरोपियों ने गालीगलौज की। नजर दौलत ने उनका विरोध किया तो आरोपियों ने गाड़ी में घुसकर मारपीट शुरू कर दी। हेड कांस्टेबल के साथ मारपीट होती देख हेड कांस्टेबल संदीप और कमल रघुवंशी बचाने आए। इस पर आरोपी कहने लगे कि तुम हिंदू भाई हो, हट जाओ। तभी एक अन्य आरोपी ने कहा, सब कहते हैं कि हिंदू भाई समझदार हैं, लेकिन ये (दौलत खान) लोगों को समझा रहा है। आरोपी जीप का दरवाजा खोलकर सीट पर बैठे हेड कांस्टेबल को पीटते रहे। मारपीट का लोगों ने विरोध नहीं किया और वह वीडियो बनाते रहे। बाद में जीआरपी थाने से पुलिस बल बुलाया गया। इस दौरान आरोपियों ने वहां से दौड़ लगा दी। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ, मारपीट, गालीगलौज सहित अन्य धाराओं में एफआईआर करते हुए मुख्य आरोपी जितेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। उसके साथ मौजूद दो अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अयोध्या बायपास को 6 लेन करने के लिए काटे जाने हैं पेड़, इसी का विरोध कर रहे लोग

8 हजार पेड़ों को बचाने एकजुट हुए शहरवासी बोले- निर्णय नहीं बदला तो सड़क पर उतरेंगे

जागरण संवाददाता, भोपाल। रत्नागिरी तिराहे से आशाराम तिराहे तक अयोध्या बायपास को 6 लेन किया जाना है। इसके चलते सड़क के दोनों ओर लगे लगभग 8 हजार से ज्यादा पेड़ काटे जाएंगे। इसको लेकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने केविएट सूचना भी जारी कर दी है। पेड़ों की कटाई से सड़क का चौड़ीकरण तो हो जाएगा, लेकिन शहर की हरियाली पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। इससे शहर का तापमान बढ़ेगा। बता दें कि वर्तमान में शहर के ग्रामीण इलाकों में जलवायु संकट के चलते भीषण गर्मी पड़ रही है, जिससे जलस्रोत सूख रहे हैं। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए भोपाल वासियों ने सड़क चौड़ीकरण का विरोध करना शुरू कर दिया है और शासन से इन 8 हजार पेड़ों को बचाने की अपील की है। रविवार को कटारा हिल्स स्थित बागमुगालिया एक्सटेंशन कालोनी के लोगों ने कालोनी अध्यक्ष उमाशंकर तिवारी के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विरोध किया और विरोध प्रदर्शन करते हुए शासन ने निर्णय बदलने की अपील की। रहवासियों ने बताया कि यदि शासन ने निर्णय नहीं बदला तो वे इस फैसले के विरोध में सड़क पर उतरेंगे और यदि आवश्यकता हुई तो शहर वासियों को जागरूक करते हुए बड़े पैमाने पर विरोध दर्ज कराया जाएगा।

सड़कें चौड़ी कराने के बाद कराए जाते हैं कब्जे

रहवासियों ने प्रदर्शन करते हुए बताया कि वर्तमान में शहर की कई सड़कों को चौड़ा किया गया है, लेकिन चौड़ीकरण के बाद सड़क पर मॉल व हॉस्पिटल संचालक वाहनों की पार्किंग करवाते हैं। कई जगहों पर कब्जा कर अनाधिकृत हॉकर्स कॉर्नर बना दिए गए हैं। ठेले और गुमटियां रखवा दी जाती हैं, जिससे समस्या वहीं की वहीं रहती है, जबकि शहर का ग्रीन कवर नष्ट हो जाता है।

एनएचएआई ने किए चिह्नत कांटेंगे 100 साल पुराने पेड़

जिन पेड़ों को एनएचएआई द्वारा चिन्हित किया गया है। उनमें 50 साल से लेकर 100 साल पुराने तक कई पेड़ मौजूद हैं, जिनमें मुख्य रूप से पीपल, बरगद, नीम, आम, इमली और अन्य बड़े पेड़ मौजूद हैं। इन पेड़ों से शहर को काफी ऑक्सीजन मिलती है। यदि इन पेड़ों को काटकर इनकी जगह पर अन्य पेड़ लगाए जाते हैं, तो उनसे इतनी ऑक्सीजन मिलने में कम से कम 30 साल का समय लगेगा।

> यदि सरकार ने 8 हजार से ज्यादा पेड़ों को काटने का निर्णय वापिस नहीं लिया तो बड़े पैमाने पर आंदोलन करेंगे। इसके लिए अन्य संगठनों का सहयोग लेकर सड़क पर उतरेंगे और शहर की हरियाली को बचाएंगे।
>
> ■ **उमाशंकर तिवारी**, अध्यक्ष, बागमुगालिया एक्सटेंशन कालोनी

परेशानी | प्रदेश के 1310 कॉलेजों में मई के दूसरे सप्ताह से शुरू हो सकती है काउंसलिंग

जिसे प्रवेश की जिम्मेदारी, उसका प्रदेश में कार्यालय तक नहीं

एमपी ऑनलाइन से लेकर बेंगलुरु की कंपनी को दी प्रवेश की जिम्मेदारी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने एमपी आनलाइन से प्रवेश प्रक्रिया छीनकर बेंगलुरु की एसआरआईटी को दी है। एजेंसी बैंगलुरु की होने से राच्य में अभी कोई कार्यालय तक नहीं है। प्रदेश कालेजों में प्रवेश प्रक्रिया मई के दूसरे सप्ताह से शुरू होने की संभावना है, लेकिन अभी तक जमीनी स्तर पर कोई तैयारी नहीं दिख रही है। इसके चलते प्रवेश लेने वाले छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बैठक के दौरान यह बात सामने आई थी कि कालेजों में प्रवेश प्रक्रिया काफी बड़ी है। कोई बदलाव करने के पहले सभी व्यवस्थाएं ठीक की जाएं। लेकिन मैदानी हकीकत को देखे बिना ही विभाग ने बैंगलुरु की कंपनी को सीधे प्रवेश प्रक्रिया के लिये चयनित कर लिया है और प्रवेश प्रक्रिया के नाम पर सिर्फ कालेजों की प्रोफाइल अपडेट करने के लिए कहा गया है। प्रदेश में 1310 निजी और सरकारी कालेजों में प्रवेश कराने के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने बैंगलुरु की एसआरआईटी को टेंडर प्रक्रिया के तहत चयन किया है। गत वर्ष तक विभाग एमपी आनलाइन के माध्यम

से सभी कालेजों में प्रवेश कराता था। विभाग ने आनलाइन प्रवेश कराने की शुरूआत सबसे पहले एनआईसी से कराई थी, जिसमें काफी परेशानी आने के बाद एमपी आनलाइन को प्रवेश का दायित्व दिया गया। अधिकारियों ने एमपी आनलाइन को बिना किसी कारण के बाहर कर दिया है। इससे प्रदेश में फैले 53 हजार कियोस्क पर विभाग का नियंत्रण सीधे समाप्त हो गया है। विद्यार्थी बिना कियोस्क की मदद से प्रवेश प्रक्रिया में भागीदारी नहीं कर सकते हैं। इससे विद्यार्थियों की लूट होना लगभग तय है। इससे विभाग को काफी परेशानी उठानी पड़ेगी। हालांकि विभाग कोई गड़बड़ी होने की स्थिति में आफलाइन प्रवेश कराने की बात कह रहा है, जिसके लिए विभाग ने अभी कोई तैयारी नहीं किया है।

ऐसे होती थी कियोस्क संचालकों को आय

विभाग हर विद्यार्थी से प्रवेश पर 150 रुपये लेता था। इसमें वह अपने पास 80 रुपए रखता था। शेष 70 रुपए एमपी आनलाइन को दिए जाते थे। एमपी आनलाइन 70 में से 30 रुपए स्वयं रखता था और 40 रुपए कियोस्क को प्रवेश कराने पर देता था। कियोस्क को यह राशि देने का कारण यह है कि राच्य सरकार ने बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए कियोस्क तैयार कराए थे। एजेंसी बदलने के कारण कियोस्क की सीधी आमदनी बंद हो गई है, जिसके कारण वह विद्यार्थियों से मनमर्जी के मुताबिक वसूली करेंगे। वहीं एमपी आनलाइन 30 रुपए लेकर सेवाएं दे रही थी।

> विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित रखा गया है। किसी भी कियोस्क द्वारा गड़बडी सामने आती है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।
>
> अनुपम राजन, एसीएस, उच्च शिक्षा विभाग

संभागीय गश्त पर निकले एसआई को देर रात बाइक सवार ने मारी टक्कर, गंभीर

सिर और कंधे में चोट, निजी अस्पताल के आईसीयू में चल रहा इलाज

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास शनिवार-रविवार की दरमियानी रात बाइक सवार ने संभागीय गश्त कर रहे एसआई को टक्कर मार दी। दरअसल, गश्त में एसआई रामसिंह ने तेज रफ्तार बाइक को देर रात आते हुए देखा था और उसे रोकने का प्रयास किया। बाइक चालक रुका नहीं और उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से एसआई रामसिंह सड़क पर गिर गए और उन्हें गंभीर चोट आई है। इसी प्रकार टक्कर मारने वाली बाइक पर सवार तीन युवक भी सड़क पर गिरकर घायल हुए हैं। उनका भी इलाज चल रहा है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले बाइक सवार पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस अस्पताल में आरोपी पर नजर रखे हुए है। उसके स्वास्थ्य में सुधार होते ही पुलिस ने गिरफ्तारी और पूछताछ करेगी। पुलिस के अनुसार एसआई रामसिंह, निशातपुरा थाने में पदस्थ हैं। उनकी शनिवार रात संभागीय गश्त थी। वे हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास खड़े थे। इस दौरान देवकी नगर की तरफ से एक तेज रफ्तार बाइक आती हुई नजर आई। बाइक पर तीन लोग बैठे हुए थे। उन्होंने साइड में खड़े होकर बाइक वाले को रुकने का इशारा किया, लेकिन बाइक वाला रुका नहीं और अपनी रफ्तार बढ़ा ली। रफ्तार बढ़ाने के साथ बाइक चालक ने तेजी और लापरवाहीपूर्वक बाइक चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही एसआई रामसिंह सड़क पर गिर गए, जबकि बाइक वाला भी अनियंत्रित होकर गिर गया। साथ मौजूद पुलिसकर्मी एसआई रामसिंह को निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां उनका इलाज चल रहा है।

बाइक पर नहीं है नंबर प्लेट

एसआई एमडी अहिरवार ने बताया कि एसआई रामसिंह को टक्कर मारने वाली बाइक पर नंबर प्लेट नहीं थी। टक्कर मारने वाले आरोपी की पहचान अमन कुरैशी के रूप में की गई है। उसे भी चोट आई है और उसका इलाज चल रहा है। एसआई रामसिंह को सिर में गंभीर चोट है। हादसे के बाद से ही बेसुध थे। रविवार शाम को उन्हें होश आया और थोड़ी बातचीत की। उनके सिर में अंदरूनी चोट होने के कारण डॉक्टर ने उनकी हालत नाजुक बताई है। इसके अलावा गाल और सिर में भी चोट है।

भगवानदास सबनानी ने विस्तार से रखी समाज की समस्याएं

प्रधानमंत्री मोदी राजा दाहिरसेन की वीरता को आगे लेकर जा रहे हैं : सीएम यादव

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। हाल ही में काश्मीर में हुई आतंकवादी घटना से पता चलता है कि राजा दाहिर सेन ने सालों तक अरबों की सेना को रोके रखा और धर्म की रक्षा की, उसी मामले को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनकी वीरता के लेकर आगे जा रहे हैं। यह कहना है प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव का। वे सिंधु भवन में आयोजित भगवान झूलेलाल जयंती के उपलक्ष्य में प्रांतीय कार्यक्रम में बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दक्षिण पश्चिम के विधायक एवं प्रदेश भाजपा महामंत्री भगवानदास सबनानी ने की। सिंधु भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेन्द्र मनवानी की विशेष मौजूदगी में आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंधी समाज के लोगों को धन्यवाद देना चाहिता हूं कि जिन कठिन परिस्थितियों में उन्होंने देश व सनातनी धर्म की खातिर अपनी जन्म स्थली सिंध को छोड़ा, तत्कालीन नेताओं ने सिंध प्रदेश के विभाजन में बहुत सारी गलतियां की। वो जीवन का सबसे खराब निर्णय था। सिंधी समाज ने अपनी जमीन, जायदात, सुख सुविधाएं छोड़कर अपने ही देश में शर्णाथी बन गए लेकिन उस समय के नेताओं को शर्म नहीं आई, जिन्होंने इतनी बड़ी गलती की पर सिंधी समाज ने अपने पराक्रम से जो खुद को स्थापित किया और देश की आबो हवा में रच बस गए, वह सुखद बात है। उन्होंने कहा कि भले ही सिंधी व्यक्ति नौकरी करेगा लेकिन साइड में दो काम कमाने के जरूर करेगा यह उनकी खूबी है। आपने दाहिरसेन, भगवान झूलेलाल, संत कंवरराम के अलावा स्वामी हिरदाराम जी का उल्लेख करते हुए उन्हें महान बनाया और कहा कि जीव सेवा संस्थान स्वामी हिरदाराम जी ने स्थापित की जो अनेक सेवा कार्य कर रहा है। मप्र मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी, सिंधु भवन ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष इंदौर के ईश्वरलाल झामनानी, सीपी देवानी, जयपाल सचदेवा के अलावा उपाध्यक्ष मनोज गोलानी, गुलाब ठाकुर मोहन लालवानी, सचिव डडी मेंघानी, सह सचिव हरीश ज्ञानचंदानी, कोषाध्यक्ष श्याम चंदनानी, इंदौर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष मनोज राजानी, पीताम्बर राजदेव, विश्वंभर राजदेव, अनिल चुघ, जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी, वरिष्ठ समाज सेवी हीरो ज्ञानंचदानी, जयकिशन लालचंदानी, सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरियानी, सिंधी सेन्ट्रल पंचायत संत नगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश चोटरानी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में विधायक एवं प्रदेश भाजपा महामंत्री भगवानदास सबनानी ने मुख्यमंत्री के समक्ष सिंधियों की समस्याओं को विस्तार से रखा उन्होंने कहा कि पहली बार जीआइएस के बाद प्रदेश के विकास के द्वार खुले हैं उन्होंने कहा कि आजादी के 77 साल बाद भी सिंधी समाज पट्टों की समस्या कायम है। उन्होंने बताया कि 20 साल बाद कोई मुख्यमंत्री सिंधु भवन में आए हैं, ऐसे में सिंधी समाज की कुछ अपेक्षाएं भी हैं। उन्होंने कहा कि विभाजन के बाद से ही हर मंच पर अपनी पीढ़ा को रखता आया है। मालिकाना हक की समस्या का समाधान होना चाहिए। भगवान झूलेलाल, राजा दाहिर सेन, कंवरराम की जीवनी को पाठ्यक्रम में जोड़ना चाहिए। सिंधी साहित्य अकादमी का बजट बहुत ही कम है उसमें बढ़ोतरी करना चाहिए। हेमू कालानी की आदमकद प्रतिमा भोपाल में एवं अन्य शहरों में प्रतिमाएं लगाने की जरूरत है। भोपाल में सिंधी साहित्य, कला व संस्कृति का संग्राहलय स्थापित होना चाहिए। सिंधु यात्रा की बात भी भगवानदास सबनानी ने निकाली। यहां बता दें कि 31 मार्च 2023 को मोहन भागवत की उपस्थिति में जो कार्यक्रम हुआ उसमें तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने सिंधी अकादमी का बजट 5 करोड़ करने, सिंधु दर्शन यात्रियों को 25 हजार का अनुदान देने एवं प्रापर्टी के मालिकाना हक की घोषणा की पर दो साल बाद भी अमल नहीं हो सका है। जहां भगवानदास सबनानी ने सिंधी समाज की समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला वहीं मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव द्वारा अपने भाषण में किसी भी समस्या का उल्लख नहीं करने एवं किसी तरह की घोषणा नहीं होने से सिंधी समाज जरूर निराश हुआ। जबकि इस बात की उम्मीद थी कि प्रापर्टी के मालिकाना हक, सिंधी अकादमी के बजट आदि की सीएम जरूर चर्चा करेंगे। आरंभ में सिंधु भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेन्द्र मनवानी ने स्वागत भाषण दते हुए गौ-शाला के लिए सूरजनगर में 10 एकड़ जमीन की मांग की। यहां ट्रस्ट की तरफ से मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट कर, शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। हरीश ज्ञानचंदानी ने आभार माना।

सारी बाधाएं दूर की

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में उद्योग लगाने के लिए विभिन्न प्रकार की जो परमीशन लेनी पड़ती थी, उसमें काफी समय बर्बाद होता था आठ दस माह औपचारिकताएं पूरी करने में लग जाते थे उससे उद्योगपतियों का उत्साह ठंडा हो जाता था लेकिन हमने सारी कठिनाईयों को दूर करते हुए कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि उद्योगों के लिए लगने वाली किसी भी तरह की परमीशन के लिए उद्योगपतियों को इधर उधर भटकना न पड़े सारी परमीशन कलेक्टर के माध्यम से प्राप्त होनी चाहिए इस तरह की 40 तरह की परीमीशन लेनी होती थी उनमें 30 परमीशन को निरस्त कर केवल 10 प्रकार की परमीशन कलेक्टर ही लेकर देंगे।

सरकारी नौकरी सीमित

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कहा कि सरकारी नौकरी तो सीमित है, लेकिन सरकारी से बात नहीं चलेगी पर अगर उद्योग लगेंगे तो 23 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। आईटी सहित अन्य उद्योगों की बात करते हुए कहा कि इससे रोजगार के व्यापक असर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि खूब उद्योग लगाएं और लोगों को रोजगार दें।

पशु, पक्षियों को दाना-पानी देने से सात्विकता बढ़ती है : गेहानी

वासवानी स्कूल के 1100 बच्चों को बांटे सकोरे एवं दाना

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। इन दिनों ब्रम्हलीन स्वामी हिरदाराम जी के आशीर्वाद एवं संत सिद्ध भाऊ के मार्गदर्शन में हजारों स्कूली विद्यार्थियों को पशु, पक्षियों के लिए भीषण गर्मी में पानी के लिए सकोरे एव ंदाने की थेलियां बांटने का काम चल रहा है। इसी कड़ी में 50 साल से अधिक पुरानी शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्था साधु वासवानी एवं मुकिता इंटरनेशनल स्कूल संस्थान ने 1100 बच्चों को सकोरे एवं दाने की थेलियां बांटी। इस मौके पर 89 वर्षीय वरिष्ठ शिक्षाविद विष्णु गेहानी ने कहा कि बचपन में पशु व पक्षियों के लिए दाना पानी देने हेतु विद्याथियों को प्रेरित करने से उनके भीतर सात्विकता का भाव पैदा होता है, इससे पशु व पक्षियों के भीतर से निकलने वाली दुआ न केवल विद्यार्थियों को पढ़ाई में निपुण बनाती है, वे अच्छे नम्बरों से पास होते हैं बल्कि इससे घर में सुख शांति एवं सकारात्मक उर्जा का भी प्रवेश होता है। पीआरओ दीपा आहूजा, प्राचार्य सुतापा जायावाल, उप प्राचार्य स्वाति कलवानी की विशेष उपस्थिति में लगभग 1100 बच्चों को सकोरे एव ंदाने की थेलियां प्रदान की गई। उन्हें यह समझाइश भी दी गई कि सुबह जल्दी उठकर इसमें पानी भरकर रखें, शाम को फिर पानी भरें इसके अलावा दाना भी रखें ताकि पशु व पक्षी इसे ग्रहण कर आशीर्वाद प्रदान करें।

संस्कारों का बीजारोपण : विष्णु गेहानी ने कहा किविद्यार्थी ऐसे स्कूल में पढ़ते हो जहां संस्कारों का बीजारोपण होता हैं संत सिद्ध भाउ के आशीर्वाद से इस विद्यालय में माता-पिता की सेवा एवं मूक प्राणियों की सेवा का संस्कार भी समय-समय पर दिया जाता है एवं आपको नियमित रामायण, गीता का पाठ भी करना चाहिए। महान शिक्षाविद एवं स्वतंत्रता संग्राम सैनानी साधु टीएल वासवानी जी ने भी मूक प्राणियों की रक्षा का संदेष दिया है दादा के नाम से ही हमारे स्कूल का नाम साधु वासवानी रखा गया है, ग्रीष्म ऋतु में मूक प्राणियों के लिए प्रातः दाना-पानी रखना नारायण की सेवा के समान है जो इन मूक प्राणियों की सेवा करता है वह कभी भी असफल नहीं होता है इनकी

चहचहाट के बिना आपका जीवन अधूरा है, मूक प्राणियों को आपको कभी भी कष्ट नहीं पहुंचाना चाहिए एवं सभी विद्यार्थियों को शाकाहार अपनाना चाहिए क्योंकि यह पशु-पक्षी हमारे भोजन की चीज नहीं है यह सभी हमारे लिए प्रकृति का उपहार है जिनकी हमें रक्षा करनी चाहिए। इस अवसर पर पीआरओ दीपा आहूजा ने अपने विचार रखते हुए विद्यार्थियों को बताया कि रोज सुबह उठकर पक्षियों को एक बार अन्न व 3 बार ठंडा जल देंगें तो उनकी दुआएं प्राप्त करेंगे, जो विद्यार्थी पक्षियों को अन्न पानी देगा व सात्विक विचारों वाला बनेगा उसमें पषु-पक्षियों के प्रति करुणा का भाव आएगा। विद्यालय की छात्रा रिद्धि एवं दिया ने बताया कि पशु-पक्षियों को दाना पानी देना धार्मिक दृष्टि सें शुभ माना जाता है।

बिना बताए हो रही घंटों बिजली कटौती, ग्रामीणों में सरकार के प्रति रोष

कलारा । उमस भरी गर्मी में लगातार हो रही बिजली की कटौती ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। बैरसिया तहसील में व ग्राम कलारा एवं आसपास लगे हुए ग्रामों में इन दिनों अघोषित बिजली कटौती व बार-बार बिजली के आने जाने से लोग परेशान है। क्षेत्र में इन दिनों बिना किसी पूर्व सूचना के दिन भर में कई बार लाइन गोल हो जाती है और यह समस्या लगभग हर दिन की है। गुनगा सब स्टेशन क्षेत्र में बिजली कटौती कभी 2 घंटे कभी 4 घंटे तो कभी 5 घंटे और कभी सुबह आठ बजे से पांच बजे तक बिजली गुल रहती है। बिजली गुल होने के बाद पता नहीं होता है कि बिजली दोबारा कब आएगी। दिन हो या रात बस लोगों को अघोषित बिजली कटौती का ही डर सताता रहता है कि बिजली ना जाने कब गुल हो जाए। बिजली कटौती के कारण लोगों की पूरी दिनचर्या खराब होकर रह जाती है। उमस भरी गर्मी से छोटे बच्चे, महिला और बुजुर्गों को भारी कठनाईयों का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण क्षेत्र में बिजली की अघोषित कटौती से ग्रामीणों में सरकार के प्रति रोष व्याप्त है।

पीएम मोदी के मन की बात को महिला शक्ति के साथ सुना

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। गुरुनानक मंडल ने महिला शक्ति के साथ मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्मन की बातश् के 121वें प्रसारण को सुना। इस दौरान मंडल के सदस्यों और महिला शक्ति ने भारत का झंडा लेहराकर आतंकवाद के खिलाफ नारे लगाए और आंतकवाद मुर्दाबादश् लिखित तख्तियों के साथ अपना विरोध प्रदर्शित किया। गुरूनानक मण्डल के अलावा सिंधु सेना के अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की और पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने देश को भरोसा दिलाया कि आतंकवादियों और इस हमले के साजिशकर्ताओं को कठोरतम जवाब दिया जाएगा। यहां राकेश कुकरेजा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के श्मन की बात में प्रेरक विचार हमें विकसित भारत के संकल्प को और दृढ़ करने की प्रेरणा देते हैं। यह कार्यक्रम न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि यह हमें राष्ट्रहित और राष्ट्र सुरक्षा के कार्यों में अधिक सक्रियता से भाग लेने की दिशा में भी मार्गदर्शन प्रदान करता है। महिला शक्ति की भागीदारी ने इस कार्यक्रम को

और भी महत्वपूर्ण बना दिया। उन्होंने अपने हाथों में तिरंगा थामकर और आतंकवाद के खिलाफ नारे लगाकर देश के प्रति अपनी एकजुटता और समर्थन दिखाया। मन की बात कार्यक्रम के दौरान महेश मकवाना, भगवानदास ढालिया, सुनील सराठे, मुकेश सोलंकी,नरेंद्र ठाकुर,संदीप कल्याणे, अतुल घेघट, प्रभात मालवीय सुकांति ठकुरिया, राजकुमारी डागोर, लक्ष्मी महाजन, कुसुम हिरवे, सुरिया बाजी सहित सेंकड़ो महिलाएं उपस्थित थी।

शादी के चार महीने बाद महिला ने लगाई फांसी

भोपाल। ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित वैजनाथ धाम कॉलोनी, लांबाखेड़ा में नव विवाहिता ने शादी के चार महीने बाद ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश रविवार दोपहर कमरे में दुपट्टे के सहारे पंखे पर लटकी मिली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। साथ ही सास से पूछताछ में भी आत्महत्या की वजह साफ नहीं हो सकी है। मायके पक्ष और पति के रायपुर, छत्तीसगढ़ से भोपाल पहुंचने के बाद नव विवाहिता का पीएम कराया जाएगा। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग जांच एसडीओपी द्वारा की जा रही है। पुलिस के अनुसार प्रियंका शर्मा पति सुरेश ठाकुर (32) रायपुर, छत्तीसगढ़ की रहने वाली थी। उसकी शादी चार महीने पहले प्रेम प्रसंग के बाद सुरेश ठाकुर से हुई थी। प्रियंका का अपना कमरा है और वह प्रतिदिन सुबह 10 से 11 बजे तक सोकर उठती थी। रविवार सुबह 11 बजे सास ज्ञान बाई उसके कमरे के बाहर पहुंची तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। ज्ञान बाई ने आवाज दी, लेकिन अंदर से प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्हें लगा कि बहु अभी सो रही होगी।

संत भगतप्रकाश पहुंचे संत हिरदाराम नगर, हुआ जोरदार स्वागत

सत्संग सुनने जुटे सैकड़ों श्रद्धालु

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। श्री प्रेम प्रकाश मण्डलाध्यक्ष स्वामी भगतप्रकाश महाराज (अमरापुर) अल्प प्रवास पर रविवार सुबह बांद्रा जबलपुर ट्रेन से संत हिरदाराम नगर पहुंचे यहां उनके आगमन पर स्टेशन पर सैकड़ों अनुयाईयों ने उनका जोरदार स्वागत किया। उन्हें रैली के रूप में एफ वार्ड स्थित आश्रम तक ले जाया गया जहां भव्य स्वागत हुआ। अपनी संत मंडली संत लालूराम (इन्दौर), संत डालूराम, संत लालचन्द, संत हरीओम, कमल साई जी (गांधीधाम), संत लक्की साई के साथ रविवार को संत हिरदाराम नगर के प्रेम प्रकाश कालोनी में सुबह 11 से 12 बजे तक सत्संग एवं प्रवचन का कार्यक्रम हुआ। अपने प्रवचनों में स्वामी भगतप्रकाश महाराज ने कहा कि कहा कि जहाँ सुमति, तहं संपति नाना, जहाँ कुमति तहं विपति निदाना अर्थात सुमति के पीछे सभी सुख समाएं होते है जिस मनुष्य के पास अच्छी बुद्धी है अच्छे विचार है भले ही उसके पास धन दौलत ज्यादा ना हो भले दुनिया के साथी उनका साथ न दे फिर भी उसका बेड़ा इस संसार से सुखी

सुखी पार हो जाएगा। और जिसके पास धन के अंभार हो लेकिन मन के ख्याल अच्छे न हो उसको दुख की प्राप्ति होती है। उन्होने कहा कि यह सतगुरू की पावन दरबार है यहाँ मांगने की चीजे तो बहुत है लेकिन अगर मांगना है तो हमें सतगुरू की पावन भक्ति मांगनी चाहिए उनकी सेवा और सिमरन मांगना चाहिए, जो भी ग्रंथ है उनका उद्देश्य है मन को समझाना, मन को भक्ति की ओर लगाना। सत्संग कार्यक्रम में कार्यक्रम के प्रवक्ता बसंत चेलानी एवं आश्रम के सेवाधारी सतीष टहिलयानी (टिनी) भगवानदास वीधानी (मेहरापुर), नायणदास लालवानी, राजकुमार झमटानी, अर्जुन बेलानी, सतीष धर्मानी, कन्हैयालाल शीतलानी, दयालदास चंगलानी, विष्णु गेहानी, हरीश मोटवानी, मोहन भूरानी, महेश प्रियानी, लक्ष्मण बेलानी, रामचंद रायचंदानी, गिरधारी झमटानी, लक्ष्मण लालवानी, मनोहर वासवानी, किशनचन्द तथा प्रेम प्रकाष आश्रम के सभी सेवाधारियों ने स्वामी जी का माला एवं फूलो से स्वागत किया गया।

बैरसिया में हिन्दू संगठनों ने निकाली रैली

बैरसिया। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में बैरसिया में विश्वहिंदू परिषद बजरंगदल रामादलम सहित सभी हिन्दू संगठनों ने रैली निकाली। रैली विभिन्न मार्गों से होती हुई चौराह पर पहुंची यहां कार्यकर्ताओं ने विरोध में पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पाकिस्तान और आतंकवाद के प्रतीकात्मक पुतले को चप्पलों से पीटा और जला दिया।और साथ ही मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विश्वहिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष झनक सिंह राजपूत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कारवाही की मांग करते हुए कहा कि पाकिस्तान सैन्य अधिकारी के हिन्दू विरोधी बयान के बाद आतंकियों ने पहलगाम में धर्म पूछ कर पर्यटकों की हत्या की है।

एनडीआरएफ की टीम ने छात्राओं को दिए जीवन रक्षक टिप्स

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। देश में किसी भी आपदा के दौरान एनडीआरएफ की टीम की सेवाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता चाहे बाढ़ हो या भूकम्प अथवा तीक्ष्ण गर्मी या फिर कोई अन्य आपदा उस दौरान एनडीआरएफ की टीम जिस तरह से आम जनता की सेवा एवं मदद करती है, उससे बड़ी राहत मिलती है। किस तरह से एनडीआरएफ की टीम काम करती है, और उससे क्या कुछ सीखा जा सकता है, इसकी जानकारी सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को भी दी जा रही है ताकि किसी भी आपदा के दौरान वे भी एनडीआरएफ की टीम के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग कर सकें। इसी तरह का कार्यक्रम शासकीय कन्य हायर सेकण्डरी स्कूल में रखा गया। स्कूल के जुड़े सक्रिय शिक्षक जगदीशचन्द्र सोनी ने बताया कि नेशल डिजास्टर रिलीफ फोर्स के प्रमुख इंस्पेक्टर दयाराम मीणा, सुंदर सिंह एवं पंच सीला द्वारा छात्राओं को विषम परिस्थितियों में किस तरह से जीवन की रक्षा की जा सकती है, उसकी विस्तार से जानकारी प्रदान की। प्राचार्य रमेश शर्मा की विशेष मौजूदगी में आयोजित इस सत्र में दुर्घटना के समय किस तरह फर्स्ट ट्रीटमेंट प्रदान किया जा सकता है, ताकि किसी की भी जान बचाई जा सके उसकी बारीकियों से अवगत कराया। इसके लिए प्रयोगिक तरीके से भी समझाया गया। इस सत्र में स्कूल की छात्राओं ने गहरी रूचि ली।

संत हिरदाराम गर्ल्स कालेज की 90 छात्राओं ने भाग लिया

इनोबिंब इंफोटेक टेक्नोलॉजी पर इंटर्नशिप वैलिडिक्टरी प्रोग्राम

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज ने बीसीए प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए दो माह की इंटर्नशिप कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया। यह कार्यक्रम प्रतिष्ठित आईटी कंपनी इनोबिंब इंफोटेक टेक्नोलॉजी के सहयोग से आयोजित किया गया। इंटर्नशिप का मुख्य विषय फुल स्टैक डेवलपमेंट रहा, जिसमें 90 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वेबसाइट निर्माण एवं विकास का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। कॉलेज ने इनोबिंब इंफोटेक टेक्नोलॉजी के सीईओ गौरव नेमा का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया, जिन्होंने छात्राओं को ऐसा महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया। उनके विजन और युवा प्रतिभाओं को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता ने इस इंटर्नशिप को एक समृद्ध और प्रेरणादायक अनुभव में बदल दिया। इंटर्नशिप के दौरान आदित्य सिंह चैहान और शुभम श्रीवास्तव जैसे विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में छात्राओं ने फुल स्टैक डेवलपमेंट के विभिन्न पहलुओं का गहन अध्ययन किया, जिससे उनकी तकनीकी दक्षता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। कम्प्यूटर एप्लिकेशन विभाग की प्रमुख डॉ. मीनू टहिलयानी ने इस सहयोग की सराहना की और इसे छात्राओं के व्यावसायिक विकास के लिए उपयोगी बताया। छात्राओं ने भी कंपनी और अपने मेंटर्स के प्रति कृतज्ञता प्रकट की, जिन्होंने उन्हें उद्योग से जुड़ी वास्तविक जानकारी और अनुभव प्रदान किया। कॉलेज की ओर से प्राचार्य, डॉ. डालिमा पारवानी ने श्री गौरव नेमा, प्रशिक्षकों और समस्त विभाग का आभार व्यक्त करते हुए उनके समर्पण की प्रशंसा की और छात्राओं को तकनीक की इस तेजी से बदलती दुनिया में अपने कौशल को लगातार निखारने के लिए प्रोत्साहित किया। यह कार्यक्रम आभार, शिक्षा और प्रेरणा के संदेश के साथ संपन्न हुआ, जो छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाने की कॉलेज की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

SUDOKU 114

6		7	5		8			
		3	7					5
4	5						7	
				8				1
	6	1				8	4	
2				1				
	1						2	4
3					1	6		
			4		9	5		7

SOLUTIONS 113

8	1	7	5	6	3	4	9	2
3	4	6	2	9	1	7	5	8
5	2	9	8	7	4	3	6	1
7	5	2	1	4	8	9	3	6
1	6	3	9	2	5	8	7	4
9	8	4	7	3	6	1	2	5
6	7	1	3	8	2	5	4	9
2	9	5	4	1	7	6	8	3

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। संतान के कामों पर पूरा ध्यान दें, क्योंकि वह किसी गलत काम की ओर अग्रसर हो सकते है। व्यापार में अच्छा उछाल आएगा।

वृषभ : जल्दबाजी में कोई काम ना करें। कुछ नए प्रयास बेहतर रहेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन : नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंध भी बेहतर रहेंगे। कामों को कल पर टालने से बचें, नहीं तो समस्या खड़ी हो सकती है।

कर्क : नौकरीपेशा जातकों के लिए बेहतर रहने वाला है। कामों को धैर्य रखकर निपटाने की आवश्यकता है। कामों को लेकर बजट बनाकर चलेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

सिंह : सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। कार्यक्षेत्र में काम से कोई अच्छा मुकाम हासिल करेंगे। बड़ों की बातों को नजरअंदाज करने से बचना होगा।

कन्या : वाणी और व्यवहार पर संयम बनाए रखने के लिए रहेगा। भौतिक संसाधनों में वृद्धि होगी। किसी बात को लेकर बेवजह क्रोध न करें।

तुला : आलस्य दिखाने से बचना होगा। सामाजिक विषयों में आपकी काफी रुचि रहेगी। उपलब्धि हासिल हो सकती है। किसी से धन उधार लिया था, तो उसे भी उतारने की पूरी कोशिश करेंगे।

वृश्चिक : मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। जन कल्याण के कार्यों में काफी रुचि रहेगी। परिजनों का सहयोग मिलेगा और कार्यक्षेत्र में कामों से सभी का दिल जीतने में कामयाब रहेंगे।

धनु : नए संपर्कों से लाभ लेकर आएगा। लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा होगा। रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी।

मकर : दान और धर्म के कार्यों में काफी रुचि रहेगी। अकस्मात किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जो लाभदायक रहेंगी।

कुंभ : चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। व्यवसाय की योजनाएं से भी बेहतर लाभ मिलेगा। बड़ा लक्ष्य हासिल हो सकता है।

मीन : कानूनी मामले में अच्छा रहने वाला है। बिखरे व्यापार को संभालने की कोशिश में लगे रहेंगे, लेकिन कार्यक्षेत्र में आपको आपसी सामंजस्य बनाए रखने की आवश्यकता है।

आज का पंचांग: 28 अप्रैल सोमवार 2025। **दिशाशूल :** पूर्व। विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु वैशाख मास शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 21 घंटे 12 मिनट तक तत्पश्चात् द्वितीया भरणी नक्षत्र 21 घंटे 38 मिनट तक, तत्पश्चात् कृतिका नक्षत्र आयुष्मान योग 20 घंटे 03 मिनट तक सौभाग्य योग मेष मे चंद्रमा 26 घंटे 54 मिनट तक तत्पश्चात् वृष में।

संक्षिप्त खबरें

जनजाति समुदाय की परंपराओं के मूल में वैज्ञानिक दृष्टिकोण

जागरण, भोपाल। जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा आयोजित संगोष्ठी में मध्य प्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र मरावी ने जनजाति समाज की परंपराओं के वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जनजाति समाज एक प्रकृति पूजक समाज है, जिसमें उनकी परंपराओं के पीछे एक गहरी वैज्ञानिक सोच छिपी हुई है। संगोष्ठी का आयोजन एकलव्य संकुल, एमपी नगर, भोपाल में जनजाति समुदाय अस्मिता, अस्तित्व एवं विकास विषय पर किया गया। इस अवसर पर संगोष्ठी के प्रारंभ में पहलगाम घटना में दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उनके चित्रों के पास दीप जलाए गए और पुष्प अर्पित किए गए। कार्यक्रम का संचालन गोरखी डामोर ने किया और कार्यक्रम के समापन पर रामदीन त्यागी ने आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी में जनजाति समुदाय की सांस्कृतिक और सामाजिक धरोहर की रक्षा एवं उसके विकास के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई, ताकि उनके अस्तित्व और पहचान को सशक्त किया जा सके।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में निखिता गांधी का धमाकेदार लाइव कॉन्सर्ट

भोपाल। कोलार रोड स्थित एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में शनिवार रात बॉलीवुड की मशहूर सिंगर निखिता गांधी का लाइव कॉन्सर्ट आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 5 हजार छात्र-छात्राएं मौजूद रहे और निखिता के सुपरहिट गानों पर जमकर थिरके। कॉन्सर्ट शुरू होने के बाद निखिता अपने पॉपुलर गाने पर और भी धमाकेदार अंदाज में थिरकने लगीं। छात्रों ने मोबाइल फ्लैशलाइट डांसरों का स्वागत कर पूरे समारोह को यादगार बना दिया। एक के बाद एक हिट फिल्मों की प्रस्तुति में उनके हर गाने पर तालियों और डांस से प्रतिभा का जोश दिखा। कार्यक्रम का आयोजन यूनिवर्सिटी के सांस्कृतिक महोत्सव के तहत किया गया था। इस मौके पर यूनिवर्सिटी के सुपरस्टार जय नारायण चौकसे, प्रो चांसलर डॉ. अनुपम चौकसे समेत अन्य अतिथि भी मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में मृत्यु पर मिला 84 लाख का मुआवजा

जागरण, भोपाल। मोटर दुर्घटना के एक मामले में राजधानी की कोर्ट ने लाल बस की टक्कर से मृत प्रोफेसर के परिवार को 84 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश स्वयं प्रकाश दुबे ने यह फैसला सुनाया है। सुरेन्द्र पैलेस होशंगाबाद रोड निवासी स्वर्गीय रमाकांत शर्मा अपनी पत्नी सीमा शर्मा, दो बेटे-बेटी और माता-पिता के साथ रहते थे। एडवोकेट रणधीर सिंह ठाकुर ने बताया कि 31 अगस्त 2024 को मृतक रमाकांत शर्मा स्कूटर से ग्राम भैंसा खेड़ी इंदौर रोड से भोपाल आ रहे थे, तभी बैरागढ़ मेन रोड पर तेज रफ्तार लाल बस ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की रिपोर्ट बैरागढ़ थाने में दर्ज कराई गई थी। मृतक के परिजनों ने मुआवजे के लिए बस चालक, मालिक और ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी के खिलाफ कोर्ट में केस दायर किया था। कोर्ट ने बस चालक को दोषी मानकर सीमा शर्मा और उनके परिवार को भविष्य में भरण-पोषण के लिए 84 लाख रुपए से अधिक का मुआवजा 7 प्रतिशत ब्याज सहित देने का आदेश दिया है।

मप्र राजपत्रित अधिकारी संघ ने डीए बढ़ोतरी का किया स्वागत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राच्य सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता (डीए) की राशि को केंद्र सरकार के समान करने की घोषणा की है। इससे पूर्व, लोक सेवा चुनाव की आचार संहिता लागू होने से पहले राच्य शासन द्वारा डीए के आदेश जारी किए गए थे। मप्र राजपत्रित अधिकारी संघ ने केंद्र के समान 55 प्रतिशत डीए की घोषणा का स्वागत करते हुए सरकार से जल्द ही इस संबंध में आदेश जारी करने की अपील की है। संघ ने इसे कर्मचारियों के लिए एक सकारात्मक कदम बताया।

लेखक संघ की गीत गोष्ठी संपन्न

भोपाल। दुष्यन्त कुमार स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय में मध्यप्रदेश लेखक संघ द्वारा रविवार, 27 अप्रैल को प्रादेशिक गीत गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि, वरिष्ठ गीतकार मयंक श्रीवास्तव रहें। मयंक श्रीवास्तव ने और कितने दिन अभी मेरी जरूरत है, तुम मुझे अनुयायियों से बात करने दो, वहीं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. राम वल्लभ आचार्य ने सुनाया देते जो आभास नीर का मरुथल ऐसे हैं, मृग मारिचिका है मन में, या छल ऐसे हैं। वरिष्ठ गीतकार ऋषि श्रृंगारी ने सुनाया घटा बन कर बरसना तुम, सजनवा प्यार करना तुम। रामराव वामनकर ने सुनाया, मन लागा रे बलम सँग लागा, बीच न कोई धागा। अशोक कुमार धमेनियाँ ने पढ़ा, दुनिया में दुख देखा जब से,नयनों अश्रु हैं छा जाते। ममता बाजपेयी ने सुनाया, आँखों से नीदें उलीचने वाले दिन, कहाँ गए उल्लास सींचने वाले दिन। मनीष बादल ने सुनाया, उम्मीदों की किरणें रूठीं और बुझी है बाती भी। प्रार्थना पंडित ने मैंने पूरा लिख लिख डाला,फिर भी पीड़ा शेष रही सुनाया।

विवाद के बाद पति ने पीया जहर

भोपाल। ईंटखेड़ी इलाके के न्यू चौकसे नगर में आटो चालक ने जहरीला पदार्थ पी लिया। पत्नी उसे भानपुर स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंची थी, वहां इलाज के दौरान शनिवार रात उसकी मौत हो गई। मरने से पूर्व आटो चालक के बयान नहीं हो सके थे। प्रारंभिक जांच में पता चला कि पति पत्नी में आए दिन होने वाले विवाद के बाद उसने यह कदम उठाया है। रघुवीर सिंह कुशवाह पिता मुंशीलाल (42) न्यू चौकसे नगर ईंटखेड़ी में रहता था और आटो चलाता था। गत 25 अप्रैल शुक्रवार को उसने घर में रखा कोई जहरीला पदार्थ पी लिया। उल्टियां करने पर पत्नी से निजी अस्पताल लेकर पहुंची, वहां उसका इलाज चल रहा था। शनिवार रात इलाज के दौरान रघुवीर की इलाज के दौरान मौत हो गई।

पायलेट प्रोजेक्ट के तहत जीवंत हो टेड़िया बेदरा जलाशय, तो 250 हेक्टेयर खेतों में हो सकेगी सिंचाई, भूजल भी बढ़ेगा

5 साल से जलसंकट झेल रही जैतपुरा-मुड़ियाखेड़ा पंचायत

जागरण संवाददाता, भोपाल। बैरसिया विकासखंड की जैतपुरा-मुड़ियाखेड़ा ग्राम पंचायत पिछले 5 सालों से गंभीर जलसंकट झेल रही है। गांव में पेयजल की एक भी बूंद नहीं है और पिछले पांच सालों से जलवायु संकट के चलते सितंबर माह के बाद यहां के सभी कुएं और बोरवेल सूख रहे हैं। नतीजतन गांव से पलायन होने लगा है, इस कारण कृषि और पशुपालन जैसे कार्य प्रभावित हो रहे हैं। जबकि जिले की इस पंचायत में 250 हेक्टेयर से ज्यादा कृषि भूमि पर कृषि और पशु पालन के लिए उन्नत किस्म के पशुओं की पैदावार भी की जाती है, लेकिन पेयजल न होने से यह कार्य प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार गांव की तीन किमी लंबी टेड़िया बेदरा नदी (सेकेंड ऑर्डर रिजर्वायर) को जीवंत कर दिया जाता है, तो यह समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। यदि पायलट प्रोजेक्ट के तहत इस जलाशय को पानी से लबालब कर दिया जाता है, तो इसी की तर्ज पर पूरे प्रदेश के अन्य जलाशयों को भी जीवंत किया जा सकता है, जिससे प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में पेयजल संकट खत्म होगा। सिंचाई व पशुओं के लिए भी भरपूर पानी उपलब्ध हो जाएगा। इसके तहत बोरी बंधान और चैक डेम बनाकर नदी के पानी को मार्च अप्रैल तक रोकने की तैयारी की जाना चाहिए। इसके कारण गांव के सूख चुके कुओं और बोरवेल व हैंडपंप से फिर से पानी मिलने लगेगा। नदी के जीवंत होते ही ग्राम पंचायत कृषि भूमि के साथ पास की ग्राम पंचायत की 100 हेक्टेयर कृषि भूमि के लिए भी पानी मिलेगा। इतना ही नहीं पशुओं और गांव के 5 हजार से ज्यादा लोगों के लिए भी पानी उपलब्ध हो जाएगा।

बैरसिया विकासखंड की बरसाती नदी जलवायु संकट के चलते सूखी

प्रदेश का पहला पायलट प्रोजेक्ट

गांव के लोगों के आह्वान पर केंद्रीय भूमिगत जल बोर्ड के वैज्ञानिकों ने टेड़िया बेदरा नदी का निरीक्षण किया था और इसे जीवंत करने के लिए काम शुरू किया गया है। वर्तमान में नदी के अंदर भारी मात्रा में प्लास्टिक का कचरा मौजूद है। नदी को जीवंत करने से पहले नदी के अंदर साफ सफाई कर गहरीकरण किया जाएगा। वहीं पानी रोकने के लिए कहीं भी न तो गेबियन स्ट्रक्चर मौजूद है और न ही बोरी बंधान किया हुआ। इन्हीं कारणों से बारिश का पानी ठहरता नहीं है और नवंबर-दिसंबर तक ही खत्म हो जाता है। इन स्ट्रक्चर के निर्माण के साथ नदी के आसपास ग्रीन बेल्ट विकसित करने से साल भर पानी इकट्ठा रहेगा, जिससे लोगों को पेयजल की कमी नहीं होगी।

पिछले 5 सालों से सितंबर में खत्म हो रहा पानी

गांव में पिछले 5 सालों से जलवायु संकट के चलते सितंबर माह में ही पेयजल खत्म हो जाता है। नतीजतन रबी की फसल प्रभावित हो रही है। गांव के लोगों के अनुसार 2020 के बाद से रबी की फसल के उत्पादन में भारी गिरावट आई है। सूखे के कारण छोटे किसानों की जमीन पर बड़े पैमाने पर कटाव हो रहा है, जिससे फसल उत्पादन प्रभावित हुआ है। समस्या को विकराल होता देख ग्रामीणों की शिकायत पर एसडीएम बैरसिया आशुतोष शर्मा ने भी यहां का निरीक्षण किया था। वर्तमान में नदी को जीवंत करने के लिए केंद्रीय भूमिगत जल बोर्ड, जिला प्रशासन व जिला पंचायत के अधिकारियों ने काम करना शुरू कर दिया है।

अधिकारियों को दिए हैं निर्देश

मुड़ियाखेड़ा जैतपुरा ग्राम पंचायत के लोगों द्वारा स्थानीय नदी का जीर्णोद्धार करने के लिए आवेदन मिला है। जलगंगा संवर्द्धन अभियान के तहत नदी की सफाई और गहरीकरण सहित अन्य कार्य कराए जाएंगे। लोगों के पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

● **कौशलेंद्र विक्रम सिंह,** कलेक्टर भोपाल

हनुमान सम नहिं बड़भागी, नहिं कोई रामचरन अनुरागी विषय पर सुंदरकांड की दिव्य प्रस्तुति

धर्म और सेवा के ऐसे कार्य करें जिससे जीवन सुंदरकांड बन जाए : अजय याज्ञिक

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। सार्वजनिक जीवन में प्रेम और सेवा व्यक्ति को विशिष्ट बना देती है। मानव जीवन की यही सुंदरता है सुंदर कांड में हनुमान ने यही करके दिखाया। इसलिए इस कांड का नाम सुंदरकांड पड़ा। रविवार को रविंद्र भवन के मुक्त आकाश मंच पर हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में सुंदरकांड की संगीतमय स्वर लहरियों के बीच उक्त उद्‌गार मानस मयंक पंडित अजय याज्ञिक ने व्यक्त किये। बाबूलाल भगवती सोनी ट्रस्ट द्वारा आयोजित रामभक्ति के अनुपम अनुष्ठान कार्यक्रम में हनुमान सम नहिं बड़भागी, नहिं कोई रामचरन अनुरागी विषय पर सुंदरकांड की दिव्य प्रस्तुति देते हुए पंडित अजय याज्ञिक ने कहा कि भगवान शंकर मां पार्वती से बोले की हनुमान जैसा कोई बड़भागी नहीं है और ना ही हनुमान जैसा भक्ति करने वाला। इसका प्रेम धर्म एवं सेवाधर्म का बखान स्वयं भगवान राम ने अपने श्रीमुख से बार-बार किया हमको अपने जीवन में धर्म और सेवा के ऐसे कार्य करना चाहिए कि भगवान नहीं तो कम से कम परिवार मित्र और समाज उनका बखान करे तभी जीवन सुंदरकांड हो सकता है। संस्था अध्यक्ष प्रदीप सोनी मिलन, सचिव प्रमोद नेमा ने पंडित अजय याज्ञिक का बहुमान किया।

मधुर भजनों पर खूब थिरके श्रद्धालु

सचिव प्रमोद नेमा ने बताया पंडित याज्ञिक द्वारा सुंदरकांड की व्याख्या के साथ गाये गए विभिन्न भजनों की स्वर लहरियों पर श्रद्धालुओं को थिरकने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर खेली गई फूलों की होली पर भी पूरा परिसर इस अनूठी राम भक्ति पर झूम उठा। सुंदरकांड के प्रारंभ में सभी श्रद्धालुओं का है। चंदन का टीका लगाकर स्वागत किया एवं सभी को सुंदरकांड की पुस्तिका तथा हनुमान चालीसा की छोटा टीका निशुल्क भेंट किया गया। महा आरती के बाद महा प्रसादी का वितरण भी हुआ। इस अवसर पर करुणा धाम आश्रम के सुदेश शांडिल्य मंत्री विश्वाश सारंग महापौर मालती राय विधायक रामेश्वर शर्मा जनप्रतिनिधियों के साथ राजधानी की सामाजिक राजनीतिक व्यापारिक संस्थाओं के प्रमुख मौजूद थे।

रविंद्र भवन में यूफोरिया बैंड की शानदार प्रस्तुति

पलाश की ताल पर झूमा भोपाल

जागरण, भोपाल। भोपाल के रविंद्र भवन में आयोजित इंडीमूंस आर्ट फेस्टिवल के दो दिनी प्रतिष्ठा आयोजन में रविवार को 90 के दशक के हिट बैंड यूफोरिया का परफॉर्मेंस हुआ। लगभग दो घंटे से अधिक चले इस शो ने सभी संगीत प्रेमियों को अंत तक बांधे रखा। यूफोरिया बैंड कि गीतों से सजी सुरमई शाम का माहौल ऐसी हुई कि पलाश सेन को सुनने आई मिक्सड ऑडियंस झूम उठी। यूफोरिया के संस्थापक व लीड सिंगर पलाश सेन के साथ उनके साथी कलाकारों ने भी बराबर की साझेदारी निभाई। उन्होंने अपने लोकप्रिय गीतों जैसे माएरी, धूम पिचक धूम, आना मेरी गल्ली, मेहफूज, अब ना जा, तुम, सोनेया और इट्स माय लाइफ, जिया जाए ना और म्युजिक बंद न करो से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। बैंड के सदस्यों में डॉ. प्लाश सेन (लीड वोकल्स), डीजे भदुरी (बेस गिटार), प्रशांत त्रिवेदी (तबला), राकेश भारद्वाज (पर्कशन), अक्षित शर्मा (फ्लूट), निगेल जो हेरिस (कीबोर्ड), विशाल दीक्षित (कीबोर्ड), विशाल मेहता (ड्रम्स), जयश्री बसु (बैकअप वोकल्स), देबाश्री बसु (बैकअप वोकल्स) और अम्बरीश शाक्य (लीड गिटार) ने अपनी अद्भुत प्रस्तुति से दर्शकों को बांधकर रखा।

खाए के पान बनारस वाला ने दर्शकों को उत्साहित किया: इसके अलावा बैंड ने खाए के पान बनारस वाला जैसे लोकप्रिय गीत को भी प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों को और भी उत्साहित कर दिया। यूफोरिया बैंड की इस शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों को दी रोमांच की अनुभूति और उन्हें अपनी संगीत की दुनिया में खो जाने का अवसर प्रदान किया।

रंग संचार द्वारा आयोजित 3 दिवसीय रंगपर्व का सफल समापन

कर्ण के तेजस्वी जीवन को रंगमंच पर उतारा

जागरण भोपाल। रंग संचार भोपाल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय रंगपर्व के अंतिम दिन रविवार को लिटिल बैले सभागार में रश्मिरथी का मंचन किया गया। मांगीलाल शर्मा के निर्देशन में प्रस्तुत नाटक ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की रचना को जीवंत कर दिया। नाटक रश्मिरथी सूर्यकिरणरूपी रथ पर सवार कर्ण की कहानी है। इससे गुरु-शिष्य संबंध, मातृत्व के द्वंद्व, धर्म और नीति के द्वंद्व और युद्ध में भी मानवीय मूल्यों की खोज को बखूबी उकेरा गया। नाटक में कर्ण के शब्दों मैं उनका आदर्श, कहीं जो व्यथा न खोल सकेंगे... जैसे संवादों ने दर्शकों को कर्ण की असहायता और गर्व, दोनों का एहसास कराया। कर्ण की भूमिका में फराज मकरानी ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कृष्ण के रूप में निजाम पटेल, भीष्म के किरदार में प्रदीप नेमा और दुर्योधन/विप्र की भूमिकाओं में शैलेष इंगले ने मंच पर जीवंतता भर दी। कुंती की भूमिका में आध्या सक्सेना ने माँ के दर्द को बड़ी खूबसूरती से मंच पर उतारा। संगीत निर्देशन सुरेन्द्र वानखेड़े और मुन्नालाल तोमर के नेतृत्व में हुआ, जिसमें मुख्य गायिका मुस्कानश्री पटेल की स्वर लहरियों ने प्रस्तुति को जीवंत कर दिया।

कई इलाकों में आज नहीं रहेगी बिजली

जागरण संवाददाता, भोपाल। सोमवार को शहर के कई इलाकों में मेंटेनेंस कार्य के चलते कई इलाकों में 5 से 6 घंटे की बिजली कटौती की जाएगी। निशातपुरा, हनुमान मंदिर टीला, गणगौर की बावड़ी, काजी कैंप, शारदा नगर, नारियलखेड़ा, ब्रिज विहार सहित अन्य इलाकों में सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक बिजली कटौती की जाएगी। वहीं मेहता मार्केट, कमला नगर और कोटरा में सुबह 10 से दोपहर 2 तक और अयोध्या नगर जी सेक्टर, एल सेक्टर और सेंट थॉमस स्कूल व आसपास सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली सप्लाई को बंद रखा जाएगा। रीगल कलश, नागार्जुन, शिवलोक ग्रीन, निर्मल नगर सहित आसपास के इलाकों में सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक और दानिश हिल्स और न्यू मल्टी व अन्य इलाकों में सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी।

देश का माहौल खराब करने वालों पर हो सख्त कार्रवाई

पहलगाम में मृत लोगों को सर्वधर्म सद्भावना मंच ने दी श्रद्धांजलि

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए 26 निर्दोषों की आत्मा की शांति के लिए भोपाल गेट पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन रविवार को किया गया। यह आयोजन सर्वधर्म सद्भावना मंच द्वारा किया गया था। इस अवसर पर मंच के सदस्यों ने भारत सरकार से घटना के दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने की मांग की। सभी धर्मों के धर्म गुरुओं सहित आम नागरिकों ने एक मत होकर कहा कि देश के विरुद्ध आतंकवाद को अब और अधिक बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारत सरकार को इस संबंध में कड़े निर्णय लेने की आवश्यकता है। साथ ही इस घटना की आड़ में कुछ सांप्रदायिक सोच के लोग देश का अमन चेन खराब कर रहे है उनके विरुद्ध भी कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिए। क्योंकि आतंकवाद की तरह सांप्रदायिक सोच भी देश की बड़ी दुश्मन है। इस मौके पर सर्वधर्म सद्भावना मंच के पदाधिकारी और जमीअत उलमा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद हारून, मंच के सचिव ईसाई धर्मगुरु डॉ.फादर आनंद मुतुंगल, आर्च बिशप दुरईराज, राजेंद्र कोठारी, बौद्ध धर्म गुरु शाक्य पुत्र भंते सागर, दीपचंद यादव, शैलेन्द्र शैली, प्रोफेसर मनोज जैन, गुरु चरण अरोरा, ज्ञानी दिलीप सिंह आदि उपस्थित रहे।

मनाया स्थापना दिवसः एम्स में हार्ट फेल्योर विषय पर हुई कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बताए गुर

हार्ट फेल की स्थिति में सर्जिकल प्रबंधक बहुत जरूरी

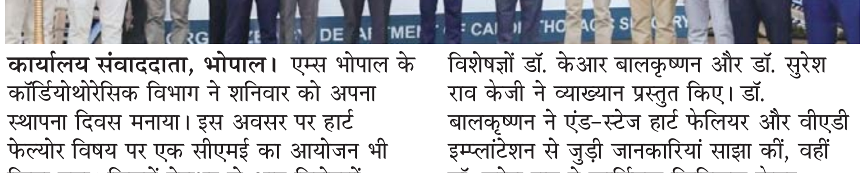

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। एम्स भोपाल के कॉर्डियोथोरेसिक विभाग ने शनिवार को अपना स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर हार्ट फेल्योर विषय पर एक सीएमई का आयोजन भी किया गया। जिसमें देशभर से आए विशेषज्ञों, डॉक्टरों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य हृदय विफलता के सर्जिकल इलाज से जुड़ी नई तकनीकों, अनुभवों और चुनौतियों पर चर्चा करना था। सत्रों में हृदय-फेफड़े का प्रत्यारोपण, बच्चों के लिए प्रत्यारोपण, सर्जरी से पहले की तैयारी और भारत में वेंट्रिकुलर असिस्ट डिवाइस (वीएडी) के भविष्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। वैज्ञानिक सत्रों में एमजीएम हेल्थ केयर चेन्नई से आए दो प्रमुख विशेषज्ञों डॉ. केआर बालकृष्णन और डॉ. सुरेश राव केजी ने व्याख्यान प्रस्तुत किए। डॉ. बालकृष्णन ने एंड-स्टेज हार्ट फेलियर और वीएडी इम्प्लांटेशन से जुड़ी जानकारियां साझा कीं, वहीं डॉ. सुरेश राव ने कार्डियक क्रिटिकल केयर, ईसीएमओ और जन्मजात हृदय रोगों पर अपने अनुभव बताए। सभी वैज्ञानिक सत्रों के अंत में एक इंटरएक्टिव पैनल चर्चा भी आयोजित की गई।इस तरह की सीएमई का महत्व बताते हुए एम्स निदेशक डॉ. अजय सिंह ने कहा कि यह फाउंडेशन डे हमारे कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग की उपलब्धियों का उत्सव था। साथ ही, यह शैक्षणिक उत्कृष्टता और मरीजों की बेहतर देखभाल के लिए हमारे प्रयासों की पुष्टि भी करता है।

बच्चों को 12 प्रकार की बीमारियों से बचाएगा टीका

भोपाल। टीकाकरण जागरूकता सप्ताह के दौरान रिक्त उप स्वास्थ्य केंद्रों, कम उपलब्धि वाले वार्ड, उप स्वास्थ्य केंद्रों एवं हाईरिस्क क्षेत्र में आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकताओं से जन्म से लेकर पाचं वर्ष के बच्चों की सूची तथा ड्यू लिस्ट अनुसार टीकाकरण किया जा रहा है। पैरी अर्बन एरिया एवं मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के रहवासी परिवारों के बच्चों के टीकाकरण के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। भोपाल जिले में पिछले साल 60 हजार 275 बच्चों को टीके लगाए गए हैं जिसका कवरेज 105 प्रतिशत है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दिसंबर 2026 तक खसरा और रूबेला के निर्मूलन का लक्ष्य तय किया गया है।

संस्कृति बचाओ मंच ने की अमरनाथ यात्रा को तीन साल तक स्थगित करने की मांग

जागरण, भोपाल। संस्कृति बचाओ मंच ने अमरनाथ यात्रा के बहिष्कार की अपील की है। मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि सनातन धर्मियों को अगले तीन वर्षों तक अमरनाथ यात्रा से दूरी बनानी चाहिए, ताकि उन कश्मीरी लोगों का रोजगार छीना जा सके, जो हमारी आस्था के साथ विश्वासघात कर रहे हैं। तिवारी ने आरोप लगाया कि जिन कश्मीरियों को श्रद्धालुओं की सेवा से रोजगार मिलता है, वही कुछ लोग आतंकवादियों का सहयोग कर रहे हैं। तिवारी ने कहा कि हमारे धर्म में हर कण में भगवान का वास है। अमरनाथ यात्रा के नाम पर उन लोगों को रोजी-रोटी देना, जो आतंकियों के साथ मिलकर हिंदुओं की हत्या में मदद कर रहे हैं, यह अक्षम्य है।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

ज्यादा सटीक कदम उठाने की जरूरत

उरी में आतंकी हमले के बाद भारतीय पीएम ने कहा था कि सिंधु में जल और खून एक साथ नहीं बह सकते। इस बार सरकार इसी पर आगे बढ़ी है। हालांकि इतना काफी नहीं है। पुलवामा और पहलगाम जैसी घटनाओं से बचने के लिए ज्यादा निर्णायक और सटीक कदम उठाने की जरूरत है।

भारत ने पुलवामा का जवाब बालाकोट से दिया था। वह अप्रत्याशित और साहसिक कदम था। हालांकि इसके बाद भी सीमा पार आतंकवाद खत्म नहीं हुआ। इसकी वजह है आतंकियों तक पहुंचने वाली वह सप्लाई चेन, जिसे पाकिस्तान चालू रखे हुए है। वह पिछले कुछ साल से गंभीर आर्थिक संकट में फंसा हुआ है। उसकी गाड़ी कुछ सहयोगी देशों के कर्ज से किसी तरह चल रही है। इसके बाद भी वह आतंकवादी गतिविधियों के लिए फंडिंग का जुगाड़ कर लेता है। भारत को इसी फंडिंग को खत्म करना होगा।

पाकिस्तान का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता चीन है। इस्लामाबाद अपने 81 फीसद हथियार पेइचिंग से लेता है। इसके बाद नंबर है अमेरिका का। इन्हीं हथियारों का इस्तेमाल फिर भारत के खिलाफ किया जाता है। नई दिल्ली को इस बारे में दोनों देशों के साथ स्पष्ट बात करनी चाहिए। 2019 का उदाहरण भी दुनिया के सामने है, जब अमेरिकी रोक के बावजूद पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ एफ-16 का इस्तेमाल किया था। दुनिया को यह बताने की जरूरत है कि पाकिस्तानी सेना को दी गई एक भी गोली किसी टेरर कैंप

> पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देते हुए भारत ने कुछ सख्त कदम उठाए हैं। इनमें सबसे अहम है सिंधु जल समझौते को निलंबित करना। इसके अलावा भी ज्यादा निर्णायक और सटीक कदम उठाने की जरूरत है।

में पहुंच सकती है।

अमेरिका और भारत के करीबी रिश्ते हैं। दूसरी ओर, चीन के साथ सीमा विवाद भले हो, लेकिन आर्थिक रिश्ते मजबूत हैं। 2024 में दोनों के बीच 118 अरब डॉलर से ज्यादा का व्यापार हुआ और इसमें पलड़ा चीन की तरफ झुका हुआ है। अमेरिका और चीन - दोनों को भारत का बाजार चाहिए। भारत को अपनी इस मजबूत आर्थिक हैसियत का फायदा उठाते हुए साफ कर देना चाहिए कि पाकिस्तान को अब और आर्थिक मदद नहीं। भारत को इसी फंडिंग को खत्म करना होगा। पाकिस्तान का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता चीन है। इस्लामाबाद अपने 81 फीसद हथियार पेइचिंग से लेता है। इसी तरह की बातचीत यूएई और सऊदी अरब के साथ भी होनी चाहिए, जहां से इस्लामाबाद को आर्थिक मदद मिलती रहती है। पड़ोसी देश से निपटने के लिए भारत को अपना रुख बेहद कड़ा करना होगा। इस दो टूक बातचीत में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए कि जो देश पाकिस्तान को आर्थिक या सैन्य मदद देंगे, वे भारत का भरोसा खोएंगे।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का साथ

आतंकवाद समस्या

गत 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन में निर्दोष पर्यटकों पर हुए कायराना आतंकवादी हमले से पूरा देश बहुत गुस्से और व्यथा में है। इस हमले में भारत के विभिन्न हिस्सों से आए 28 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई। देश के समूचे राजनीतिक वर्ग ने इसकी निंदा की है, हालांकि कुछ विपक्षी दल यह मांग भी कर रहे हैं कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के जिम्मेवार लोगों से जवाबतलबी हो। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने भी इस जघन्य कांड की भर्त्सना की है और महत्वपूर्ण देशों के नेताओं ने कहा है कि वे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े हैं।

हालांकि, इस तरह का समर्थन पर्दे के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संयम बरतने की अपील के बावजूद है, तथ्य यह है कि यह हमला मोदी सरकार के समक्ष सुरक्षा एवं जनसंपर्कों में बहुत गंभीर चुनौती पेश करता है। पुलवामा या गलवान के विपरीत, जहां रक्षा कर्मी शहीद हुए, बैसरन में आतंकवादियों ने निर्ममतापूर्वक नागरिकों को चुन-चुनकर निशाना बनाया। इसलिए यह कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि देश की निगाहें मोदी पर होंगी। यह उम्मीद की जाएगी कि वह बैसरन के अपराधियों, उन्हें सहायता देने वालों तथा प्रायोजित करने वालों को पूर्ण तथा माकूल जवाब देंगे, खासकर 2019 के बाद से जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल करने के दावों के बाद।

इस कांड को अंजाम देने का दावा 'रेजिस्टेंस फ्रंट' नामक संगठन द्वारा ली गई है, जिसके बारे में माना जाता है कि वह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से संबंधित है। जिन लोगों को भारत के खिलाफ पाकिस्तानी आतंकवाद के तौर-तरीकों के अध्ययन करने का लंबा अनुभव है, उन्हें सहज रूप से पता होगा कि इस तरह का हमला पाकिस्तानी जनरलों के खास आदेशों के बिना कभी संभव नहीं है। इसलिए, सर्वप्रथम आकलन उस वजह का बनता है जिसके कारण पाकिस्तानी जनरलों ने हमले का आदेश दिया होगा। अफगान तालिबान के साथ भारत के संबंधों में प्रगति से वे नाखुश हैं, इस पर उन्होंने काफी नज़र बनाए रखी है। वे भारत को तहरीक-ए-तालिबान-ए-पाकिस्तान और बलूच विद्रोही समूहों की मदद करने में जिम्मेदार मानते हैं। इस सबके अलावा 11 मार्च को 'जाफर एक्सप्रेस' पर बलूच लिबरेशन आर्मी के हमले के बाद भारत के प्रति उनका गुस्सा और तीव्र

> पहलगाम में कायराना आतंकी हमले में निर्दोष पर्यटकों की जान जाने के बाद पूरा देश दुख व गुस्से में है। ऐसे में जनता की सरकार से उम्मीद स्वाभाविक है कि वह हमलावरों, उनके सीमा पार प्रायोजकों को माकूल जवाब देगी। जबकि जवाब की रणनीति बनाते समय प्रधानमंत्री मोदी को भी अहसास होगा कि नागरिकों की हत्या का यह कुकृत्य 'अस्वीकार्य' की श्रेणी में है।

विवेक काटजू

हुआ। पाकिस्तानी सेना ने उस हमले के लिए भारत को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। हालांकि पाकिस्तानी प्रतिष्ठान और उसके विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया अधिक संयमित और सतर्क थी।

जाफर एक्सप्रेस पर हमले के बाद पाकिस्तान में जो कुछ हुआ उसके तमाम पहलुओं का अध्ययन करने के बाद इस लेखक ने गत 21 मार्च को एक लेख लिखा। इसका समापन पैराग्राफ बैसरन हमले में प्रासंगिक है और इस प्रकार है = 'बीएलए हमले के तुरंत बाद, पाकिस्तानी सेना ने कहा कि इसके साथ 'खेल के नियम बदल गए हैं'। चौधरी (लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी, महानिदेशक, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस) से एक प्रेस वार्ता में इन शब्दों की व्याख्या करने के लिए कहा गया था। इस पर उन्होंने जो शब्द कहे उन पर भारतीय विश्लेषकों और नीति-निर्माताओं को बारीकी से ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा : 'बीएलए और (आतंकी समूहों) से उसी तरह निपटा जाएगा जिसके वे 'हकदार' हैं और यही बात उनके सूत्रधारों और उकसाने वालों पर भी लागू है, चाहे वे पाकिस्तान के अंदर हों या बाहर'। पाकिस्तानी सेना अपना हिसाब चुकता करने में 'बदल' (जिसका पश्तो में अर्थ है बदला) परंपरा का पालन करती है। भारत के खिलाफ यही करती आई है, वह बात अलग है इस चक्कर में उन्होंने देश को कंगाल बना डाला। टकराव के अलावा उसे कोई राह न सूझती। यह उनकी फितरत का हिस्सा है व हरेक सेना प्रमुख को यही दिखाना होता है कि 'माकूल जवाब' देने में वह सबसे आगे है, खासकर उस संस्था पर हमले के मामले में, जिसका वह नेतृत्व करता है, जिसको लेकर राय या गलतफहमी पाले रखता है कि यह भारत का काम है। ऐसे में, संभव है कि पाकिस्तानी सेना निकट भविष्य में भारत में किसी आतंकवादी घटना को प्रायोजित करने का प्रयास करे।

इसमें संदेह नहीं कि भारतीय नीति निर्माता इस बड़ी संभावना से अवगत रहे होंगे। भारतीय प्रतिष्ठान को यह खुला संदेश देना चाहिए कि किसी भी पाकिस्तानी दुस्साहस का उचित जवाब दिया जाएगा और यह भी कि स्थिति के आगे बिगड़ने की पूरी जिम्मेदारी उसकी होगी। यह अवसर बालाकोट हमले से अपनाए गए 'पूर्व-प्रतिक्रिया सिद्धांत' को दोहराने का एक उपयुक्त ढंग खोजने का भी है। अग्रणी एवं मित्र देशों को यह भी सूचित किया जाना चाहिए कि वे पाकिस्तान को जम्मू-कश्मीर तथा अन्य स्थानों पर प्रायोजित आतंकवाद से गर्मी बढ़ाने के खिलाफ चेतावनी दें। और, निश्चित रूप से उन्हें पाकिस्तान को स्पष्ट कर देना चाहिए कि वे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मतभेदों के हल में हस्तक्षेप न करें, जैसा कि पाकिस्तानी सेना हमेशा से करवाना चाहती रही है'।

यह स्पष्ट नहीं कि भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठान ने चौधरी की उक्त मीडिया ब्रीफिंग को कितनी गंभीरता से लिया, लेकिन भारत में 16 अप्रैल को विदेशी पाकिस्तानियों को दिए गए पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के बयान पर काफी ध्यान दिया गया है। जब उन्होंने दो-राष्ट्र सिद्धांत का जिक्र किया था, जो पाकिस्तानी सोच की आखिरी सीमा है और जिसकी रक्षा करने की शपथ सेना ने ले रखी है, मुनीर ने स्पष्ट वह कह डाला, जो सेना और अधिकांश पाकिस्तानी अंदर ही अंदर मानते हैं, लेकिन कहते नहीं यानी 'हिंदू और मुसलमान दो अलहदा मुल्क हैं, जिनमें कोई मेल नहीं हो सकता'। उन्होंने बलूची आतंकवादियों पर गुस्सा जाहिर किया, लेकिन जोर देकर कहा कि वे पाकिस्तान की एकता भंग नहीं कर पाएंगे। मुनीर का यह कहना कि जम्मू-कश्मीर पाकिस्तान की 'गले की नस' है, भी पुरानी बात है। मुनीर के इस भाषण में भारत के प्रति दुश्मनी स्पष्ट झलकती है, लेकिन मौजूदा आतंकी हमले का कारण जानने के लिए चौधरी के बयान पर वापस आना जरूरी है।

जाहिर है, कोई भी प्रतिक्रिया अचानक से या तत्काल नहीं हो सकती, लेकिन वह होनी चाहिए, जो भारतीय जनमानस को प्रभावी रूप से संतुष्ट करे। जाहिर है, बैसरन के बाद कोई बना बनाया नुस्खा पेश करना आसान नहीं होगा।अपरिहार्य है कि भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने को महाशक्तियां बीच-बचाव करने आएं। पाक जनरलों का आग्रह होगा कि द्विपक्षीय समस्याओं यानी जम्मू-कश्मीर समस्या के मूल कारणों में जाने के लिए उनकी भागीदारी जरूरी है। वे इसपर अमल के लिए यूएनएससी या डोनाल्ड ट्रम्प का आह्वान कर सकते हैं, लेकिन भारत को दो टूक स्पष्ट करना चाहिए कि भारत-पाकिस्तान के मुद्दों को द्विपक्षीय रूप से ही सुलझाया जाए। भारत ने कूटनीतिक तरीके से पहला झटका दिया है कि 1960 की सिंधु जल संधि, जो दो युद्धों से बची हुई है, को तत्काल निलंबित कर दिया जाएगा, और दोनों देशों में राजनयिक मिशनों की पहले से ही कम संख्या को आधा कर दिया जाएगा। देश जानता है कि यह केवल पहला कदम है, पाकिस्तान के साथ-साथ दुनिया के लिए चेतावनी है कि भारत इस मामले को लेकर गंभीर है।

अत्यधिक जल दोहन के कारण भूजल स्तर में गिरावट

जल संकट

धरती पर पानी की जरूरत बरसात से पूरी होती है या ग्लेशियर से। इन दोनों जलस्रोतों का गणित अब डगमगा रहा है। पानी के लिए बरसात के भरोसे बैठना भी अब अनिश्चित-सा हो गया है। अभी से अधिकांश छोटी नदियां सूख गयी हैं और इसका सीधा असर तालाब-कुओं-बावड़ियों पर दिख रहा है। भारत में विश्व की कुल आबादी का करीब 18 फीसदी हिस्सा निवास करता है, जबकि पीने योग्य जल संसाधनों का मात्र चार फीसदी भाग ही उपलब्ध है।

अत्यधिक जल दोहन तथा अकुशल प्रबंधन के कारण भूजल स्तर में निरंतर गिरावट आ रही है। जल संसाधन मंत्रालय के एकीकृत जल संसाधन विकास के लिए राष्ट्रीय आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, 2050 तक जल की जरूरत 1,180 अरब घन मीटर होने की संभावना है। जबकि वर्तमान में देश में जल की उपलब्धता 1,137 अरब घन मीटर है। वर्ष 2030 तक देश की 40 फीसदी आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं होगा। जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में 120वें स्थान पर है और लगभग 70 प्रतिशत जलस्रोत प्रदूषित हैं।

भारी-भरकम बजट, राहत और नलकूप आदि जल संकट का निदान नहीं हैं। करोड़ों-अरबों की लागत से बने बांध सौ साल भी नहीं चलते, जबकि हमारे पारंपरिक ज्ञान से बनी जल संरचनाएं आज भी पानीदार हैं। न देश के बड़े हिस्से के लिए अल्प वर्षा नयी बात है, न वहां के समाज के लिए कम पानी में गुजारा करना। पर बीते पांच दशक के दौरान आधुनिकता की आंधी में दफन हो गये हजारों चंदेल-बुंदेलकालीन तालाबों और पारंपरिक जल

> अत्यधिक जल दोहन तथा अकुशल प्रबंधन के कारण भूजल स्तर में निरंतर गिरावट आ रही है। जल संसाधन मंत्रालय के एकीकृत जल संसाधन विकास के लिए राष्ट्रीय आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, 2050 तक जल की जरूरत 1,180 अरब घन मीटर होने की संभावना है। जबकि वर्तमान में देश में जल की उपलब्धता 1,137 अरब घन मीटर है।

पंकज चतुर्वेदी

प्रणालियों के चलते ये हालात बने। मध्य प्रदेश के तीन लाख की आबादी वाले बुरहानपुर शहर में 18 लाख लीटर पानी रोज एक ऐसी प्रणाली के माध्यम से वितरित होता है, जिसका निर्माण 1615 में किया गया था। यह प्रणाली जल संरक्षण और वितरण की दुनिया की अजूबी मिसाल है, जिसे 'भंडारा' कहा जाता है।

हमारे पुरखों ने देश-काल-परिस्थिति के अनुसार बारिश को समेट कर रखने की कई प्रणालियां विकसित व संरक्षित की थीं। घरों की जरूरत के लिए मीठे पानी का साधन कुआं कभी घर-आंगन में हुआ करता था। हरियाणा से मालवा तक जोहड़ या खाल जमीन की नमी बरकरार रखने की प्राकृतिक संरचना हैं। ये वर्षाजल के बहाव क्षेत्र में पानी रोकने के प्राकृतिक या कृत्रिम बांध के साथ छोटे तालाब की मानिंद होते हैं। तेज ढलान पर तेज गति से पानी के बह जाने वाले भू-स्थल में पानी की धारा को काटकर रोकने की पद्धति 'पाट' पहाड़ी क्षेत्रों में लोकप्रिय रही है। एक नहर या नाली के जरिये किसी पक्के बांध तक पानी ले जाने की प्रणाली 'नाड़ा' या 'बंधा' अब देखने को नहीं मिल रही है।

कुंड और बावड़ियां महज जल संरक्षण के साधन नहीं, हमारी स्थापत्य कला का बेहतरीन नमूना रहे हैं। आज ऐसी ही पारंपरिक प्रणालियों को पुनर्जीवित करने के लिए खास योजना बनाये जाने की जरूरत है। बीते दो सौ साल से लोग भूख या पानी के कारण पुश्तैनी घरों-पिंडों से पलायन कर गये। उसके पहले का समाज तो हर तरह की जल-विपदा का हल रखता था। हमारे देखते-देखते घरों के आंगन, गांव के पनघट व कस्बों के सार्वजनिक स्थानों से कुएं गायब हुए हैं। बावड़ियों को हजम करने का काम भी आजादी के बाद ही हुआ।

पहले का समाज गर्मी के चार महीनों के लिए पानी जमा करने व उसे किफायत से खर्च करने को अपनी संस्कृति मानता था। राजस्थान में तालाब, बावि?यां, कुई और झालार सदियों से सूखे का सामना करते रहे। कर्नाटक में कैरे, तमिलनाडु में ऐरी, नगालैंड में जोबो तो लेह-लद्दाख में जिंग, महाराष्ट्र में पैट, उत्तराखंड में गुल, हिमाचल प्रदेश में कुल और जम्मू में कुहाल जैसे पारंपरिक जल-संवर्धन के सलीके थे, जो आधुनिकता की आंधी में गुम हो गये। गुजरात के कच्छ के रण में पारंपरिक मालधारी लोग खारे पानी के ऊपर तैरती बारिश की बूंदों के मीठे पानी को 'विरदा' के प्रयोग से संरक्षित करने की कला जानते थे। तमिलनाडु में एक जल सरिता या धारा को कई-कई तालाबों की श्रृंखला में मोड़कर हर बूंद को बड़ी नदी व वहां से समुद्र में बेजा होने से रोकने की अनूठी परंपरा थी। पानी के कारण पलायन के लिए बदनाम बुंदेलखंड में भी पहाड़ी के नीचे तालाब, धरातल पर बने दूसरे तालाब से जोड़ने व ऐसे पांच-पांच तालाबों की कतार बनाने की परंपरा चंदेल राजाओं के काल से रही है। वहां तालाबों के आंतरिक जुड़ावों को तोड़ा गया, तालाब के बंधान फोड़े गये, तालाबों पर कॉलोनी या खेत के लिए कब्जे हुए, पहाड़ी फोड़ी गयी, पेड़ उजाड़ दिये गये। इसके कारण जब जल देवता रूठे, तो पहले नल, फिर नलकूप के टोटके किये गये। सभी उपाय हताश रहे, तो आज फिर तालाबों की याद आ रही है।

॥गीता॥

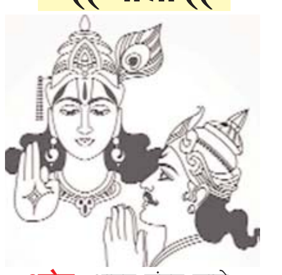

श्लोक : आपदः संपदः काले दैवादेवेति निश्चयी।
तृसः स्वस्थेन्द्रियो नित्यं न वान्छति न शोचति॥

भावार्थ : संपत्ति (सुख) और विपत्ति (दुःख) का समय प्रारब्धवश है, ऐसा निश्चित रूप से जानने वाला संतोष और निरंतर संयमित इन्द्रियों से युक्त हो जाता है। वह न इच्छा करता है और न शोक।

जीवन दर्शन

टाइम को समझ लिया तो मैने ज करने की प्रॉब्लम खत्म

समय का अर्थ है एक प्राकृतिक परिवर्तन जो हो ही रहा है। उसको कोई नहीं मैनेज कर सकता, जिसको मैनज किया जा सकता है यदि उसे समझा जाए तो, समझना ही मैनेज करना है। समझने और मैनेज करने में कोई खास अंतर नहीं है। इसको ऐसे कह लेते हैं कि एक बार समझ लिया तो फिर मैनेज करने की कोई जरूरत ही नहीं है। समझना ही मैनेज करना है। क्यों कहते हो कि, 'मुझे टाइम मैनेज करना है' तुम कहते इसीलिए हो क्योंकि पाते हो कि दिन निकल गया, कुछ सार्थक हुआ नहीं। जब वक्त खराब हो रहा था, तो क्या उस वक्त जानते थे कि, 'मैं वक्त राब कर रहा हूँ'। बाद में जानना सिर्फ एक कल्पना है, विचार है। ये मत सोचिए कि समय बर्बाद हो रहा है।

उस एंटिटी के बारे में सोचिए, उस युनिट के बारे में जो समय बर्बाद कर रहा है।

आपका मन समय बर्बाद कर रहा है। मन खुद ही समय है। जब तक मन की गतिविधि रहेगी, तब तक समय निरंतर चलता रहेगा। एक समय होता है, जिसे हम क्रोनोलॉजिकल (कालक्रमबद्ध) टाइम कहते हैं, जो घी दिखाती है। वो अपनी गति से चलता रहता है। तुम कहते हो न कि टाइम राब हो गया, वो मनोवैज्ञानिक समय है। क्रोनोलॉजिकल टाइम किसी पर निर्भर नहीं करता। वो इस दुनिया की प्रकृति है। मनोवैज्ञानिक समय वो है जिसे तुम बर्बाद करते हो। कैसे बर्बाद करते हो समय में रह कर ध्यान देंगें तो ही समझ में आएगा, बात गहरी है। समय ऐसे ही बर्बाद होता है क्योंकि हम समय में यात्रा कर रहे होते हैं। मन इस क्षण में रह ही नहीं सकता। समय का अर्थ ही है या तो अतीत या भविष्य। जो ठीक अभी मौजूद है, समय में है, वो इस क्षण का ठीक अभी-अभी पूरा-पूरा सदुपयोग कर रहा है, और जो इस क्षण में नहीं है, जो समय में है, अतीत या भविष्य की कल्पनाओं में खोया हुआ है, वही है जो समय राब कर रहा है। ये मन ही है जो समय बर्बाद करता है। मन की गतिविधि और किसी लिए नहीं पर बस समय बर्बाद करने के लिए होती है।मन की कोई भी गतिविधि समय बर्बाद करना ही है क्योंकि मन की गतिविधि के होने का अर्थ ही है ध्यान का न होना।

आचार्य प्रशांत

प्रसंगवश

कितनी कारगर होगी खेल संघों पर 'सुप्रीम टिप्पणी'?

सुप्रीम कोर्ट चाहता है कि खिलाड़ी ही खेल संघों की बागडोर संभालें और राजनेता तथा नौकरशाह खेल संघों से दूर रहें। देखना है कि सुप्रीम कोर्ट की खेल संघों पर 'सुप्रीम टिप्पणी' कितनी कारगर होगी? इस पर कितना अमल होगा? देश के विभिन्न खेल संघों के शीर्ष अधिकारियों पर नजर डालें, तो पायेंगे कि इन पर राजनेता और नौकरशाह काबिज हैं।

अर्जुन पुरस्कार विजेता दो राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ियों पूजा और प्रियंका की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने देश में खेल संघों की स्थिति पर हाल ही में जो कड़ी टिप्पणी की, वह बहुत महत्वपूर्ण है। याचिकाकर्ताओं ने अंतरराष्ट्रीय कबड्डी संघ से मान्यता रखने वाले एकेएफआइ को उन्हें एशियाई कबड्डी में भेजने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। इससे पहले न्यायालय ने केंद्र को खेल संघों, विशेषकर भारतीय कबड्डी संघ की मान्यता को लेकर विवाद के समाधान के लिए कूटनीतिक रास्ते तलाशने का निर्देश दिया, जिसमें कहा गया है कि सीबीआइ के निदेशक खेल संघ के मामलों में इंटरपोल जैसी अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसियों की सहायता से प्रभावी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय जांच के लिए एक जांच तंत्र का सुझाव देंगे। शीर्ष अदालत ने यह भी जानना चाहा कि कबड्डी खिलाड़ियों और अन्य खिलाड़ियों को ईरान में एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति देने के लिए क्या उपाय किये गये हैं। इंटरनेशनल कबड्डी फडरेशन ने पिछले वर्ष जुलाई में एकेएफआइ की मान्यता रद्द कर दी थी, जिससे कबड्डी टीमों को कई वैश्विक आयोजनों में भाग लेने से रोक दिया गया था।

अदालत ने कहा कि हम कबड्डी संघों के मामलों की गहन जांच के लिए जांच आयोग गठित करने के पक्ष में हैं, क्योंकि इन निकायों में खेल गतिविधियों के अलावा कई तरह की चीजें हो रही हैं। इसके बाद हम जांच आयोग का दायरा अन्य खेल संघों तक बढ़ाने की इच्छा रखते हैं। केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता केएम नटराज ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि बेंच के चार फरवरी के आदेश के मुताबिक खिलाड़ियों को ईरान में होने वाले टूर्नामेंट में भाग लेने भेजा गया था, जहां उन्होंने स्वर्ण जीता। नटराज ने बताया कि जहां तक सीबीआइ जांच की बात है, तो इसकी रुपरेखा तैयार की जा रही है।

> सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि जब खिलाड़ी जिम्मेदारी संभालते हैं, तब खेल संघों में सुधार होता है, न कि राजनीतिक या नौकरशाही द्वारा नियुक्त व्यक्ति से।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि खेल संघों में खेल को छोड़कर बाकी सभी तरह की चीजें हो रही हैं। शीर्ष अदालत ने यह चेतावनी तक दे डाली कि अगर जरूरत पड़ी, तो वह सभी खेल संघों को भंग कर देगी। एक आंकड़ा बताता है कि पिछले दशक में देश की अदालतों में खेल संबंधी लगभग 770 मामले दर्ज किये गये, जिनमें से 200 से अधिक मुकदमे शासन से संबंधित थे। भारत की पूर्व अंतरराष्ट्रीय धाविका पीटी उषा भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) की अध्यक्ष हैं। उषा आइओए की अध्यक्ष बनने वाली पहली महिला ओलिंपियन हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष चार बार के हॉकी ओलिंपियन दिलीप टिर्की और पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल गोलरक्षक कल्याण चौबे अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआइएफएफ) के अध्यक्ष व खिलाड़ी होने के साथ राजनीतिक पृष्ठभूमि के भी हैं। एशियाई खेलों के पूर्व चैंपियन शॉटपुटर बहादुर सिंह सागू भारतीय एथलेटिक्स संघ (एएफआइ) के नये अध्यक्ष हैं। जबकि असम के मुख्यमंत्री हेमंत विस्वा सरमा भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआइ) के मौजूदा अध्यक्ष हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि जब खिलाड़ी जिम्मेदारी संभालते हैं, तब खेल संघों में सुधार होता है। यह टिप्पणी साफ तौर पर संकेत देती है कि सुप्रीम कोर्ट चाहता है कि खिलाड़ी ही खेल संघों की बागडोर संभालें और राजनेता तथा नौकरशाह खेल संघों से दूर रहें। देखना है कि सुप्रीम कोर्ट की खेल संघों पर 'सुप्रीम' टिप्पणी कितनी कारगर होगी? इस पर कितना अमल होगा? देश के विभिन्न खेल संघों के शीर्ष अधिकारियों पर नजर डालें, तो पायेंगे कि इन पर राजनेता और नौकरशाह काबिज हैं। सो राजनेताओं से राजनैतिक द्वेष के चलते भी अदालतों में मुकदमे दायर होते हैं। ऐसे में शीर्ष अदालत को यह बात भी जेहन में रखनी होगी कि इस तरह की शिकायतों में कितनी सच्चाई है।

सतेंद्र पाल सिंह
(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

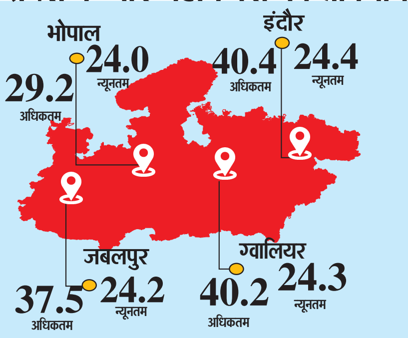

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	42.3	27.2
मुंबई	33.8	25.0
चेन्नई	39.1	22.9
कोलकाता	34.2	23.6

सूर्यास्त 6:46 PM
सूर्योदय 5:10 AM
चन्द्रोदय 5:10 AM
चन्द्रास्त 6:26 PM

राजगढ़ जिले के कड़िया, हुलखेड़ी और गुलखेड़ी में जुर्म की जिंदगी से की तौबा

देशभर में आपराधिक वारदात करने वाले शातिर अपराधियों का हृदय परिवर्तन, 44 ने किया सरेंडर

जिन गांवों में पुलिस नहीं घुसती थी अब वहां हो रहा सामाजिक बदलाव

जागरण, राजगढ़। प्रदेश के राजगढ़ जिले के कुछ गांवों का नाम अब तक देशभर में होने वाली वारदातों चोरी, लूट और डकैती की वारदातों के कारण बदनाम होता था, लेकिन अब इन्हीं गांवों में सामाजिक परिवर्तन दिख रहा है। इन गांवों में अपराधियों का ऐसा भय था कि आमजन तो छोड़िए पुलिस भी यहां घुसने में डरती थी। हालांकि, जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और पुलिस के लगातार प्रयासों के बाद सकारात्मक परिणाम आने लगे हैं। एसपी आदित्य मिश्रा की कार्यप्रणाली और लगातार संवाद से पुलिस पर भरोसा बढ़ा, जिसके बाद लगातार जिले में अपराधियों का हृदय परिवर्तन हुआ और उन्होंने जुर्म की दुनिया को तौबा करना शुरू कर दिया।

प्रशिक्षण देकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ेंगे: एसपी

राजगढ़ एसपी आदित्य मिश्रा ने दैनिक जागरण से चर्चा में कहा कि उन्हें खुशी है कि आगे आकर लोग आत्मसमर्पण कर रहे हैं। आत्मसमर्पण करने वाले लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सभी को रोजगार मूलक प्रशिक्षण भी दिलाया जाएगा। एसपी ने कहा कि राधा स्वामी सत्संग आश्रम में महिलाओं को सिलाई की ट्रेनिंग दिलाई जाएगी। इसके अलावा इंदौर में ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण कराकर महिलाओं को दक्ष किया जाएगा। पुरुषों को जिले में स्थित कौशल विकास केंद्र के माध्यम से प्रशिक्षण दिलाकर रोजगार उपलब्ध कराएंगे।

साल में 30 करोड़ 78 लाख की बरामदगी

इसी कड़ी में रविवार को 44 शातिर अपराधियों ने आत्मसमर्पण किया, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं। मालूम हो कि राजगढ़ जिले के कड़िया, हुलखेड़ी और गुलखेड़ी गांव के सैकड़ों आरोपियों की तलाश लगभग देश के हर राज्य की पुलिस को है। बीते साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो देश के 1235 थानों की पुलिस यहां विभिन्न अपराधों में शामिल आरोपियों की तलाश में आ चुकी है। इन गांवों से पिछले साल 30 करोड़ 78 लाख की बरामदगी की गई थी। लेकिन राजगढ़ के एसपी आदित्य मिश्रा के पदस्थ होने के बाद इन गांवों का नजारा बदल गया है।

अफसर की कार्यशैली से हृदय परिवर्तन

रविवार को 44 आरोपियों ने आत्मसमर्पण किया है, जो अब तक की पुलिस की सबसे बड़ी उपलब्धि है। अपराध को लेकर एसपी की जीरो टॉलरेंस की नीति से आरोपियों में भय का माहौल है। कड़िया, गुलखेड़ी व हुलखेड़ी को अपराध की नर्सरी कहा जाता है, लेकिन एसपी ने रात दिन इन गांवों में अभियान चालाया। कई आरोपी एसपी कार्यालय पहुंचकर स्वीकार कर रहे हैं कि हम एसपी की कार्यशैली और ईमानदारी से प्रभावित होकर उनका हृदय परिवर्तन हुआ और उन्होंने अपराध का रास्ता छोड़ दिया।

एसपी ने चलाया था ऑपरेशन प्रहार

दस दिन पहले कड़िया में एसपी आदित्य मिश्रा ने पुलिस के 186 अधिकारियों/कर्मचारियों का डेरा डाला था और रात तीन बजे से अगले दिन 6 बजे तक ये कार्रवाई चली थी। इसे ऑपरेशन प्रहार का नाम दिया था। इस कार्रवाई से आरोपियों में डर था और 25 आरोपियों ने समर्पण किया था। अब रविवार को फिर 44 आरोपियों ने सरेंडर किया है। इस अभियान को लेकर पुलिस की काफी सराहना की जा रही है और मंत्री भी खुलेमंच से एसपी की तारीफ कर चुके हैं।

कुत्ते, मरकर ही मानेगा क्या, भाजपा नेता के कमेंट्स से विवाद

जागरण, गुना। पहलगाम हमले को लेकर सोशल मीडिया में की जा रहीं टिप्पणी आपसी विवाद कराने लगी हैं। ऐसा ही विवाद रविवार को थाने पहुंचा है, जहां विस चुनाव 2023 में भाजपा प्रत्याशी रहे हीरेंद्र सिंह के खिलाफ आवेदन देकर जिला बदर की कार्रवाई करने की मांग की है। असल में राघौगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम प्रेमगढ़ निवासी अजब सिंह धाकड़ ने शनिवार को अपनी फेसबुक पोस्ट की।

विस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी था आरोपी, कश्मीर हमले पर टिप्पणी का दिया जवाब

इसमें लिखा कि जनवरी 2025 तक पहलगाम में उस जगह पर 2 सीआरपीएफ की यूनिट थी, अब क्यों नहीं है, क्यों हटाया गया उनको? इस पर राघौगढ़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रहे हीरेंद्र सिंह बंटी ने देर रात कमेंट किया कि कुत्ते, मरकर ही मानेगा क्या। इस कमेंट का स्क्रीन शॉट पुलिस को देकर अजब सिंह ने हीरेंद्र सिंह बंटी बना के खिलाफ आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं, जान से मारने की धमकी देने व आदतन अपराधी बताते हुए जिला बदर की कार्रवाई करने की मांग की। हीरेंद्र के खिलाफ आवेदन देने गुना विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी पंकज कनेरिया, राहुल वत्स, ब्रजेश धाकड़ पार्षद विजयपुर, मनीष जैन चौधरी अन्ना, चैन सिंह यादव सनोतिया, पूर्व जनपद अध्यक्ष राम सिंह भील सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी थाने पहुंचे। कांग्रेस नेता अजब सिंह ने कहा कि इससे पहले भी हीरेंद्र सिंह फेसबुक पर बागेश्वर धाम को सोच समझकर आशीर्वाद देने की धमकी दे चुके हैं।

रीवा: दो महीने में मिला तीसरे नवजात का लावारिस शव

जागरण रीवा। रीवा में दो महीने में तीसरे नवजात का शव लावारिस हालत में मिला है। रविवार शाम त्योंथर तहसील के जनेह थाना क्षेत्र में पडरहा गांव में एक पॉलीथिन में नवजात का शव मिला है। आशंका जताई जा रही है कि दोपहर के समय कोई चुपचाप नवजात का शव सड़क पर रख कर चला गया। जिसे लोगों ने काफी देर बाद देखा। शव मिलने के बाद ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। रीवा में नवजात का शव मिलने का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी तीन नवजात के शव मिले चुके हैं।

असामाजिक तत्वों ने गांधीजी की प्रतिमा को किया क्षतिग्रस्त

जागरण, मुरैना। जिले में असामाजिक तत्वों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना अंबाह क्षेत्र के खजूरी गांव के संजय नगर में रविवार की है। कुछ असमाजिक तत्वों ने गांव में लगी महात्मा गांधी की मूर्ति को खंडित कर दिया। यह बात जब स्थानीय कांग्रेसी विधायक देवेन्द्र सखवार को लोगों ने बताई तो

वह पहुंचे और उन्होंने पुलिस की सूचना दी। लोगों ने बताया कि असमाजिक तत्वों ने रात को मूर्ति को नीचे गिरा दिया, जिससे वह साइड से क्षतिग्रस्त हो गई। सुबह जब गांव वालों को पता लगा तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने अंबाह थाने में इसकी सूचना दी थी, लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। इसके बाद स्थानीय लोगों ने क्षेत्र के कांग्रेसी विधायक को इसकी सूचना दी। सूचना पाते ही क्षेत्रीय विधायक देवेन्द्र सखवार मौके पर पहुंचे तथा उन्होंने पुलिस अधिकारियों को फोन लगाया।

पत्नी ने पति के लिए अपने शरीर पर लिखी देवर की करतूत, फंदे पर लटका मिला शव

लिखा -तुम्हारे भाई ने मुझे गंदी नजर से देखा, भाई ने लगाया हत्या का आरोप

जागरण, मऊगंज। देवर की गंदी हरकतों से परेशान महिला का शव कमरे में फंदे पर लटका मिला है। संदिग्ध माने जा रहे इस मामले में महिला ने अपने पति के लिए सुसाइड नोट लिख छोड़ा है। इसमें उसने साफ लिखा है कि तुम्हारा भाई बहुत गंदा है, वह मुझे गंदी नजर से देखता है, अब बात बहुत आगे तक बढ़ गई है। तुम अंकुश को छोड़ना नहीं। महिला के भाई ने ससुराल पक्ष के लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। घर में लटका मिला यह शव मऊगंज जिले के नईगढ़ी में वार्ड 8 में रहने वाली 27 वर्षीय मंजू साकेत का है। रात करीब आठ बजे देवर और भतीजी ने मंजू का शव फंदे पर लटका हुआ देखा। घटना के शनिवार रात परिजन खलिहान में थ्रेसिंग कर रहे थे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। रविवार को मायके पक्ष के बयान दर्ज कर पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया।

शरीर को नोट पेड बना लिया

मृतका ने अपनी व्यथा के लिए अपने शरीर को ही नोटपेड बना लिया। उसने पति पर प्यार बरसाते हुए अपनी बात शुरू की। फिर आगे लिखा कि जब से मेरी मम्मी दुनिया छोड़कर गई है ना, तब से मैं तुमको अपनी मम्मी पापा ही मानी हूं और तुम भी मुझसे बहुत प्यार करते थे। मगर तुम्हारा भाई बहुत गंदा है वह मुझे गंदी नजर से देखा है और मुझे कहता है। जब मैं कुछ बोलता हूं तो झगड़ा करता है। मैं सोची कि तुमसे बता दूं, लेकिन मैं तुमसे नहीं बता पाती थी। मुझे लगता था कि तुम कहीं कुछ कर ना लो, इसलिए नहीं बताती थी, लेकिन यह बात बहुत आगे तक बढ़ गई। मैं तो जा रही हूं इस दुनिया से, मगर अंकुश को छोड़ना मत। मंजू के भाई गोविंद साकेत ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। भाई का कहना है कि सास, बहू और देवर ने हत्या की है। मेरी बहन के शरीर पर कई चोट के निशान हैं। बहन की हत्या कर शव को फांसी पर लटका गया है।

बंगाली कारीगरों के आधार कार्ड जांचे ऑनलाइन वेरिफिकेशन भी किया

रतलाम में दो हजार से ज्यादा कारीगर, हमले के बाद हाई अलर्ट पर पुलिस

जागरण, रतलाम। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद रतलाम पुलिस ने शहर में रहने वाले बंगाली कारीगरों (बांग्लादेशियों) की जांच शुरू कर दी है।

रविवार दोपहर सभी बंगाली लोगों को शहर के धनजीबाई नोहरा क्षेत्र में एकत्र किया। यहां पर एक-एक से उनके आधार कार्ड जांचे गए। आधार कार्ड का ऑनलाइन चेक कर नाम का सत्यापन किया। मालूम हो कि रतलाम में दो से ढाई हजार बंगाली कारीगर रहते हैं, जो सराफा बाजार में आभूषण बनाने का काम व्यापारियों के यहां करते हैं। कई लोग तो ऐसे हैं जिनको रतलाम में रहते हुए सालों बीत गए और परिवार समेत

यहां पर रहने लगे हैं। अधिकतर माणक चौक थाना क्षेत्र में रहते हैं। रविवार दोपहर सभी के सत्यापन का कार्य एसपी अमित कुमार के निर्देशन में शुरू हुआ। एएसपी राकेश खाखा, सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया, माणक चौक थाना प्रभारी अनुराग यादव, एसआई शिवनाथ राठौर आदि पुलिस बल की उपस्थिति में वेरिफिकेशन शुरू किया। एक एक से उनके आधार कार्ड का मिलान माय आधार एप से किया। रतलाम में कहां रहते हैं, उसके मकान मालिक का नाम, खुद का नाम, परिवार में कितने लोग है, कब से रह रहे हैं आदि जानकारी लेकर रजिस्टर में लिखी। एएसपी राकेश खाखा ने बताया बाहर से आकर कई लोग रतलाम में रह रहे हैं। उनके बारे में जांच की जा रही है। सभी का वोटर व आधार कार्ड से सत्यापन ऑनलाइन किया जा रहा है। मिलान नहीं होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आंधी में 10 फीट उछलकर मैदान में गिरीं तीन लड़कियां, प्रतीक्षालय उड़ा

जागरण, राजगढ़। जिले के खिलचीपुर में रविवार दोपहर तेज आंधी ने तीन लड़कियों को ही उड़ा दिया। एक लड़की यात्री प्रतीक्षालय से उछलकर दूर सड़क पर गिरी तो दो लड़कियां करीब 10 फीट ऊपर उछलकर बाउंड्रीवॉल पारकर मैदान में गिरीं। उत्कृष्ट विद्यालय के सामने बना लोहे का भारी यात्री प्रतीक्षालय तेज हवा में उड़ गया। यह प्रतीक्षालय भी आंधी थमने के बाद खेल मैदान में मिला। खरीदारी करने आईं कुआखेड़ा गांव निवासी आरती, संगीता और कविता नामक लड़कियां धूप से बचने के लिए प्रतीक्षालय में बैठी थीं। इसी बीच तेज आंधी चलने से पूरा प्रतीक्षालय बुरी तरह से हिलने लगा, जब तक लड़कियां कुछ समझ पातीं, तीनों लड़कियां उड़ती नजर आईं। आरती सड़क पर काफी दूर जाकर गिरी तो कविता और संगीता प्रतीक्षालय के साथ बाउंड्रीवाल पार कर खेल मैदान में जाकर गिरी।

तीन दिन तक जोमेटा बॉय बनकर रैकी करती रही पुलिस, इंजीनियर निकला ठगी का मास्टर माइंड

क्राइम सीरियल देखकर आर्मी अफसर से ठगे 31 लाख, इंदौर में चला रहा था कॉल सेंटर, बड़े रैकेट की आशंका

जागरण, ग्वालियर। पांच महीने से एक आर्मी अफसर से हुई ठगी करने वालों को पकड़ने में जुटी ग्वालियर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इसके लिए ग्वालियर पुलिस को इंदौर पहुंचकर जोमेटो बॉय के रूप में तीन दिन तक रैकी करना पड़ी। सायबर पुलिस के हाथ इस वारदात का मास्टर माइंड लगा है, जो इंजीनियर निकला। लोगों को ठगने के लिए इस इंजीनियर ने इंदौर में कॉल सेंटर खोल रखा था, जिसमें पांच और सदस्य भी काम कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक मुरार केंट निवासी आर्मी अफसर के साथ अक्टूबर 2024 में निवेश के नाम पर 31 लाख रुपए की ठगी की गई थी। इस मामले की जांच कर रही सायबर जोन ग्वालियर बीते पांच

महीने से आरोपियों को खोज रही थी। पुलिस ने ठग सागर कौरव को इंदौर से गिरफ्तार किया। सागर कौरव पुलिस को लगातार चकमा दे रहा था। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी इंदौर में छुपा है तो साइबर सेल की टीम ने उसे पकड़ने के लिए जोमेटो डिलेवरी बॉय बनकर उसकी रेकी की। तीन दिन बाद आरोपी हत्थे चढ़ गया। भिंड के दबोह में रहने वाला आरोपी कौरव साइंस से ग्रेजुएट है, जो पहले खुद को सागर राठौर बताता था। क्राइम सीरियल्स देखकर उसे ठगी के इस रैकेट का आइडिया मिला। उसकी गैंग के रोहित जादौन, ऋषभ ओझा, दीपक शर्मा, ऋषभ शर्मा और अरुण शर्मा भी हैं, जो इंदौर और भिंड के निवासी से हैं। कौरव ने इंदौर में कॉल सेंटर चला रखा था। पुलिस को इस मामले में बड़ा रैकेट के खुलासे की उम्मीद है। हालांकि आर्मी अफसर से लूट कौरव ने अकेले ही की थी। अब पूछताछ में अन्य राज्यों में चल रहे रैकेट्स की भी पुलिस को जानकारी मिल सकती है।

कूनो में नीरवा ने 5 चीता शावकों को दिया जन्म

जागरण, श्योपुर। देश में चीतों के पुर्न विस्थापन के लिए बनाए गए श्योपुर जिले के कूनो राष्ट्रीय उद्यान से रविवार को खुशखबरी आई है। यहां मादा चीता नीरवा ने पांच शावकों को जन्म दिया है। पांच साल की इस मादा के पांचों शावक पूर्णतः स्वस्थ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस खुशखबरी को साझा कर कूनो नेशनल पार्क की टीम को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भारत के जैव विविधता संरक्षण प्रयासों की सफलता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रकृति संरक्षण की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी एक्स पर इस खुशखबरी को साझा किया है। असल में नीरवा और

उसके शावकों का जन्म मध्यप्रदेश से देश भर शुरू किए गए चीता प्रोजेक्ट की सफलता को दिखाता है। कूनो नेशनल पार्क में अब चीतों की संख्या 29 हो गई है। इस माह की शुरूआत तक यहां 26 चीते थे। मगर इसी माह दो चीते प्रभास और पराग को प्रोजेक्ट के विस्तार के तहत मंदसौर जिले के गांधी सागर अभयारण्य गरोठ में स्थानांतरित कर दिया गया है।

भाजपा नेता और पुलिसकर्मियों का विवाद, मारपीट का लगाया आरोप

भाजयुमो मंडल मंत्री बोले-थाने ले जाकर बेरहमी से पीटा, पुलिस ने आरोप किए खारिज

जागरण, जबलपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के मंडल मंत्री पवन शर्मा ने पुलिस पर बेरहमी से पिटाई करने का आरोप लगाया है। पवन के मुताबिक, उनके हाथ और पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं और कंधा टूट गया है। दूसरी ओर, तिलवारा थाना प्रभारी ब्रजेश मिश्रा ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पवन से कोई मारपीट नहीं की है।

संगम कॉलोनी निवासी पवन शर्मा ने बताया कि शनिवार रात वे अपने दोस्त के साथ नर्मदा दर्शन करने तिलवारा घाट जा रहे थे। इस दौरान पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी। पुलिस ने उन्हें रोका, जिस पर पवन ने रुककर अपना परिचय दिया और चालान बनाने की बात कही। आरोप है कि परिचय देने के बावजूद पुलिसकर्मियों ने उनके साथ बदसलूकी की। विवाद बढ़ने पर उन्हें थाने ले जाकर बेरहमी से पीटा। मारपीट के बाद पवन शर्मा को तिलवारा थाने से बाहर निकाल दिया गया। वे किसी तरह विजयनगर थाने पहुंचे और

तिलवारा थाने के स्टाफ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। विजयनगर थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह पंवार खुद उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां पवन का मेडिकल परीक्षण कराया। उन्होंने कहा कि रात को पवन शर्मा थाने आया था, उसकी हालत देखते ही तुरंत मैं जिला अस्पताल लेकर गया था। वह बता रहा था कि उसके साथ मारपीट की है। लेकिन उससे ज्यादा जरूरी इलाज था, इसलिए सबसे पहले उसे अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस बोली- तेज रफ्तार में थे, बदतमीजी की

पवन शर्मा ने आरोप लगाया कि पुलिस ने करीब आधे घंटे तक जानवरों की तरह उनकी पिटाई की, जब उनके साथियों को जानकारी लगी, तब जाकर उन्हें छोड़ा गया। इसके उलट तिलवारा थाना प्रभारी ब्रजेश मिश्रा ने सभी आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि वाहन चेकिंग के दौरान पवन तेज रफ्तार में गाड़ी चलाते आए थे। पुलिस के रोके जाने पर वे बदतमीजी करने लगे और वीडियो बनाने लगे। जब उन्हें मना किया तो विवाद बढ़ गया। टीआई ने कहा कि अगर उनके साथ मारपीट हुई है तो पवन उसका वीडियो पेश करें।

भाजयुमो अध्यक्ष बोले- एसपी से शिकायत करेंगे

घटना को लेकर भाजयुमो के नगर अध्यक्ष योगेंद्र सिंह ने कहा- हमारे कार्यकर्ता के साथ हुई बर्बरता बेहद निंदनीय है। जल्द ही एसपी से मुलाकात कर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जाएगी।

रीवा में प्रधान आरक्षक और महिला आरक्षक निलंबित

जागरण, रीवा। मारपीट की शिकायत लेकर आई युवती से छेड़छाड़ करने के आरोपी प्रधान आरक्षक एवं विश्वविद्यालय थाने में महिला से बेरहम तरीके से मारपीट करने वाली महिला आरक्षक को रीवा के पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने निलंबित कर दिया है।रायपुर कर्चुलियान थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक संतोष सिंह का एक फरियादी से बातचीत का ऑडियो पिछले दिनों सामने आया था। युवती ने आरोप लगाया था कि प्रधान आरक्षक पर थाने में गलत व्यवहार से असहज कर दिया। वहीं प्रधान आरक्षक का कहना है कि युवती मारपीट की शिकायत लेकर थाने आई थी। उसके सिर में चोट लगी थी, इसलिए मानवता के नाते मैंने उसकी चोट को देखा। कोई गलत हरकत करने की कोशिश नहीं की। आरोप निराधार हैं। मगर प्रधान आरक्षक के लिखित स्पष्टीकरण के बाद एसपी ने यह एक्शन लिया है। दूसरी ओर विश्वविद्यालय थाने में पदस्थ महिला आरक्षक शाहीद खान को भी निलंबित किया गया है। मामला सिंधी कैंप निवासी आशा सिंह से जुड़ा है। उन्होंने एसपी से शिकायत कर बताया कि महिला आरक्षक ने कोलगवां थाना पुलिस की मदद से उनसे मारपीट की। उन्हें धमकी दी कि किराएदार जावेद खान से पैसे मांगने पर जान से मार देंगे।

बिजनेस प्लस

छात्राओं ने जीता सेंट माउंट फोर्ट क्रिकेट कप

भोपाल। सेंट पॉल स्कूल की छात्राओं ने सेंट माउंट फोर्ट क्रिकेट कप का खिताब जीत लिया। मैच में सेंट पॉल टीम ने चार टीमों को हराकर कप जीता। सेंट पॉल स्कूल ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करते हुए मोंटफोर्ट स्कूल ने 10 ओवर में 75 रनों का लक्ष्य दिया। सेंट पॉल की ओर से कप्तान लब्धि लेहरे ने दो विकेट और श्रेया पवार ने एक विकेट लिया। बल्लेबाजी करते हुए कप्तान लब्धि लेहरे ने 40 रन और तनिष्का रामटेके ने 21 रन बनाए और सेंट पॉल स्कूल ने तीन विकेट के नुकसान पर विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया। सेंट पॉल टीम के कोच आरके यादव सर और टीम मैनेजर संगीता पटेल थीं। उप प्राचार्य फादर थॉमस ने टीम को जीत की बधाई दी और कहा कि आपकी अथक मेहनत और आपकी योजनाबद्ध कार्यशैली ने आपको सफल बनाया है।

एसबीआई ने सेना को दिया 10 लाख का दान, बनेगा आयुष वेलनेस सेंटर

भोपाल। भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति समर्थन के एक महत्वपूर्ण कदम में, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल के तहत, भोपाल सैन्य स्टेशन के सुल्तानिया इन्फेंट्री लाइंस में स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (आयुष) की स्थापना के लिए भारतीय सेना को 10 लाख 78 हजार 806 रुपये की राशि दान की। इसके अलावा, सेना के दिग्गजों और

उनके परिवारों के उपयोग के लिए सैन्य स्टेशन परिसर में दो ई-रिक्शा भी दान किए गए। यह समारोह 25 अप्रैल को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री, भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों और एसबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस मौके पर एसबीआई के महाप्रबंधक मनोज कुमार, उप महाप्रबंधक लोकेश चंद्र, उप महाप्रबंधक साई कृष्ण श्रीधर और क्षेत्रीय प्रबंधक सुनील राजवैद्य उपस्थित थे। इस राशि का उपयोग प्रस्तावित आयुष वेलनेस सेंटर निरामया के लिए आवश्यक चिकित्सा उपकरण खरीदने में किया जाएगा। यह केंद्र आयुर्वेद और योग जैसी पारंपरिक भारतीय चिकित्सा प्रणालियों पर आधारित निवारक, उपचारात्मक और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करेगा। इस केंद्र से भोपाल मिलिट्री स्टेशन के 40 हजार से अधिक सैनिकों और उनके परिवारों को लाभ मिलेगा, जिससे स्वास्थ्य संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और सैन्य समुदाय का मनोबल बढ़ेगा। सैन्य स्टेशन परिसर में आने-जाने के लिए सेना के भूतपूर्व सैनिकों द्वारा ई-रिक्शा का उपयोग किया जाएगा।

पश्चिम ने समझी परिवार की अहमियत

हम कब समझेंगे...?

दादी-नानी जैसी केयर नहीं

किसी डे केयर सेंटर में बच्चे पालने से बच्चों को वैसी देखभाल नहीं मिलती, जो दादा-दादी या नाना-नानी के रहते होती है। सहायिकाओं के भरोसे भी बच्चों की उचित देखभाल की गारंटी नहीं दी जा सकती। इसके अलावा, जब युवाओं को यह बताया जाएगा कि परिवार तुम्हारे कॅरिअर में सबसे बड़ा रोड़ा है, तो वे भला परिवार क्यों बसाएंगे! लेकिन स्वीडन का कानून बता रहा है कि अगली पीढ़ी की बेहतरी के लिए पुरानी पीढ़ी का होना और बच्चों को उनका स्नेह मिलना कितना जरूरी है। दादा-दादी या नाना-नानी के सान्निध्य में बच्चों की परवरिश से बहुत से अच्छे मूल्य उनके मन में आसानी से जगह बना लेते हैं। वे माता-पिता के काम पर जाने के बाद खुद को अकेला नहीं महसूस करते हैं। उनमें सुरक्षा की भावना भी मजबूत होती है। अपने यहां आजादी के नाम पर हम जिस परिवार के बिखराव का जश्न मना रहे हैं, उस बारे में भी सोचने की जरूरत है। दुनिया में कहीं भी सिर्फ अपने अकेले के भरोसे न जीवन जिया जा सकता है, न चुनौतियों से मुकाबला ही संभव है।

■ क्षमा शर्मा ■

हाल ही में एक खबर ने चकित किया। उसमें बताया गया था कि अब स्वीडन में दादा-दादी और नाना-नानी को पोते-पोतियों, नाती-नातिनों की देखभाल करने के लिए बच्चे के जन्म के पहले साल में तीन महीने की सवैतनिक छुट्टी मिलेगी। यह कानून वहां की संसद में पास किया गया है। स्वीडन दुनिया का पहला देश है, जिसने पचास साल पहले माता-पिता बनने पर न केवल माताओं को, बल्कि पिताओं के लिए भी अवकाश देने की घोषणा की थी। यहां बच्चे के जन्म पर सोलह महीने या चार सौ अस्सी दिन के अवकाश लाभ दिए जाते हैं। इस खबर को पढ़कर

> स्वीडन का नया कानून परिवार की ओर वापसी कराने वाला है। इसके अनुसार, अगली पीढ़ी की बेहतरी के लिए पुरानी पीढ़ी का स्नेह जरूरी है।

वे घटनाएं याद आती हैं, जहां अमेरिका और यूरोप में लोग इस बात पर आश्चर्य करते हैं कि भारत से दादा-दादी, नाना-नानी बारी-बारी से अपने नाती-नातिनों, पोते-पोतियों की देखभाल करने के लिए छह-छह महीने के लिए वहां जाते रहते हैं। पश्चिम इन दिनों परिवार के संपूर्ण बिखराव से परेशान है। वहां बहुत से युवा, जिनमें लड़के-लड़कियां, दोनों शामिल हैं, विवाह नहीं करना चाहते। विवाह हो भी जाए, तो वे बच्चों को जन्म देना नहीं चाहते। बच्चे पालना उन्हें भारी जिम्मेदारी और अपनी आजादी में खलल की तरह महसूस होता है। इस लेखिका ने यूरोप में ऐसे अनेक लोगों को देखा है, जो या तो अकेले रहते हैं या उनके बच्चे नहीं हैं। बच्चों का शौक पूरा करने के लिए वे कई सारे कुत्ते-बिल्लियां पालते हैं। सुबह-शाम उन्हें घुमाने ले जाते हैं। उनके स्वास्थ्य की देखभाल करते हैं। उन्हें अच्छा भोजन देते हैं। कहने का अर्थ यह कि इन जानवरों को पालने में भी लगभग उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी बच्चों को पालने में।

परिवार लगने लगा मुसीबत

- विभिन्न विमर्शों ने पिछली एक सदी से परिवार नामक संस्था की इतनी बुराई की है कि युवाओं को परिवार बसाना-बढ़ाना अपने जीवन की सबसे बड़ी मुसीबत लगता है। माता-पिता से तो वे बहुत जल्दी ही अलग हो जाते हैं। उनसे वे किसी पर्व-त्योहार या ऐसे ही किसी अवसर पर मिलते हैं। बहुतेरे तो उनके बीमार होने पर भी उनकी कोई सुध नहीं लेते।
- इसीलिए वे भारत के पारिवारिक ढांचे को आश्चर्य से देखते हैं, लेकिन खुद पारिवारिक बंधनों से दूर भागते हैं। हालांकि हमारे यहां भी दशकों से एकल परिवार को किसी वरदान की तरह देखा जा रहा है। अक्सर पर्सनल कॉलम्स में बुजुर्ग शिकायत करते हैं कि उन्होंने अपनी पूरी उम्र और जमा-पूंजी अपने बच्चों को पालने, उनकी देखभाल करने और शिक्षा पर खर्च कर दी। मगर अब बच्चे उनसे मिलना तो दूर, एक फोन करने तक की जरूरत महसूस नहीं करते।
- पश्चिम के लोग परिवार की वापसी के नारे लगा रहे हैं। वे एकल परिवारों की मुसीबतों से परेशान हैं। वहां के बहुत से बच्चे कम उम्र में ही ऐसी तमाम गतिविधियों में लग जाते हैं, जो उनके भविष्य के लिए अच्छी नहीं हैं। व्यक्तिवाद के चलते मनुष्य कितना स्वार्थी और आत्मकेंद्रित हो जाता है, हाल का समाज उसके ज्वलंत उदाहरण हैं।

प्रेरणा

रितिका शिवहरे

विजनारा ग्लोबल मिस इंडिया अवॉर्ड 2025

खुद से सीखा बिजनेस का हर पहलू

■ रवि सिंह ■

भोपाल की बिजनेस वुमन रितिका शिवहरे विजनारा ग्लोबल मिस इंडिया अवॉर्ड 2025 की विजेता रही, ये अवॉर्ड शो दिल्ली के निजी होटल में ऑर्गेनाइज हुआ था। जिसमें रितिका ने सबसे ज्यादा टैग जीते। पहले भी इन्हें मध्य प्रदेश बिजनेस ग्लोरी अवार्ड से सम्मानित किया गया है। रितिका की माता ममता शिवहरे ने बताया कि मुझे अपनी बेटी पर बहुत गर्व है और वह बचपन से वह पढ़ाई में बहुत आगे रही है। शुरू से ही वह लोगों के लिए कुछ करना चाहती थी। रितिका न केवल एक सफल महिला उद्यमी हैं, बल्कि वह महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी अहम योगदान दे रही हैं। रितिका ने अपनी कंपनी एटिली टेक्नोलॉजीज इंडिया की स्थापना की थी, जो आज 60 से ज्यादा लोगों को रोजगार प्रदान करती है। खास बात यह है कि उनकी कंपनी में महिलाओं को विशेष स्थान दिया गया है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में उनके योगदान को और भी महत्वपूर्ण बनाता है।

समस्याओं का सामना करते हुए आगे बढ़ीं

किसी भी बिजनेस की शुरुआत में समस्याएं आना स्वाभाविक है, और रितिका भी इससे अछूती नहीं थीं। शुरुआत में उन्हें यह चिंता भी थी कि बिना प्रोडक्ट के, वे ग्राहक कैसे बनाएंगे। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार मेहनत की। उन्होंने विदेश से आवश्यक मशीनें मंगवाईं और अपने प्रोडक्ट्स को बाजार में उतारने की दिशा में काम किया। आज उनकी कंपनी एक सशक्त और स्थापित नाम बन चुकी है।

महिलाओं को दिया मौका

रितिका मानती हैं कि अगर महिलाओं को सही अवसर मिलें तो वे किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से बेहतर काम कर सकती हैं। उनका लक्ष्य देशभर में महिला सशक्तिकरण की दिशा में योगदान देना भी है। उन्होंने अपने व्यवसाय में महिलाओं को शामिल किया और उन्हें प्रोडक्शन, मैन्युफै. रिंग और मार्केटिंग जैसे क्षेत्रों में सक्रिय रूप से काम करने का अवसर दिया।

चार कर्मचारियों के साथ शुरू की कंपनी

रितिका ने 2017 में कंपनी की शुरुआत की थी। उन्होंने भारत में जीपीएस एंटिनी केवल, चीप रेजिस्टर, आर एफ एडप्टर समेत सैकड़ों चीजों की मेन्यूफेक्चरिंग में अवसर देखा, जो उस समय तक केवल चीन में ही हुआ करता था। रितिका को यह अहसास हुआ कि भारत में ऐसी कोई कंपनी नहीं थी, जो इस तरह के प्रोडक्ट्स बना सके, और यहीं से उन्हें एक नया बिजनेस शुरू करने का आइडिया मिला। केवल 4 कर्मचारियों के साथ शुरू की कंपनी आज 60 से ज्यादा कर्मचारियों को रोजगार दे रही है। रितिका का लक्ष्य बहुत जल्द इस संख्या को 600 तक पहुंचाने का है। उनकी कंपनी के प्रोडक्ट्स मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित पूरे भारत में भेजे जाते हैं, और साथ ही विदेशों में भी उनके प्रोडक्ट्स की डिमांड बढ़ी है।

खुद से सीखा बिजनेस करना

रितिका ने अपने व्यवसाय की सारी जानकारी खुद से सीखी। भोपाल में बिजनेस के लिए कोई विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं था, लेकिन रितिका ने अपने अनुभव से सीखा कि व्यवसाय कैसे शुरू किया जाता है, कस्टमर से कैसे संपर्क किया जाता है, इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट के नियम क्या होते हैं, और साथ ही अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को खुद से समझा। वह अब दूसरों को भी इस ज्ञान को बांटना चाहती हैं और उन्हें यह सिखाना चाहती हैं कि कैसे बिजनेस शुरू किया जाए।

यात्रा के दौरान कैसे बनाएं रखें अपनी फ़िटनेस?

> घूमने-फिरने के समय वज़न बढ़ना आम बात है. ऐसा इसलिए होता है कि क्योंकि यात्रा करते समय अपनी दिनचर्या बनाए रखना और अनुशासित रहने के लिए काफ़ी संघर्ष करना पड़ता है. हालांकि अगर आप अपने फ़िटनेस को लेकर गंभीर हैं तो आप बाहर रहते हुए अपने स्वास्थ्य से समझौता नहीं करना चाहते हैं तो यहां पर कुछ सुझाव दिए जा रहे हैं, जो आपकी मदद करेंगे।

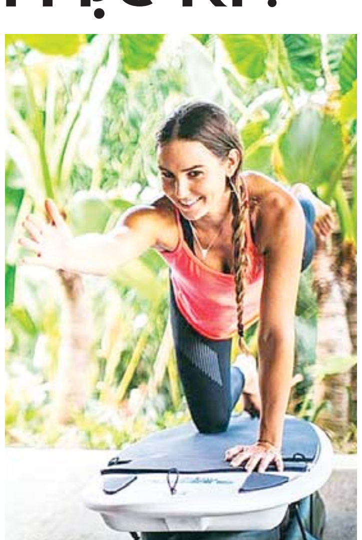

जल्दी उठें

यदि आपका पूरा दिन यात्रा में बीतने वाला है तो कुछ घंटे पहले उठने और कसरत करने का प्रयास करें. यह एक अच्छे दिन की शुरुआत हो सकती है। स्ट्रेच और बेसिक बॉडीवेट एक्सरसाइज़ जैसेकि स्क्वैट्स, लंग्स और पुश-अप्स के कुछ सेट्स आपके लिए सही रहेंगे। यह इसलिए कि आपके शरीर को थोड़ा गति मिल सके और आपके पैर हल्का महसूस करें।

चलें, थोड़ा ज़्यादा

किसी नई जगह को एक्सप्लोर करने का सबसे अच्छा तरीक़ा है कि आप उस जगह को पैदल नापें, लंबी सैर की जाए। यह एक अच्छा कार्डियो वर्कआउट भी है और एंडोर्फिन को बढ़ावा देता है, जो बहुत ज़रूरी है तो अगली बार जब आप किसी नई जगह की यात्रा कर रहे हों, तो सिर्फ़ गाड़ी से घूमने की जगह अपने पैरों को भी थोड़ा तकलीफ़ दें!

अपना खाना ख़ुद पकाएं

किसी नए स्थान की यात्रा करते समय रेस्तरां और कैफ़े का ही खाना खाते रहना आपके सेहत के लिए ठीक नहीं है, बाहर का भोजन करना आपके स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। कभी-कभी अपना भोजन स्वयं पकाएं, इससे संतुलन बना रहेगा और आपका पैसा भी बचेगा।

ज़्यादा पानी पीएं

अक्सर हम प्यास को भूख समझ लेते हैं। यदि आप यात्रा करते समय अस्वास्थ्यकर भोजन देखकर ललचाते हैं, तो एक बड़ा ग्लास का पानी लें और पीएं। फिर देखें कि क्या आप अभी भी खाने की तरफ़ ख़ीच रहे हैं। जब आप ख़ुद को हाइड्रेट रखेंगे तो आपकी कैलोरी की मात्रा अपने आप कम हो जाएगी।

देखें कि आप क्या खा रहे हैं

यात्रा के दौरान हर भोजन में बाहर खाना या ऑर्डर करना आपके वजन में तब तक उतार-चढ़ाव नहीं करेगा जब तक आप देखते हैं कि आप क्या खाते हैं।

थ्री ड्रिंक थ्योरी? हाइड्रेट और डिटॉक्स साथ-साथ

■ प्रीता जैन, आहार विशेषज्ञ ■

गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। धीरे-धीरे धूप अपने तेवर दिखाने लगी है। ऐसे में शरीर को अधिक हाइड्रेटेड रखना जरूरी है। गर्मी के मौसम में पसीने के जरिए शरीर से ज्यादा पानी निकलता है, जिससे डिहाइड्रेशन (निर्जलीकरण) होने से स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है, इसलिए आपकी बॉडी का हाइड्रेटेड रहना आवश्यक है। हाइड्रेटेड रहने का मतलब है, अपने शरीर को पर्याप्त पानी देना। यह आपके शरीर की दैनिक जरूरतों को पूरा करने का तरीका है, जिससे आप स्वस्थ बने रह सकते हैं। जब आप हाइड्रेटेड रहते हैं तो आपकी किडनी सही ढंग से कार्य कर पाती है और आपके संपूर्ण शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं, जैसे- ऊर्जा का स्तर बढ़ता है, प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है, अंगों की सुरक्षा होती है और सिर दर्द तथा कब्ज जैसी समस्याएं भी कम होने लगती हैं। साथ ही हाइड्रेटेड रहने से शरीर की प्राकृतिक डिटॉक्सिफिकेशन प्रक्रिया को बढ़ावा मिलता है, जो संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

> आप हाइड्रेट रहने के लिए तरह-तरह के जूस पीती हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि इनकी अधिक मात्रा शरीर में कैलोरी को बढ़ा देती है, जिसे आप 'थ्री ड्रिंक थ्योरी' से कंट्रोल कर सकती हैं।

पहला स्टेप 'पानी'

दिन भर में आपको 2-3 लीटर सादा पानी अवश्य पीना चाहिए। असल में, सादे पानी में शून्य कैलोरी यानी कोई कैलोरी नहीं होती, इसलिए यह वजन घटाने और नियंत्रित रखने के लिए एक अच्छा विकल्प है।

दूसरा है 'जूस'

दिन भर में कुछ न कुछ खाने या पीने का मन तो करता ही है, जिस कारण आप चॉकलेट शेक जैसे अनहेल्दी ड्रिंक्स का सेवन कर लेती हैं। लेकिन थ्री ड्रिंक थ्योरी कहती है कि आप फल तथा सब्जियों के जूस और सूप का सेवन करें। गर्मी के मौसम में फल और सब्जियों का सही मात्रा में सेवन करने से शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा बनी रहती है।

तीसरा 'आपकी पसंद'

चाय-कॉफी या दूध आदि पेय पदार्थ भी शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद करते हैं। यदि आपको सादा दूध पसंद नहीं है तो लस्सी या छाछ पीएं।

तीन तरह के तरल पदार्थों का सेवन

एक स्वस्थ व्यक्ति को दिन में 2-3 लीटर यानी 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए। इसमें पानी के सभी स्रोतों को शामिल कर सकते हैं, जैसे सादा पानी, फल-सब्जियां और अन्य पेय पदार्थ। इस प्रक्रिया को अपनाने और हाइड्रेटेड रहने का एक प्रभावी तरीका है- 'थ्री ड्रिंक थ्योरी'। इस थ्योरी के अनुसार, दिन भर में तीन प्रमुख प्रकार के तरल पदार्थों का सेवन किया जाना चाहिए, जिन में पहला है- पानी। यह शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। दूसरा है- फल-सब्जियां खाना (फ्रूट जूस एवं सूप), जो प्राकृतिक विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होने के कारण शरीर को पोषण देते हैं। इसके बाद तीसरी चीज आती है आपकी पसंद यानी चाय या कॉफी। यह पाचन में मदद कर शरीर को आराम महसूस करती है। इन तीनों का संतुलित सेवन शरीर को हाइड्रेट तथा स्वस्थ रखने में मदद करता है।

पर्याप्त हाइड्रेशन के संकेत

कई लोग समझ ही नहीं पाते कि वे हाइड्रेटेड हैं या नहीं। अगर आपको बार-बार प्यास नहीं लगती है तो यह एक संकेत है कि आप पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ ले रही हैं। हल्का पीला या रंगहीन पेशाब हाइड्रेट होने का संकेत है। साथ ही जब आप पूरी तरह हाइड्रेटेड रहती हैं तो आपको अधिक ऊर्जा महसूस होती है, मांसपेशियों में ऐंठन कम होती है, सिर दर्द नहीं होता है, चक्कर नहीं आते हैं और त्वचा पर एक अलग ही प्रकार का ग्लो नजर आता है, जो संकेत होता है कि आप पूरी तरह हाइड्रेटेड हैं।

गर्मी के मौसम में कूल कलर्स

यदि गर्मी के मौसम में आप शरीर को ठंडक पहुंचाना चाहते हैं तो कुछ खास रंगों के कपड़े खरीदकर अपने कलेक्शन में उन्हें शामिल करें। हर कोई मौसम के हिसाब के अपने कपड़ों का चयन करता है। किस मौसम में कौन से फैब्रिक के कपड़े पहनने हैं, इस बारे में तो हर कोई जानता है, लेकिन किस रंग के कपड़े पहनने चाहिए ये ज्यादातर लोगों के लिए बड़ा सवाल होता है। आपके इसी सवाल का जवाब आज हम देंगे। यहां हम आपको बताएंगे कि गर्मी के मौसम में किस रंग के कपड़े पहनने चाहिए। खास हल्के रंगों के कपड़े आपके शरीर के तापमान को मैंटेन करके रखते हैं। ऐसे में यदि आप खास रंगों के कपड़े गर्मी के मौसम में पहनेंगे तो आपके शरीर को भी गर्मी से राहत मिलेगी।

लाइट येलो

पीला रंग देखने में अच्छा भी लगता है। यदि आप गर्मी के मौसम में पहनने के लिए कुछ खास रंग की तलाश कर रहे हैं तो हल्का पीला रंग आपके लिए बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। ऐसे में ज्यादा सोचें नहीं और झटपट से इन्हीं रंगों को अपने कलेक्शन में साबित करें।

सफेद

गर्मी के मौसम में हर किसी के पास सफेद रंग के आउटफिट तो होने ही चाहिए। सफेद रंग शरीर को काफी ठंडक पहुंचाते हैं। पुरुषों के पास इस रंग की शर्ट और टीशर्ट अवश्य होना चाहिए। वहीं महिलाओं के पास भी इस रंग के कपड़े होने चाहिए। सफेद रंग के आउटफिट्स को अलग-अलग तरह स्टाइल किया जा सकता है।

बेबी पिंक

यदि आप गर्मी के मौसम में डार्क गुलाबी रंग के कपड़े पहनेंगे तो इससे आपको ही परेशानी होगी। इसलिए इस मौसम में पहनने के लिए बेबी पिंक रंग के आउटफिट अपने कलेक्शन में शामिल करें। हल्का गुलाबी रंग आपको न सिर्फ खूबसूरत दिखने में मदद करता है, बल्कि इस रंग को कैरी करने से आपको भी अच्छा लगेगा।

स्काई ब्लू

डार्क नीला रंग तो गर्मी के मौसम में आपको परेशान कर सकता है, लेकिन यदि आप स्काई ब्लू रंग के कपड़े पहनेंगे तो आपको अवश्य ही आराम मिलेगा। स्काई ब्लू रंग न सिर्फ आंखों को देखने में भाता है, बल्कि इसको पहनने से शरीर को भी ठंडक मिलती है। ऐसे में आप भी इस रंग के कपड़े कैरी कर सकते हैं।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने थार के 8 वेरिएंट किए बंद

नई दिल्ली, जेएनएन। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी लाइफस्टाइल एसयूवी थार के लाइनअप में बदलाव किया है। वाहन निर्माता ने अब इसके 8 वेरिएंट्स को बंद कर दिया है। इस बदलाव से पहले महिंद्रा थार के कुल 19 वेरिएंट बिक्री पर थे, जो अब घटकर 11 रह गए हैं। कंपनी ने कम बिकने वाले वेरिएंट्स को बंद कर उत्पादन को सुव्यवस्थित करने का प्रयास किया है। इससे अधिक मांग वाले वेरिएंट्स का उत्पादन बढ़ाया जा सकेगा, जिससे इनकी डिलीवरी का समय कम होगा।

महिंद्रा ने थार के ये वेरिएंट किए बंद

महिंद्रा थार के टॉप-स्पेक एलएक्स कन्वर्टिबल,एएक्स 4डब्ल्यूडी और ओपन डिफरेंशियल वाले एलएक्स 4डब्ल्यूडी ट्रिम्स को बंद कर दिया गया है। इन वेरिएंट में से केवल 2 पेट्रोल पावरट्रेन के लिए हैं, जबकि शेष 6 डीजल इंजन विकल्प के लिए हैं। इस फेरबदल से केवल 4-व्हील ड्राइव (4डब्ल्यूडी) वेरिएंट ही प्रभावित हुए हैं, जबकि रियर-व्हील ड्राइव (आरडब्ल्यूडी) लाइनअप अपरिवर्तित है। इसके बाद भी गाड़ी कीमत पहले के समान 11.50-17.60 लाख रुपये (एक्स-शोरुम) के बीच बनी हुई है।

थार के फेसलिफ्ट मॉडल पर चल रहा काम

रिपोर्ट के अनुसार, महिंद्रा थार 3-डोर के फेसलिफ्ट मॉडल पर भी काम कर रही है। आंतरिक रूप से डब्ल्यू515 कोडनेम वाला यह मॉडल अगले साल बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। एसयूवी में थार रॉक्स से मिलता-जुलता एक्सटीरियर और लुक दिया जा सकता है। साथ ही इंटीरियर में एड्रेनॉक्स कनेक्टेड कैट तकनीक के साथ बड़ा इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, नया स्टीयरिंग व्हील और हार्ड-टॉप वेरिएंट के लिए सिंगल-पैन सनरूफ मिल सकती है। इंजन और ट्रांसमिशन विकल्प समान ही रहेंगे।

भारत और नीदरलैंड की व्यापार बढ़ाने पर चर्चा

नयी दिल्ली, जेएनएन। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल की हेग यात्रा के दौरान भारत और यूरोपीय देश नीदरलैंड ने व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की। यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद नीदरलैंड को भारत के निर्यात में अच्छी वृद्धि दर्ज की जा रही है। वाणिज्य विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल और राजदूत ने द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा करने के लिए हेग में विदेशी आर्थिक संबंध के महानिदेशक मिशेल स्वीर्स से मुलाकात की।

संक्षिप्त समाचार

एआई कौशल विकास है नौकरी जाना नहीं : टीसीएस प्रमुख

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की कृत्रिम मेधा (एआई) इकाई के वैश्विक प्रमुख अशोक कृष ने कहा कि एआई नई प्रौद्योगिकियों के सृजन को बढ़ावा देगी तथा कार्य की प्रकृति को नया आकार देगी। उन्होंने कहा कि एआई को कौशल परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि नौकरियों के लिए खतरे के नजरिए से। कृष ने विशेष बातचीत में बताया कि एआई केवल एक प्रौद्योगिकी बदलाव नहीं है, बल्कि एक सांस्कृतिक परिवर्तन है जिसके लिए ऐसे कार्यान्वयन के साथ-साथ लोगों के काम करने के तरीके को बदलने की आवश्यकता है। पिछले तीन दशकों में विघटनकारी प्रौद्योगिकियों मेनफ्रेम से लेकर इंटरनेट, ई-कॉमर्स, डिजिटल और क्लाउड तक की बार-बार लहरें देखी गई हैं। प्रत्येक बदलाव ने भविष्य की संभावनाओं के बारे में आशंकाएं और कभी-कभी 'भयभीत करने वाली' भावनाएं पैदा की हैं। व्यापक रुझान को देखते हुए, उन्होंने कहा कि एआई सिर्फ़ अगला विकास है, जो अंततः अधिक प्रौद्योगिकी के निर्माण की ओर ले जाएगा, क्योंकि यह पूरी प्रक्रिया को सरल बनाता है। कृष ने कहा, इसलिए मुझे लगता है कि इसे नौकरी घटने के नजरिए से देखना गलत है और यह कौशल विकास का एक अवसर है।

मैकडॉनल्ड्स स्टोर की संख्या दोगुनी करेगी

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत में उत्तर और पूर्वी क्षेत्रों के लिए मैकडॉनल्ड्स रेस्तरां के लिए मास्टर फ्रेंचाइजर कनॉट प्लाजा रेस्टोरेंट्स प्राइवेट लिमिटेड (सीपीआरएल) ने नेटवर्क विस्तार के लिए अगले तीन से चार वर्षों में 1,280.7 करोड़ रुपये तक निवेश करने की योजना बनाई है। एमएमजी ग्रुप और सीपीआरएल के वाइस चेयरमैन अनंत अग्रवाल ने कहा कि कंपनी की योजना इस साल के अंत तक स्टोर की संख्या मौजूदा 245 से बढ़ाकर 300 करने और फिर अगले 3-4 वर्षों में इसे दोगुना करने की है। इसके अलावा सीपीआरएल मैककैफे का भी विस्तार कर रहा है, जो मैकडॉनल्ड्स का कैफे ब्रांड है। इसके वर्तमान में 125 आउटलेट हैं और इस साल के अंत तक इसकी संख्या 200 हो जाएगी। अग्रवाल ने कहा कि छोटे-छोटे प्रारूप वाले स्टोरों के साथ टियर-3 और उससे छोटे कस्बों में मौजूदा अवसरों का लाभ उठाने की भी योजना है। विस्तार के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, हमारे पास वृद्धि के लिए बहुत आक्रामक योजनाएँ हैं। इसलिए इस साल तक हमारे पास 300 से ज्यादा स्टोर होने चाहिए।

रिलायंस ने सौर ऊर्जा विनिर्माण इकाई शुरू की

नई दिल्ली, जेएनएन। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सौर पैनलों के निर्माण के लिए अपनी पहली इकाई चालू कर दी है और बैटरी भंडारण उत्पादन सुविधाओं का निर्माण करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। कंपनी ने निवेशकों के समक्ष प्रस्तुति में यह जानकारी दी। रिलायंस ने 2021 में नवीकरणीय ऊर्जा, भंडारण और हाइड्रोजन को कवर करते हुए 10 अरब डॉलर की योजना का अनावरण किया था क्योंकि इसने 2035 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन की स्थिति का अनुसरण कर रही है। शुक्रवार को पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की आय की घोषणा करते हुए एक निवेशक प्रस्तुति पोस्ट में रिलायंस ने कहा, सौर पीवी मॉड्यूल की पहली लाइन चालू हो गई है। उद्योगपति मुकेश अंबानी द्वारा संचालित यह कंपनी अदाणी समूह, टाटा, वारी एनर्जी और विक्रम सोलर जैसी कंपनियों में शामिल हो गई है जो सौर पीवी मॉड्यूल बनाती हैं।

भारत-पाक में टेंशन बढ़ी तो शेयर बाजार में इस हफ्ते गिरावट संभव

मुंबई शेयर मार्केट में दिखेगा उतार-चढ़ाव, 5 फैक्टर्स तय करेंगे हफ्ते की बाजार की चाल

मुंबई, जेएनएन। मुंबई शेयर बाजार में इस हफ्ते उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। भारत-पाकिस्तान के बीच टेंशन से लेकर विदेशी निवेशकों की खरीदारी और चौथी तिमाही के रिजल्ट जैसे फैक्टर्स पर बाजार की नजर रहेगी। ऐसे पांच फैक्टर्स जिनसे इस हफ्ते बाजार की चाल तय होगी...

भारत-पाकिस्तान तनाव

कश्मीर में हुए इस हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते जियो पॉलिटिकल टेंशन ने निवेशकों को सतर्क कर दिया है। इसी के चलते शुक्रवार को बाजार में और कुछ मुनाफावसूली दिखी। अगर आने वाले दिनों में ये तनाव बढ़ता है तो इसका असर बाजार पर दिख सकता है। ये हमला 22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ था जिसमे 26 टूरिस्ट मारे गए। इसके बाद भारत ने सिंधु जल समझौता सस्पेंड कर दिया। पाकिस्तान ने भी लगभग सभी द्विपक्षीय समझौते स्थगित करने का ऐलान किया और कहा कि भारत ने सिंधु जल रोका तो यह एक्ट ऑफ वॉर होगा।

विदेशी निवेशकों ने 17,800 करोड़ के शेयर खरीदे

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक वैल्यूएशन्स से अट्रैक्ट होकर नेट बायर्स बन गए है। खासकर फाइनेंशियल स्पेस में खरीदारी कर रहे हैं। बीते हफ्ते एफपीआई ने कैश सेगमेंट में 17,800 करोड़ के शेयर खरीदे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 1,132 करोड़ के शेयर खरीदे।

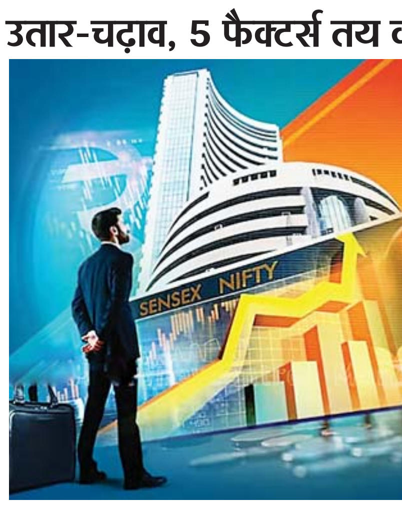

टैरिफ और ट्रेड के अपटेड पर भी रहेगी नजर

1 मई को मंथली ऑटो सेल्स डेटा रिलीज किा जाएगा, जिसपर मार्केट पार्टिसिपेंट्स की नजर रहेगी। वहीं निवेशकों की नजर इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन यानी आईआईपी डेटा और एचएसबीसी मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई के फाइनल डेटा जैसे मैक्रोइकॉनोमिक डेटा पर भी रहेगी। चौथी तिमाही के रिजल्ट की बात करें तो बीपीसीएल, आईओसी, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, टीवीएस मोटर और अल्ट्राटेक सीमेंट सहित कई प्रमुख कंपनियां अपने रिजल्ट जारी करेगी। ग्लोबल लेवल पर, टैरिफ और ट्रेड से संबंधित अपडेट पर भी नजर रहेगी।

बाजार के लिए 23,800 का लेवल महत्वपूर्ण

पिछले तीन हफ्तों में निफ्टी 50 का शार्प रिबाउंड लगभग वर्टिकल रहा है। ऐसे में अगले मेजर डायरेक्शनल मूव से पहले कुछ कंसॉलिडेशन की संभावना का संकेत मिल रहा है। इंडेक्स के लिए अपने तेजी के रुझान को बनाए रखने के लिए 23,800 के स्तर को बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा।

एथर एनर्जी का वित्त वर्ष का पहला आईपीओ ओपन होगा

28 अप्रैल को मेनबोर्ड सेगमेंट में एथर एनर्जी का आईपीओ खुलेगा। ये वित्त वर्ष 26 का पहला मेनबोर्ड आईपीओ है। एसएमई सेगमेंट में, इस हफ्ते बिडिंग के लिए चार इश्यू खुलेंगे। हीरो मोटोकॉर्प की समर्थित कंपनी इस इश्यू से 2,981 करोड़ जुटाएगी। आईपीओ की कीमत 304-321 रुपये प्रति शेयर रखी है। इश्यू की घोषणा के बाद से ही एथर एनर्जी का ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) गिरकर 3 रुपये पर आ गया है। लिस्टिंग में, टैंकअप इंजीनियर्स के शेयर बीएसई एसएमई या एनएसई एसएमई में से किसी एक पर लिस्ट होंगे।

ऐपल अभी भारत में नहीं करेगी मैकबुक और आईपैड का उत्पादन

कम घरेलू मांग के कारण लिया गया है निर्णय

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका-चीन टैरिफ वॉर के बाद ऐपल के लिए भारत में आईफोन निर्माण करना फायदेमंद हो सकता है, लेकिन निकट भविष्य में उसकी मैकबुक और आईपैड का उत्पादन यहां स्थानांतरित करने की कोई योजना नहीं है। सूत्रों ने बताया कि कंपनी का यह निर्णय कम घरेलू मांग और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला बनाने की कठिनाइयों के कारण लिया गया है। इसके अलावा, कंपनी ने यहां आईफोन और एयरपॉड्स से परे विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार करने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन शुरू किया है।

ऐपल के निर्णय से सरकार को झटका

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में मैकबुक बनाने के लिए ऐपल की अनिच्छा भारतीय सरकार के लिए एक झटका है। दूसरी तरफ सरकार ने 2023 में संशोधित और विस्तारित आईटी हार्डवेयर विनिर्माण पीएलआई (उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन) योजना की घोषणा की है। एक सूत्र ने कहा, ऐपल अधिक विनिर्माण के लिए भारत की ओर देख रहा है हालांकि, टैरिफ की स्थिति और चीन के साथ अमेरिकी तनाव ने मैकबुक और आईपैड पर व्यवहार्यता की संभावनाओं को खोल दिया है।

आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करना चुनौती

ऐपल ने भारत सरकार को यहां मैकबुक और आईपैड के लिए सीमित बिक्री बाजार के बारे में भी सूचित किया है। इसके विपरीत, आईफोन की बिक्री मजबूत है, जो स्थानीय उत्पादन को लाभप्रद बनाता है। मैकबुक और आईपैड उत्पादन को भारत में स्थानांतरित न करने का एक प्रमुख कारण यहां एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने लगने वाला अधिक समय है। यहां आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने में 3-4 साल लग सकते हैं,जिसका अधिकांश हिस्सा चीन से स्थानांतरित करना होगा।

63 हजार करोड़ रुपए के राफेल मरीन लड़ाकू विमान खरीदेगा भारत

भारत-फ्रांस विमान सौदे पर आज करेंगे हस्ताक्षर

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत और फ्रांस सोमवार को 63,000 करोड़ रुपए के राफेल मरीन लड़ाकू विमानों के सौदे पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने जानकारी दी कि इस अवसर पर भारतीय रक्षा मंत्रालय के अधिकारी और भारत में फ्रांस के राजदूत दोनों देशों का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारतीय पक्ष से रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह मौजूद रह सकते हैं, जबकि दोनों देशों के रक्षा मंत्री वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में शामिल होंगे। पहले फ्रांस के रक्षा मंत्री के व्यक्तिगत रूप से भारत आने का कार्यक्रम था, लेकिन निजी कारणों से उनकी यात्रा रद्द हो गई है। इसके बावजूद, यह ऐतिहासिक सौदा तय कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को दिल्ली में होगा। हस्ताक्षर समारोह रक्षा मंत्रालय मुख्यालय साउथ ब्लॉक के बाहर आयोजित किया जाएगा। भारत ने इस महीने 9 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक में इस अब तक के सबसे बड़े नौसेना विमान सौदे को मंजूरी दी थी। यह सरकार से सरकार के बीच हुआ सौदा है, जिसमें 22 सिंगल-सीटर और 4 ट्विन-सीटर राफेल मरीन विमान शामिल हैं। साथ ही, पूरे बेड़े के रखरखाव, लॉजिस्टिक सपोर्ट, कर्मचारियों के प्रशिक्षण और स्वदेशी कलपुर्जों के निर्माण का एक व्यापक पैकेज भी इस अनुबंध का हिस्सा है। राफेल मरीन विमानों के आने से भारतीय नौसेना को आईएनएस विक्रांत से संचालन की नई शक्ति मिलेगी और मौजूदा मिग-29के बेड़े को भी सहारा मिलेगा। इससे पहले भारतीय वायुसेना ने 2016 में हुए सौदे के तहत 36 राफेल विमान हासिल किए थे, जो अम्बाला और हासीमारा एयरबेस पर तैनात हैं। नया सौदा पूरा होने के बाद भारत के पास कुल 62 राफेल विमान होंगे, जिससे देश की 4.5 जेनरेशन के फाइटर जेट बेड़े में बड़ी मजबूती आएगी।

आईएनएस विक्रांत पर होगी तैनाती

भारत सरकार की कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने इस सौदे को इस महीने की शुरुआत में मंजूरी दी थी। भारत 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमानों की खरीद कर रहा है, जिनकी तैनाती विशेष रूप से भारतीय नौसेना के विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर की जाएगी। वर्तमान में सेवा में मौजूद मिग-29के लड़ाकू विमानों के रखरखाव से जुड़ी समस्याओं के चलते उनकी प्रदर्शन क्षमता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में राफेल मरीन विमान नौसेना की क्षमताओं को मजबूत करने के लिए तत्काल आवश्यक हैं।

प्रथम पृष्ठ के शेष

अंतरिक्ष क्षेत्र का केंद्र ...

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में हमने दुनिया को प्रदेश की प्रौद्योगिकी क्षमता से रूबरू करवाया था। यह कॉन्क्लेव उसी संकल्प का जीवंत उदाहरण है, जहां हम इरादों को निवेश में और नीतियों को क्रियान्वयन में बदल रहे हैं। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के निवेश इरादों को ठोस निवेश में बदलना, राज्य में तकनीकी विकास के लिए सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना, नए आईटी पार्क,सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस इनक्यूबेटर्स की स्थापना करना है।
डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के बैरसिया क्षेत्र को करीब 1500 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित करने में सफलता मिली है। इंदौर में एग्रीटेक उत्कृष्टता केन्द्र बनेगा। ड्रोन तकनीक सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आयेगा। मुख्यमंत्री ने 19 निवेशकों से वन टू वन बैठक की और उनके सुझाव को सुना तो उन्हें सरकार द्वारा निवेश को लेकर किए गए प्रयासों से अवगत कराया। कॉन्क्लेव में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय,जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट,मुख्य सचिव अनुराग जैन,अपर मुख्य सचिव संजय दुबे सहित अन्य विशिष्ट जन मौजूद रहे।

तीन पदों पर वामपंथी ...

इस तर जेएनयू में कांटे की टक्कर चल रही थी। एबीवीपी ने 42 में से 23 काउंसलर सीटें जीत ली थीं। यह चुनाव 25 अप्रैल को हुआ था, जिसमें 7906 छात्रों में से करीब 70 प्रतिशत ने मतदान किया था। चुनाव समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने बताया कि मतगणना पारदर्शी तरीके से हो रही है और अंतिम परिणाम 28 अप्रैल की सुबह तक आएंगे। उधर, जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष एन साई बालाजी ने कहा कि इस बार चुनाव से पहले एसएफआई और एआईएसए अलग हो गए। साल 2016 से वाम छात्र संगठनों में गठबंधन था और अलग-अलग पदों पर अलग-अलग छात्र संगठनों के उम्मीदवार लड़ते थे। साल 2017 में इस गठबंधन में डीएफएस भी जुड़ गया, जिससे गठबंधन मजबूत हो गया लेकिन इस बार सब अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। इसका फायदा एबीवीपी को मिल सकता है।

मधुमेह-लिवर रोगों ...

भारतीयों के शरीर में चर्बी जमा होने का तरीका थोड़ा अलग है। हमारे लिवर में चुपचाप अधिक चर्बी जमा हो जाती है, जिससे मधुमेह और लिवर दोनों की बीमारी बढ़ती है। इस गाइडलाइन को तैयार करने में एम्स दिल्ली, सर गंगाराम अस्पताल और मेदांता अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टरों ने भी सहयोग किया है। नई गाइडलाइन डॉक्टरों को अब भारतीय मरीजों की खास जरूरतों के अनुसार इलाज करने में मदद करेगी। भारत में अलग-अलग इलाकों में लिवर की इस बीमारी का फैलाव 27 फीसदी से 88 फीसदी तक पाया गया है। हफ्ते में कम से कम 150 मिनट का हल्का-तेज चलना या 75 मिनट का तेज व्यायाम करना चाहिए। शराब को पूरी तरह छोड़ देना चाहिए। अगर लिवर की बीमारी बढ़ रही हो या मधुमेह नियंत्रण में न आ रहा हो, तो विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, तहसील-कोलार, भोपाल

प्र. क्रमांक 1000/ब-121/2024-25

// इश्तहार //

1 मेसर्स विशाल बैक्रेट्स द्वारा इसके भागीदारगण
अ-परमजीत सिंह खनूजा आ. श्री अंगद सिंह खनूजा नि0 73 लाला लाजपत राय सोसायटी, ई-7, अरेरा कॉलोनी भोपाल
ब-आदित्य यादव आ. श्री बी.एस. यादव नि. बी-23, पॉकेट-2, रॉयल विला, होशंगाबाद रोड, भोपाल
2 श्रीमति चित्रा साहनी पत्नी श्री नरेन्द्र साहनी नि. 301 आकृति स्तर प्लेटिनम, आकृति इको सिटी, ई-8 एक्सटेंशन सलैया भोपाल
3 श्रीमति वंदना यादव पत्नी श्री बी.एस. यादव निवासी बी-23 पॉकिट-2, सागर रॉयल विला, बाबडियाकलां होशंगाबाद रोड, भोपाल म.प्र. ...आवेदकगण
विरूद्ध
1 आशीष अग्रवाल आत्मज श्री महेश अग्रवाल आ. श्री शिव मोहन अग्रवाल नि. भोपाल, 2 अमित अग्रवाल, 3 सरदार हरविन्दर सिंह आत्मज सरदार त्रिलोचन सिंह निवासी ई-5/3, अरेरा कॉलोनी भोपाल, 4 ज्ञान गंगा अकेडमी प्रा.लि. द्वारा इसके प्रबंधक श्री व्हीं. के. जैन आत्मज श्री बानुजा जैन नि. भोपाल ...अनावेदकगण
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रकरण में आवेदकगण द्वारा अनावेदकगण के सीमांकन आवेदन पर अधिनस्थ न्यायालय नायब तहसीलदार, वृत्त रतनपुर सडक तहसील कोलार के द्वारा प्रकरण कमांक 0529/अ-12/2022-2023 में दिनांक 05/09/2024 से सीमांकन पुष्टि से व्यथित एवं दुखित होकर आवेदन अंतर्गत धारा 129 (5) (क) (ख) म.प्र.भू.रा.संहिता 1959 प्रस्तुत किया है। प्रकरण मे अनावेदक पक्ष का सही पता नहीं होने से समक्ष तामिल नहीं हो रहा है है जिससे प्रकरण लंबित है।
अतः इस संबंध में अनावेदक/ किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो वह इस इश्तहार के जारी होने से पेशी दिनांक 13/05/2025 को इस न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से जबाब/आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात् आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुविभागीय अधिकारी तहसील कोलार जिला-भोपाल

कार्यालय- प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, भोपाल म.प्र.

// नीलामी विज्ञप्ति //

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, अरेरा हिल्स, भोपाल के अनुपयोगी फर्नीचर एवं अनुपयोगी विद्युत सामग्री का विकय खुली नीलामी द्वारा बोली लगाकर दिनांक 16.05.2025 को सुबह 11:00 बजे से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन परिसर, अरेरा हिल्स, भोपाल में किया जावेगा। निविदा की शर्तों संबंधी निविदा प्रलेख माननीय उच्च न्यायालय म0प्र0 जबलपुर की वेबसाइट www.mphc.gov.in एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, भोपाल की वेबसाईट https://bhopal.dcourts.gov.in पर उपलब्ध है।

जी-12034/25

वास्ते-प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश भोपाल म.प्र.

कार्यालय थाना प्रभारी थाना कोहेफिजा भोपाल

क्रमांक/थाप्र/कोहे/डी-19/25 दिनांक 25.04.25

जाहिर सूचना

सूचित किया जाता है कि थाना कोहेफिजा भोपाल के गुम इंसान क्रमाँक 19/25 की गुमशुदा मुनिया बाई नायक पत्नी गोपीलाल उम्र 45 वर्ष निवासी मारूक मेंशन व्ही. आई. पी. रोड थाना कोहेफिजा भोपाल की तलाश हेतू जाहिर सूचना का समाचार पत्रो मे प्रकाशन किया जाना है। जिसका-हुलिया - हुलिया - गोरा चेहरा गोल कद 5 फिट 3 इंच करीबन बदन - दुबला पतला पहनावा - गुमशुदा के दाहिने हाथ पर गोदना बना हुआ है। जो काले रंग की साडी पहने है अन्य पहचान व किसी प्रकार का गुदना चिन्ह, तिल दाहिने हाथ पर गोदना बना हुआ है । जिसका फोटो उपरोक्तानुसार है। यदि गुमशुदा मुनिया बाई नायक के संबंध में किसी को कोई जानकारी हो तो थाना कोहेफिजा में आकर संपर्क करें अथवा थाना शाह.बाद मो.न. 9479990687 को पर तत्काल संपर्क करें।

जी- 12085/25

थाना प्रभारी थाना कोहेफिजा भोपाल

आम सूचना

भूखण्ड, खसरा कं.-4/1/1, ग्राम अरवलिया, तहसील हुजूर, जिला भोपाल के संबंध में :-

सर्व साधारण को यह सूचित किया जाता है कि मोहम्मद सरवर पुत्र श्री मोहम्मद अच्छे, निवासी-बैरसिया रोड, भोपाल के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक किता भूखण्ड जो कि खसरा क्रं .-4/1/1 का अंश भाग होकर ग्राम अरवलिया, प.ह.नं.-16, तहसील हुजूर, जिला भोपाल नगर निगम सीमाओं के बाहर स्थित हैं, जिसका कुल क्षेत्रफल 1200 वर्गफिट अर्थात् 111.52 वर्गमीटर हैं, उक्त भूखण्ड को क्रय करने हेतु मेरे पक्षकार नें बयाना राशि अदा कर सौदा पक्का किया है, उक्त संपत्ति पर यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, सोसायटी, समिति, बैंक, वित्तीय संस्थान, शासकीय/अशासकीय विभाग का हित व अधिकार, गिरवी या बंधक होतो वह इस प्रकाशन से 07 दिवस के भीतर मेरे नीचे उल्लेखित पते पर अपनी आपत्ति दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ स्वंय या अपने अभिभाषक के साथ प्रस्तुत करें अन्यथा मेरा पक्षकार उपरोक्त संपत्ति का पंजीयन अपने पक्ष में करवाने हेतु स्वतंत्र रहेगा व समयावधि पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी, इति।

सुनील कुमार जैन (अधिवक्ता)
कार्यालय- "आर. के. जैन लॉ चेम्बर"
67, आदर्श हास्पटिल के पास, थाना रोड, शाहजहानाबाद, भोपाल-462001 (म.प्र.) मो.नं. 9827016994

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, तहसील-कोलार, भोपाल

प्र. क्रमांक 0999/ब-121/2024-25

// इश्तहार //

1 मेसर्स विशाल बैक्रेट्स द्वारा इसके भागीदारगण
अ-परमजीत सिंह खनूजा आ. श्री अंगद सिंह खनूजा नि0 73 लाला लाजपत राय सोसायटी, ई-7, अरेरा कॉलोनी भोपाल
ब-आदित्य यादव आ. श्री बी.एस. यादव नि. बी-23, पॉकेट-2, रॉयल विला, होशंगाबाद रोड, भोपाल
2 श्रीमति चित्रा साहनी पत्नी श्री नरेन्द्र साहनी नि. 301 आकृति स्तर प्लेटिनम, आकृति इको सिटी, ई-8 एक्सटेंशन सलैया भोपाल
3 श्रीमति वंदना यादव पत्नी श्री बी.एस. यादव निवासी बी-23 पॉकिट-2, सागर रॉयल विला, बाबडियाकलां होशंगाबाद रोड, भोपाल म.प्र. ...आवेदकगण
विरूद्ध
1. योगी अग्रवाल आत्मज श्री सुभाष अग्रवाल
2 सुभाष अग्रवाल आत्मज श्री फूलचंद अग्रवाल दोनों निवासी ग्राम रतनपुर सडक तहसील कोलार भोपाल
3 मेसर्स डिलाईट कॉलोनी एण्ड कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा इसके भागीदार श्री नेमीचंद्र आत्मज श्री राजमलदास निवासी भोपाल म.प्र. ...अनावेदकगण
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रकरण में आवेदकगण द्वारा अनावेदकगण के सीमांकन आवेदन पर अधिनस्थ न्यायालय नायब तहसीलदार, वृत्त रतनपुर सडक तहसील कोलार के द्वारा प्रकरण कमांक 0387/अ-12/2023-2024 में दिनांक 05/09/2024 से सीमांकन पुष्टि से व्यथित एवं दुखित होकर आवेदन अंतर्गत धारा 129 (5) (क) (ख) म.प्र.भू.रा. सँहिता 1959 प्रस्तुत किया है। प्रकरण मे अनावेदक पक्ष का सही पता नहीं होने से समक्ष तामिल नहीं हो रहा है है जिससे प्रकरण लंबित है।
अतः इस संबंध में अनावेदक/ किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो वह इस इश्तहार के जारी होने से पेशी दिनांक 13/05/2025 को इस न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से जबाब /आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात् आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुविभागीय अधिकारी तहसील कोलार जिला-भोपाल

कार्यालय नगर परिषद पलेरा जिला टीकमगढ़ (म0प्र0)

क्र/लो0नि0वि0/निविदा/2025/455 पलेरा दिनांक 25/04/2025

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीय ई-रजिस्ट्रेशन प्रणाली से पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण विभाग की वेवसाइड www.mpetender.gov.in पर देखा जा सकता है। कार्यों का विवरण निम्नानुसार है-

क्र	टेंडर नं.	कार्य का नाम एवं विवरण	प्राकलन लागत (रूपयें में)	अमानत राशि (रूपयें में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपयें में)	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा आमंत्रण सूचना	ठेकेदार की श्रेणी
1.	2025_UAD_419358_1	नगरीय क्षेत्रान्तर्गत पलेरा में सौन्दर्यीकरण हेतु 03 नग फाउण्टेन लगाये जाने हेतु।	1207944	9100	2000	01 माह	—"—	—"—
2.	2025_UAD_419362_1	ट्रेंचिंग ग्राउण्ड हेतु नवीन ट्रांसफार्मर सहित विधुत सप्लायी लाईन एवं विधुत कनेक्शन कराये जाने हेतु।	784627	7900	2000			

1. इच्छुक एवं पात्र निविदादाता विस्तृत निविदा एवं अन्य समस्त जानकारी वेबसाईड www.mptenders.gov.in विभाग का नाम नगरीय प्रशासन एवं विकास भोपाल पर देखी जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्र दिनांक 28/04/2025 को प्रातः 10:30 बजे से दिनांक 28/05/2025 को सायं 05:30 बजे तक वेवसाइड पर ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त कर सकेगें।
3. निविदा की ऑनलाईन विड दिनांक 28/05/2025 को सायं 05:30 बजे तक जमा की जावेगी।
4. निविदाकारों द्वारा प्रस्तुत ऑनलाईन निवदाओं को दिनांक 30/05/2025 को सुबह 11:00 बजे खोला जावेगा।
5. निविदा में यदि कोई भी संशोधन किया जाता है, तो ऑनलाईन किया जावेगा, समाचार पत्र में नहीं।
6. कार्य से संबंधित जानकारी एवं शर्तें कार्यालीन समय में कार्यालय के लोक निर्माण शाखा में देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद पलेरा

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
बेंगलुरु	10	07	03	14	0.521
गुजरात	08	06	02	12	1.104
मुंबई	10	06	04	12	0.119
दिल्ली	09	06	03	12	0.482
पंजाब	09	05	03	11	0.177
लखनऊ	10	05	05	10	-0.325
कोलकाता	09	03	05	07	0.212
हैदराबाद	09	03	06	06	-1.103
राजस्थान	09	02	07	04	-0.625
चेन्नई	09	02	07	04	-1.302

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

विराट कोहली (बेंगलुरु)	443
सूर्यकुमार यादव(मुंबई)	427
साई सुदर्शन (गुजरात)	417
निकोलस (लखनऊ)	404

पर्पल कैप (गेंदबाज)

जोश हेजलवुड (बेंगलुरु)	17
प्रसिद्ध कृष्णा (गुजरात)	16
नूर अहमद (चेन्नई)	14
ट्रेंट वोल्ट (मुंबई)	13

बाउंड्री मीटर

762 छक्के
1376 चौके
90 अर्धशतक

मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार ने आईपीएल में 4,000 रन भी पूरे किए। उन्होंने यह उपलब्धि महज 2714 गेंदों पर हासिल की। सूर्यकुमार ओवरऑल तीसरे स्थान पर हैं, जिसने सबसे तेजी से आईपीएल में 4000 रन पूरे किए हैं।

मैच-45 : मुंबई ने लखनऊ को 54 रन से हराकर दर्ज की लगातार 5वीं जीत, तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंची

मुंबई इंडियंस की 150वीं जीत

174 विकेट जसप्रीत बुमराह ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए हासिल किए। मुंबई इंडियंस के लिए सर्वाधिक विकेट लेने के मामले में उन्होंने लसिथ मलिंगा (170) को पीछे छोड़ दिया है।

आईपीएल में मुंबई के लिए सबसे ज्यादा विकेट

खिलाड़ी	मैच	विकेट
बुमराह	139	174
मलिंगा	122	170
हरभजन	136	127
मैक्लेनघन	56	71

जेएनएन, मुंबई

मुंबई इंडियंस ने रविवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स को 54 रन से हराकर तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया। मुंबई की इस सीजन लगातार पांचवी जीत थी, साथ ही आईपीएल में यह उनकी 150वीं जीत है। मुंबई पहली ऐसी टीम है, जिसमें आईपीएल में इस आंकड़े को छुआ है। हमेशा की तरह धीमी शुरुआत के बाद लय पकड़ने वाली मुंबई 10 मैच में 12 अंक लेकर गुजरात (आठ मैच में 12 अंक) से नीचे बनी हुई है। लखनऊ 10 अंक से छठे स्थान पर है। मुंबई ने लीग मैच में पहली दफा लखनऊ को हराया है। सूर्यकुमार यादव (54) ने अपने तीसरे अर्धशतक के साथ 400 रन का आंकड़ा पार किया। रिकलटन (58) ने 25 गेंद में आईपीएल में अपना दूसरा अर्धशतक जड़ा। रिकलटन ने विल जैक्स (29 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 55 रन की भागीदारी निभाई, जिससे मुंबई ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सात विकेट पर 215 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में लखनऊ जसप्रीत बुमराह (चार विकेट), ट्रेंट बोल्ट (तीन विकेट) और विल जैक्स (दो विकेट) के झटकों से 20 ओवर में 161 रन पर आउट हो गई।

■ यह पांचवीं बार है, जब मुंबई ने किसी सीजन लगातार पांच मैच जीते हैं। आईपीएल में 271 मैचों में मुंबई को 150वीं जीत मिली। दूसरे स्थान पर सीएसके है, जिन्होंने इस टूर्नामेंट में 248 मैचों में से 140 जीते हैं। यह सात प्रयास में पहली बार है, जब मुंबई ने ग्रुप चरण में लखनऊ को हराया है।

■ रोहित शर्मा (122) टी-20 में एक मैदान पर सर्वाधिक छक्के लगाने वाले 5वें बल्लेबाज बन गए। मुंबई में रोहित के 122 छक्के हो गए। रोहित ने एबी डिविलियर्स (बेंगलुरु 120 छक्के) को पीछे छोड़ दिया। रिकॉर्ड क्रिस गेल (151 छक्के, बेंगलुरु) के नाम है।

स्कोर बोर्ड

मुंबई इंडियंस : 215/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
रिकलटन का. बदोनी बो. राठी	58	32	6	4
रोहित का. प्रिंस बो. मयंक	12	5	0	2
विल जैक्स का. प्रिंस	29	21	3	1
सूर्यकुमार का. मार्श बो. आवेश	54	28	4	4
तिलक का. प्रिंस बो. बिश्नोई	6	5	1	0
हार्दिक यादव बो. यादव	5	7	0	0
नमन धीर नाबाद	25	11	2	2
कॉर्बिन का. पूरन बो. आवेश	20	10	2	1
दीपक चाहर नाबाद	1	1	0	0

अतिरिक्त : 5, **कुल :** 20 ओवर में सात विकेट पर 215 रन, **विकेट पतन :** 1-33, 2-88, 3-116, 4-137, 5-157, 6-180, 7-208, **गेंदबाजी :** मयंक यादव 4-0-40-2, प्रिंस यादव 4-0-44-1, दिग्वेश राठी 4-0-48-1, रवि बिश्नोई 4-0-41-1, आवेश खान 4-0-42-2.

लखनऊ सुपर जाएंट्स : 161/10 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
मार्श का. तिलक बो. बोल्ट	34	24	3	2
मार्कराम का. धीर बो. बुमराह	9	11	2	0
पूरन का. सूर्यकुमार बो. जैक्स	27	15	1	3
पंत का. कर्ण बो. जैक्स	4	2	1	0
बदोनी का. जैक्स बो. बोल्ट	35	22	2	2
मिलर का. कॉर्बिन बो. बुमराह	2	4	0	0
अब्दुल समद बो. बुमराह	2	4	0	0
रवि बिश्नाई बो. कॉर्बिन	13	14	0	2
आवेश खान बो. बुमराह	0	1	0	0
प्रिंस यादव नाबाद	4	9	0	0
दिग्वेश राठी बो. बोल्ट	1	3	0	0

अतिरिक्त : 8, **कुल :** 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 161 रन, **विकेट पतन :** 1-18, 2-60, 3-64, 4-110, 5-135, 6-141, 7-142, 8-142, 9-157, 10-161, **गेंदबाजी :** बोल्ट 4-0-20-3, दीपक चाहर 3-0-38-0, बुमराह 4-0-22-4, विल जैक्स 2-0-18-2, कर्ण शर्मा 2-0-25-0, हार्दिक 1-0-10-0, बोश 4-0-26-1.

आरसीबी होम ग्रांउड से बाहर लगातार छह मैच जीतने वाली पहली टीम बनीं

मैच-46: क्रुणाल-विराट के अर्धशतक से बेंगलुरु ने दिल्ली को छह विकेट से हराया

नई दिल्ली, जेएनएन। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीएल के 46वें मैच में रविवार को दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर अंकतालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई। जीत के लिए 163 रन के लक्ष्य के जवाब में आरसीबी ने एक समय 26 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद 18.3 ओवर में चार विकेट पर 165 रन बनाए। आरसीबी अपने मैदान से बाहर लगातार छह मैच जीतने वाली आईपीएल के इतिहास में पहली टीम बन गई। खचाखच भरे अरुण जेटली स्टेडियम पर 'कोहली कोहली' के शोर के बीच विराट कोहली ने पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाते हुए 51 और क्रुणाल ने नाबाद 73 रन बनाए। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिये 84 गेंद में 119 रन की साझेदारी हुई। दिल्ली के गेंदबाज कुछ खास नहीं कर सके और खराब फील्डिंग तथा कैच टपकाने का भी उसे खामियाजा भुगतना पड़ा। आरसीबी को आखिरी दो ओवर में 17 रन चाहिए थे और ऐसे में मिचेल स्टार्क की जगह मुकेश कुमार से 19वां ओवर कराना भी हैरानी भरा रहा। टिम डेविड ने तीन गेंदों पर ही खेल समाप्त कर दिया। इस जीत के बाद आरसीबी 10 मैचों में 14 अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गई है, जबकि दिल्ली नौ मैचों में 12 अंक के साथ चौथे स्थान पर है।

प्लेयर ऑफ द मैच क्रुणाल पंड्या नाबाद 73 रन और एक विकेट

■ विराट कोहली सबसे ज्यादा रनआउट करने के मामले में रवींद्र जडेजा के बराबर पहुंच गए। कोहली ने 24 बार बल्लेबाजों को रनआउट किया है। इतनी ही बार जडेजा ने रनआउट किए हैं। दूसरे नंबर पर सुरेश रैना है, जिन्होंने 15 खिलाड़ियों को रनआउट किया।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स : 162/8 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
पोरेल का. जितेश बो. हेजलवुड	28	11	2	2
डुप्लेसी का. कोहली बो. क्रुणाल	22	26	2	0
नायर का. भुवनेश्वर बो. यश	4	4	1	0
राहुल का. बेथेल बो. भुवनेश्वर	41	39	3	0
अक्षर पटेल बो. हेजलवुड	15	13	1	1
स्टब्स का. हेजलवुड बो. भुवनेश्वर	34	18	5	1
आशुतोष बो. भुवनेश्वर	2	3	0	0
विप्रज निगम रनआउट	12	6	0	1
मिचेल स्टार्क नाबाद	0	0	0	0
दुश्मांता चमीरा नाबाद	0	1	0	0

अतिरिक्त : 4, **कुल :** 20 ओवर में आठ विकेट पर 162 रन, **विकेट पतन :** 1-33, 2-44, 3-72, 4-102, 5-118, 6-120, 7-158, 8-162, **गेंदबाजी :** भुवनेश्वर 4-0-33-3, यश दयाल 4-0-42-1, हेजलवुड 4-0-36-2, सुयश शर्मा 4-0-22-0, क्रुणाल 4-0-28-1.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : 165/4 (18.3 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
बेथेल का. करूण बो. अक्षर	12	6	1	1
कोहली का. स्टार्क बो. चमीरा	51	47	4	0
पडिक्कल बो. अक्षर	0	2	0	0
रजत पाटीदार रनआउट	6	6	1	0
कुणाल पंड्या नाबाद	73	47	5	4
टिम डेविड नाबाद	19	5	3	1

अतिरिक्त : 4, **कुल :** 18.3 ओवर में चार विकेट पर 165 रन, **विकेट पतन :** 1-20, 2-20, 3-26, 4-145, **गेंदबाजी :** अक्षर पटेल 4-0-19-2, स्टार्क 3-0-31-0, मुकेश कुमार 3.3-0-51-0, विप्रज निगम 1-0-12-0, कुलदीप यादव 4-0-28-0, दुश्मांता चमीरा 3-0-24-1.

हार से जूझ रही राजस्थान का सामना जोश से भरी गुजरात से

जयपुर, जेएनएन। आईपीएल 2025 में लगातार पांच मुकाबले हार चुकी राजस्थान रॉयल्स का सामना सोमवार को गुजरात टाइटंस से जयपुर में होगा। शानदार फॉर्म में चल रही गुजरात की टीम आठ मैचों में छह जीत और बेहतर नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर है, वहीं पिछले साल क्वालिफायर तक पहुंची राजस्थान की टीम नौ मैचों में सिर्फ दो जीत के साथ अंक तालिका के दूसरे हिस्से में संघर्ष कर रही है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए सात मुकाबलों में भी गुजरात का पलड़ा भारी है और राजस्थान ने इसमें से सिर्फ एक मैच जीता है। जयपुर में हुए दोनों टीमों के बीच दो मुकाबलों में तो गुजरात ने ही दोनों मैचों मे बाजी मारी है। कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात लगातार अच्छा कर रही है। अब तो

उनके अहम बल्लेबाज जॉस बटलर भी फॉर्म में लौट आए हैं। उनके शीर्ष तीन बल्लेबाज राजस्थान की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। दूसरी ओर राजस्थान के लिए आगे का सफर मुश्किल हो चला है। टीम नौ मैचों में केवल दो ही मैच जीत पाई है और अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। टीम के लिए इस सीजन कुछ भी सही नहीं जा रहा है। कप्तान संजू सैमसन पिछला मैच भी नहीं खेले थे और उम्मीद है कि शायद वह यह मैच भी नहीं खेलेंगे।

भारत ने पहले वनडे में श्रीलंका को नौ विकेट से हराया

कोलंबो, जेएनएन। भारतीय महिला टीम ने रविवार को त्रिकोणीय सीरीज के वर्षा बाधित पहले वनडे मैच में श्रीलंका को नौ विकेट से हराकर शानदार शुरुआत की। बारिश के कारण मैच शुरू होने में तीन का घंटे का विलंब हुआ और इसे 39 ओवर का कर दिया गया। भारत ने श्रीलंका की पारी को 38.1 ओवर में 147 रन पर समेट दिया। हंसिनी परेरा ने 30, कविशा दिलहारी ने 25 और अनुष्का संजीवनी ने 22 रन की पारी खेली। ऑफ स्पिनर स्नेह राणा और बाएं हाथ के स्पिनर श्री चरणी ने आठ-आठ ओवर के अपने कोटे को पूरा करते हुए क्रमशः 31 रन पर तीन और 26 रन पर दो विकेट चटकाए। अनुभवी ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा ने भी 5.1 ओवर में 22 रन देकर दो विकेट चटकाए। भारत ने 29.4 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर आसानी से इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। अनुभवी स्मृति मंधाना (43) ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई जिसके बाद प्रतिका रावल (नाबाद 50) और हरलीन देओल (नाबाद 48) ने 95 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। भारत का अगला मुकाबला 29 अप्रैल को दक्षिण अफ्रीका से होगा।

खेल एक नजर

इस्लामाबाद में होने वाले एशियाई वॉलीबॉल टूर्नामेंट से हटा भारत

लाहौर, जेएनएन। पाकिस्तान वॉलीबॉल महासंघ (पीवीएफ) ने रविवार को कहा कि भारत ने अगले महीने इस्लामाबाद में होने वाले मध्य एशियाई वॉलीबॉल प्रतियोगिता से अपना दल हटा लिया है। पीवीएफ के अधिकारी अब्दुल अहद ने कहा कि भारत ने 28 मई से जिन्ना परिसर में शुरू होने वाली चैंपियनशिप के लिए 22 खिलाड़ियों सहित 30 सदस्यीय टीम भेजने की पुष्टि की थी। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे, जिससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ गया है। अहद ने कहा, भारतीय वॉलीबॉल अधिकारियों ने क्षेत्रीय संस्था को सूचित किया है कि उनकी सरकार ने पहलगाम में हुई घटना के बाद टूर्नामेंट के लिए उन्हें जारी किए गए एनओसी (अनापत्ति पत्र) को रद्द कर दिया है। उन्होंने कहा, यह जानकर निराशा हुई कि भारत ने चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है और उनकी जगह अफगानिस्तान या श्रीलंका की टीम लेगी। इस प्रतियोगिता में ईरान, तुर्कमेनिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान की टीमें हिस्सा लेंगी।

सुदीरमन कप : भारत पहले मुकाबले में डेनमार्क से हारा

शियामेन (चीन), जेएनएन। पीवी सिंधू और एचएस प्रणय जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की हार के झटके से उबरने में नाकाम रही भारतीय टीम को बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप फाइनल्स में ग्रुप डी के अपने पहले मैच में रविवार को डेनमार्क के खिलाफ 1-4 से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। इंडोनेशिया और इंग्लैंड के साथ एक कठिन ग्रुप में रखे गए भारत को अपनी क्वालिफिकेशन उम्मीदों को जीवित रखने के लिए मजबूत शुरुआत की जरूरत थी, लेकिन टीम ऐसा करने में विफल रही। डेनमार्क ने पांच मैचों के मुकाबले के पहले तीन मैच जीतकर 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। भारत की सबसे बड़ी उम्मीद प्रणय और सिंधू अपने-अपने मैच सीधे गेमों में हार गए। तनिषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी ने भारतीय अभियान की शुरुआत की, लेकिनजेस्पर टोफ्ट और अमाली मैगेलुंड की दुनिया की सातवें नंबर की जोड़ी से 13-21, 14-21 से हार गई। प्रणय इसके बाद दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसेन को कड़ी टक्कर नहीं दे सके। उन्हें सीधे गेम में 15-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

एएफसी चैम्पियंसः रोनाल्डो की अल नसर ने मैरिनोस को हराया

जेद्दा (सऊदी अरब), जेएनएन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अगुआई में सऊदी अरब की टीम अल-नसर ने एएफसी चैंपियंस लीग एलीट के क्वार्टर फाइनल में जापान के योकोहामा एफ. मैरिनोस को 4-1 से शिकस्त दी। 40 साल के रोनाल्डो ने मैच के 38वें मिनट में टूर्नामेंट का अपना आठवां गोल किया। मौजूदा सत्र में यह उनका 33वां गोल है। इससे पहले एस्टन विला से 100 मिलियन डॉलर से अधिक में इस साल जनवरी में अनुबंधित हुए जॉन डुरान ने 27वें मिनट में गोल कर अल-नसर का खाता खोला, जबकि सादियो माने ने इसके चार मिनट के बाद टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। डूरान ने दूसरे हाफ (49वां मिनट) में अपना दूसरा गोल कर टीम को 4-0 की बढ़त दिला दी। एंडरसन लोपेस ने पांच बार की चैंपियन जापान की टीम के लिए सांत्वना गोल किया। बुधवार को खेले जाने वाले सेमीफाइनल में अल-नसर का मुकाबला कतर के अल-साद और जापान के कावासाकी फ्रेटेल के बीच खेले जाने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

बार्सिलोना ने रिकॉर्ड 32वां कोपा डेल रे खिताब जीता

सेविले, जेएनएन। जूल्स कौंडे के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से बार्सिलोना ने कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के रोमांचक फाइनल में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रियाल मैड्रिड को 3-2 से हराकर इस सत्र में तिहरा खिताब जीतने की तरफ कदम बढ़ाए। राइट बैक कौंडे ने लुका मोड्रिक के पास पर 116वें मिनट में यह गोल किया, जिससे बार्सिलोना रिकॉर्ड 32वां कोपा डेल रे खिताब जीतने में सफल रहा। बार्सिलोना इसके अलावा चैंपियंस लीग और स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा का खिताब जीतने की दौड़ में भी बना हुआ है। बार्सिलोना चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल के पहले चरण में बुधवार को इंटर मिलान का सामना करेगा। वह ला लिगा में भी रियाल मैड्रिड से चार अंक आगे शीर्ष पर काबिज है। पेड्रि गोंजालेज ने ला कार्टुजा स्टेडियम में 28वें मिनट में बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। रियाल मैड्रिड ने दूसरे हाफ में दो गोल करके बढ़त हासिल की। किलियन एमबापे ने 70वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद खेल के 77वें मिनट में मिडफील्डर ऑरेलियन टचौमेनी के हेडर से गोल करके स्कोर 2-1 से रियाल मैड्रिड के पक्ष में कर दिया। बार्सिलोना की तरफ से फेरान टोरेस ने 84वें मिनट में बराबरी का गोल करके मैच को अतिरिक्त समय तक खींच दिया।

■ बार्सिलोना ने इस सत्र में रियाल मैड्रिड के खिलाफ जो तीन मैच खेले हैं, उन सभी में उसे जीत मिली। उसने पिछले साल अक्टूबर में ला लिगा के मैच में रियाल मैड्रिड को 4-0 से हराया था। इसके बाद उसने जनवरी में स्पेनिश सुपर कप फाइनल में 5-2 से जीत हासिल की थी।

क्रिस्टल पैलेस तीसरी बार एफए कप के फाइनल में

लंदन, जेएनएन। क्रिस्टल पैलेस ने इस्माइला सा के दो गोल की मदद से वेम्बली स्टेडियम में एस्टन विला को 3-0 से हराकर तीसरी बार एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। क्रिस्टल पैलेस इससे पहले 1990 और 2016 में इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा था, लेकिन दोनों अवसरों पर उसे मैनचेस्टर युनाइटेड ने हरा दिया था। इस्माइला सा की मदद से खेल के 31वें मिनट में एबेरेची एजे ने गोल करके क्रिस्टल पैलेस से को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद उन्होंने 58वें और फिर स्टॉपेज टाइम के चौथे मिनट में गोल करके अपनी टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की। क्रिस्टल पैलेस 17 मई को होने वाले फाइनल में मैनचेस्टर सिटी या नॉटिंघम फॉरेस्ट से भिड़ेगा।

टी-20: डीआरपी एकादश और हमीदिया स्पोर्ट्स की टीम जीती

भोपाल, खेप्र। डीआरपी एकादश और हमीदिया स्पोर्ट्स ने द्वितीय वैभव चांदेकर स्मृति विभागीय नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में अपने-अपने मुकाबले में जीत दर्ज की। नेहरू नगर पुलिस लाइन मैदान पर डीआरपी एकादश ने पहले खेलते हुए निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 160 रन बनाए। मुर्तजा अली ने नाबाद 45, जबकि कप्तान नितेश वैकर और शलभ श्रीवास्तव ने एकसमान 28-28 रन बनाए। आईईसीसी के आदित्य सिंह और दीपेश पाल ने 3-3 विकेट झटके। जवाब में आईईसीसी की टीम 9 विकेट खोकर 128 रन ही बना सकी। अथर्व खांडेलवाल ने 34 और सोहेल चाउस ने नाबाद 27 रन बनाए। शलभ ने 3 विकेट झटके। कॉर्पोरेट वर्ग में हमीदिया स्पोर्ट्स ने विधि सेतु को 4 विकेट से हराया। विधि सेतु 18.2 ओवर में 145 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम के हेमंत शाक्य ने 49 और शंटी दुबे ने 32 रन बनाए। हमीदियाके सबिर ने 3, जबकि यासिर खान और विजय सिंह ठाकुर ने 2-2 लिए। जवाब में हमीदिया स्पोर्ट्स ने 17.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। दिवांशु यादव ने 46 और राशिद अंसारी ने 41 रन बनाए। विधि सेतु के विजय सिंह ठाकुर ने 2 विकेट हासिल किए। शलभ श्रीवास्तव और दिवांशु को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मप्र के खिलाड़ियों ने चौथे दिन जीते 12 स्वर्ण

भोपाल। मेजबान मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने 35वीं राष्ट्रीय जूनियर व सब जूनियर कैनो स्प्रिंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे दिन आठ स्वर्ण, तीन रजत व तीन कांस्य सहित 12 पदक जीते। वहीं केरल और ओडिशा ने दो-दो स्वर्ण पदक जीते है। मप्र पदक तालिका में शीर्ष पर मौजूद है। मप्र के खिलाड़ियों ने 18वीं राष्ट्रीय पैरा कैनो में चार स्वर्ण, तीन रजत व दो कांस्य सहित नौ पदक जीते है। छोटी झील पर खेली जा रही चैंपियनशिप में 200 मी. सब जूनियर बालक वर्ग के-2 में मप्र के वांगथोई व येभाबा की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता। के-4 में मप्र के इशान, वांगथोई, देवजीत व येभाबा की चौकड़ी और सी-1 बालक वर्ग में मप्र के सुधीर कुमार ने स्वर्ण पदक जीता। सब जूनियर बालिका वर्ग में मप्र की भाग्यश्री व निहारिका सिंह की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीते, के-4 में मानवी, भाग्श्री, स्नेहा व नीलू ने की चौकड़ी ने रजत पदक जीता। वहीं 5000 मी. में मप्र के आदित्य ने स्वर्ण, महिला वर्ग में रूकमणी ने स्वर्ण, कृष्णा ने रजत पदक जीते। मिक्स्ड में मासूमा व प्रिंस ने जोडी ने स्वर्ण तथा रोहन व चंद्रकला की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीते।

पैरा खिलाड़ी पूजा, प्राची, मनीष और संजीव को गोल्ड

पैरा खिलाड़ी पूजा ओझा ने वीएल 1 इवेंट में स्वर्ण पदक जीता। वहीं पैरा ओलिंपियन प्राची यादव ने वीएल-2 इवेंट में मप्र को स्वर्ण पदक दिलाया। संजीव कोटिया ने पुरुष वर्ग के केएल-2 में स्वर्ण पदक जीता। मनीष कौरव ने केएल-3 में स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा की संगीता राजपूत ने वीएल-3 इवेंट में स्वर्ण पदक जीता।

कश्मीर में कत्लेआम पहलगाम हमले के बाद सेना सक्रिय, अरब सागर में जंगी जहाजों से किया कई मिसाइलों का टेस्ट, पंजाब-हिमाचल में बांधों की सुरक्षा बढ़ाई

रक्षा मंत्री से मिले सीडीएस, नौसेना ने दिखाई मारक क्षमता

नई दिल्ली, जेएनएन। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीच, भारतीय सेना ने सुरक्षा तैयारियों को तेज कर दिया है। मिसाइल परीक्षण के जरिये भारत ने अपनी ताकत दिखाई तो रणनीतिक चर्चाओं का भी दौर जारी रहा। इस बीच, रविवार को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पहुंचकर उन्हें ताजा हालात और सेना के निर्णयों की जानकारी दी।

सीडीएस, रक्षा मंत्री के प्रमुख सैन्य सलाहकार होते हैं और तीनों सेनाओं से जुड़े सभी मामलों में सलाह देते हैं। जनरल चौहान ने पहलगाम हमले के बाद उठाए गए कदमों और भविष्य की रणनीतियों को लेकर विस्तृत ब्रीफिंग दी।

इसी बीच, नियंत्रण रेखा पर भी स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। सेना के सूत्रों के मुताबिक, 26-27 अप्रैल की रात पाकिस्तान की सेना ने टुटमारी गली और रामपुर सेक्टर के पास बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की। भारतीय सैनिकों ने भी प्रभावी जवाबी कार्रवाई की। एलओसी पर पिस्तौल, कार्बाइन, राइफल, हल्की मशीन गन (एलएमजी), मध्यम मशीन गन (एमएमजी) और रॉकेट लॉन्चर जैसे हथियारों का उपयोग किया गया।

इधर, भारतीय नौसेना ने भी अपनी युद्ध क्षमता का प्रदर्शन किया है। नौसेना के युद्धपोतों ने लंबी दूरी तक सटीक मारक क्षमता वाले मिसाइल परीक्षणों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। नौसेना ने कहा, 'भारतीय नौसेना राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा के लिए कभी भी, कहीं भी, किसी भी हाल में तैयार है।' देश की सुरक्षा एजेंसियों ने साफ कर दिया है कि भारत अपनी रक्षा तैयारियों में किसी भी स्तर पर कोई ढिलाई नहीं बरतेगा।

तनाव के मद्देनजर, भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने के बाद पंजाब हिमाचल में सिंधु बेसिन क्षेत्र में प्रमुख बांधों और मुख्य परियोजनाओं पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। खुफिया एजेंसियों ने भाखड़ा, पोंग बांधों तथा पंजाब सिंचाई विभाग द्वारा प्रबंधित रंजीत सागर बांध परियोजना और दोनों राज्यों में कई प्रमुख कार्यों के लिए सुरक्षा खतरों को चिह्नित किया है।

डर को दरकिनार कर पहलगाम में लौटी उम्मीद

पहलगाम, जेएनएन। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद अब घाटी में जिजीविषा और उम्मीद की नई लहर आई है। रोजाना 5,000 से 7,000 सैलानी इस खूबसूरत कस्बे में उमड़ते थे, हमले के बाद यह संख्या घटकर 50 से 100 तक रह गई थी। लेकिन रविवार को पहलगाम की सड़कों पर उम्मीद भरी दोपहर देखने को मिली। यहां विदेशी और घरेलू पर्यटक बेखौफ घूमते नजर आए। उनकी मौजूदगी ने न केवल घाटी में फिर से जीवन का संचार किया, बल्कि स्थानीय लोगों के चेहरों पर भी एक नई मुस्कान बिखेर दी। पर्यटकों का लौटना इस बात का प्रतीक है कि डर की दीवारें कितनी भी ऊंची हों, उम्मीद और विश्वास की किरणें उन्हें पार कर लेती हैं। पहलगाम फिर से उसी रंगत में लौट रहा है, जहां कुदरत की खूबसूरती और इंसानी हौसला मिलकर नई कहानी लिखते हैं।

टोरंटो में आतंक के खिलाफ एकजुटता

टोरंटो। हिंदू फोरम कनाडा, कोहना और अन्य हिंदू कनाडाई संगठनों ने टोरंटो में विशाल कैंडललाइट मार्च और रैली का आयोजन किया। इसमें 500 से अधिक कनाडाई हिंदू, यहूदी, बलूच और ईरानी समुदाय के लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे लगाते हुए मार्च निकाला और एकजुटता दिखाई। सभी समुदायों के नेताओं ने कनाडाई सरकार से पाक को आतंकी देश घोषित करने की मांग की।

मेडिकल वीजा वालों को कल तक मोहलत: भारत ने पाकिस्तानियों को अपने देश लौटने के लिए 27 अप्रैल तक की समय सीमा निर्धारित की थी। हालांकि अब केंद्र सरकार ने मेडिकल वीजा पर आए पाकिस्तानी नागरिकों को 29 अप्रैल तक का समय दिया है।

3 साल जेल या 3 लाख जुर्माना: कोई पाकिस्तानी नागरिक तय तारीख तक भारत नहीं छोड़ता तो उसे 3 साल की जेल या 3 लाख जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। सार्क वीजा के लिए भारत छोड़ने की डेडलाइन 27 अप्रैल थी।

दो संदिग्ध पब्लिक सेफ्टी एक्ट में गिरफ्तार: बडगाम में पुलिस ने आतंकियों से जुड़े दो संदिग्ध ओवरग्राउंड वर्कर्स को पब्लिक सेफ्टी एक्ट के तहत हिरासत में लिया है। जांच में सामने आया कि ताहिर अहमद कुमार और शबीर अहमद गनई आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट देते थे। ये स्थानीय युवाओं को आतंकवादी संगठनों में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहे थे।

पाकिस्तान के मंत्री बोले- भारत 130 परमाणु मिसाइलों के निशाने पर

तनाव के बीच पाकिस्तानी रेल मंत्री हनीफ अब्बासी ने भारत पर परमाणु बम हमले की धमकी दी। उन्होंने कहा, हमने शाहीन, घोरी और गजनवी जैसी 130 मिसाइल भारत के लिए रखी हैं। अगर भारत सिंधु जल संधि को रोकता है, तो उसे पूरी तरह युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए। पाकिस्तान के परमाणु हथियार सजाने के लिए नहीं रखे हैं, बल्कि देश भर में इनके ठिकाने छिपे हुए हैं।

मिसाइलों का परीक्षण: भारतीय नौसेना ने अरब सागर में जंगी जहाजों से कई मिसाइलों का टेस्ट किया। यह टेस्ट पूरी तरह सफल रहा।

कुपवाड़ा में एक्टिविस्ट की हत्या : कुपवाड़ा में एक अज्ञात हमलावर ने 45 साल के गुलाम रसूल मगरे को गोली मार दी। मगरे को अस्पताल ले जाया गया, जहां मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मगरे सोशल एक्टिविस्ट थे।

चीनी विदेश मंत्री से पाक मंत्री की मुलाकात: चीन के राजदूत जियांग जेडोंग ने 26 अप्रैल को पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री मोहम्मद इशाक डार से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने क्षेत्रीय हालात पर बातचीत की। इस बातचीत को भारत-पाक तनाव के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चीन, पाकिस्तान का प्रमुख सहयोगी है और दोनों के बीच कई व्यापार व रक्षा समझौते हैं।

सेना ने बांदीपोरा में एक्टिव आतंकी का घर गिराया

सेना ने शनिवार देर रात बांदीपोरा में टीआरएफ के एक्टिव टेररिस्ट अदनान शफी डार का घर गिराया। शनिवार रात को सेना ने त्राल में एक्टिव टेररिस्ट आमिर नजीर वानी का घर गिराया। सेना जम्मू-कश्मीर में अब तक 9 आतंकवादियों के घरों को ब्लास्ट कर जमीदोंज कर चुकी है।

भारत ने बिना बताए छोड़ दिया झेलम का पानी: पाक

पाकिस्तानी एक्सपर्ट कमर चीमा ने कहा कि झेलम नदी में बाढ़ आ गई है। भारत ने 22,000 क्यूसेक पानी झेलम में छोड़ दिया है। ज्यादा पानी छोड़ने के कारण कई इलाके जलमग्न हो गए। उन्होंने कहा,सिंधु जल समझौता भारत ने स्थगित कर दिया है और अब वो हमें कुछ नहीं बताएगा। पहले सिंधु जल समझौते के तहत पानी छोड़ने को लेकर दोनों मुल्कों के कमिश्नर साथ बैठते थे। दोनों में बातचीत होती थी, लेकिन अब भारत ने ये सब बंद कर दिया है।

थरूर बोले-किसी देश का खुफिया तंत्र फुलप्रूफ नहीं

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पहलगाम हमले की तुलना हमास के इजराइल पर किए हमल से करते हुए कहा, इजराइल के पास मजबूत खुफिया तंत्र होने के बावजूद हमला हुआ, क्योंकि उन्हें हमले की जानकारी नहीं थी। किसी भी देश के पास कभी भी 100 फीसदी खुफिया जानकारी नहीं हो सकती है। थरूर ने कहा, बिलावल भुट्टो के बयान पर कहा, ये केवल भड़काऊ बयानबाजी है। थरूर ने कहा, अगर खून बहेगा तो हमारे मुकाबले उनकी तरफ ज्यादा बहेगा।

48 घंटे में खाली करें खेत

बीएसएफ ने पंजाब के किसानों को 48 घंटे में खेत खाली करने का आदेश दिया है। हालांकि, अमृतसर की डिप्टी कमिश्नर साक्षी साहनी ने कहा,बीएसएफ ने कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है। सीमावर्ती किसानों ने फसल कटाई शुरू कर दी, उन्हें आशंका है कि जल्द द्वार बंद कर दिए जाएंगे।

काश पटेल ने किया भारत का समर्थन

अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो के निदेशक कश पटेल ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने भारत को पूरा समर्थन देने का वादा किया है। कश पटेल ने हमले को बड़ा खतरा बताया है। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने भारत के साथ एकजुटता दोहराई है।

पहलगाम आतंकी हमले की जांच में रूस और चीन की भूमिका चाहता है पाकिस्तान

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले की जांच में रूस और चीन की भागीदारी की मांग की है। हमले की जिम्मेदारी प्रतिबंधित पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के मोर्चे 'द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी। रूसी सरकारी समाचार एजेंसी 'रिया नोवोस्ती' को दिए इंटरव्यू में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा, 'मुझे लगता है कि रूस या चीन या फिर पश्चिमी देश भी इस संकट में बहुत सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं। वे एक जांच टीम बना सकते हैं जिसे यह जिम्मेदारी दी जाए कि वह पता लगाए कि भारत या मोदी सच बोल रहे हैं या झूठ। एक अंतरराष्ट्रीय टीम को इसका सच सामने लाना चाहिए।'

भीषण गर्मी के चलते काम के घंटे बदलें : श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, जेएनएन। देशभर में लगातार बढ़ती भीषण गर्मी और लू की गंभीरता को देखते हुए श्रम और रोजगार मंत्रालय ने सभी उद्योगों और कंपनियों को काम के घंटों के पुनर्निर्धारण की सिफारिश की है, ताकि कर्मचारियों को गर्मी के चरम समय में काम करने से बचाया जा सके। साथ ही कर्मचारियों को गर्मी से जुड़ी बीमारियों से बचाने के लिए आपातकालीन बर्फ पैक और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने का भी सुझाव दिया गया है।

रविवार को मंत्रालय की ओर से सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और प्रशासकों को इस संबंध में एक सलाह पत्र जारी किया गया। इसमें कहा गया है कि अत्यधिक गर्मी के हालात में श्रमिकों की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाना जरूरी है।

मंत्रालय के बयान में कहा गया, 'राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देशित किया गया है कि वे नियोक्ताओं, कारखाना संचालकों, उद्योगों और निर्माण कंपनियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश जारी करें कि मजदूरों के लिए प्रभावी गर्मी से बचाव के उपाय लागू किए जाएं।'

सिफारिश की गई है कि काम के घंटे इस तरह से निर्धारित किए जाएं कि दोपहर के सबसे गर्म समय में मजदूरों को बाहर काम न करना पड़े। कार्यस्थलों पर पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराया जाए। वेंटिलेशन यानी हवा आने-जाने की पर्याप्त व्यवस्था हो या कूलिंग सिस्टम लगाया जाए। छायादार विश्राम क्षेत्र बनाए जाएं ताकि मजदूर गर्मी से राहत पा सकें। नियमित अंतराल पर स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाएं।

मन की बात: मोदी बोले प्रगति को बाधित करना चाहते हैं देश के दुश्मन

पहलगाम हमले से मन में गहरी चोट, आतंक के खिलाफ पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी

नई दिल्ली, जेएनएन। कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के पांच दिन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरी पीड़ा व्यक्त करते हुए आतंकवाद और उसका समर्थन करने वालों के खिलाफ भारत के अब तक के सबसे मजबूत रुख को दोहराया। रविवार को रेडियो कार्यक्रम मन की बात में प्रधानमंत्री ने देशभर में महसूस किए जा रहे दर्द और गुस्से के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने कहा, आज जब मैं मन की बात में आपसे बात कर रहा हूं, तो मेरे दिल में गहरी पीड़ा है।

22 अप्रैल को पहलगाम में हुई आतंकवादी घटना ने देश के हर नागरिक को आहत किया है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को न्याय अवश्य मिलेगा। उन्होंने कहा, हर भारतीय पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना रखता है। पीएम ने कहा, यह दर्द भूगोल या भाषा तक सीमित नहीं है। कोई भी व्यक्ति किसी

भी राज्य से हो, कोई भी भाषा बोलता हो, उसे इस हमले में अपने प्रियजनों को खोने वालों का दर्द महसूस हो रहा है। मैं महसूस कर सकता हूं कि आतंकवादी हमले की तस्वीरें देखकर हर भारतीय का खून खौल रहा है।

पीएम ने कहा, मेरे दिल में गहरी पीड़ा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने हर नागरिक को दुखी कर दिया है। हर भारतीय पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी सहानुभूति रखता है। एनआईए ने पहलगाम आतंकी हमले की जांच अपने हाथ में ली।

साक्ष्य संग्रह में तेजी लाई, स्थानीय आतंकी सहयोगियों की पहचान की। पीएम ने कहा, पहलगाम में यह हमला आतंकवाद के संरक्षकों की हताशा को दर्शाता है। उनकी कायरता को दर्शाता है...।

न्याय मिलकर रहेगा

प्रधानमंत्री ने कहा, उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में पूरी दुनिया 140 करोड़ भारतीयों के साथ खड़ी है। मैं एक बार फिर प्रभावित परिवारों को भरोसा दिलाता हूं कि उन्हें न्याय मिलेगा और न्याय होगा। इस हमले के अपराधियों और साजिशकर्ताओं को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।

ईरान: मृतक संख्या 40 पहुंची, घायलों से मिले राष्ट्रपति

तेहरान, जेएनएन। ईरान के प्रमुख बंदरगाहों में से एक शाहिद राजाई पोर्ट पर शनिवार को हुए भीषण विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 40 हो गई है, जबकि लगभग 1,000 लोग घायल हुए हैं। रविवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने घायलों का दौरा किया और अधिकारियों के साथ बैठक कर घटना की जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, 'हमें पता लगाना होगा कि यह हादसा क्यों हुआ।'

विस्फोट के बाद बंदरगाह पर भीषण आग लगी रही और क्षेत्र में धुएं के खतरनाक स्तर को देखते हुए स्कूल और व्यवसाय बंद कर दिए गए। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में बंदरगाह का विनाशकारी दृश्य दिखा, जहां गहरे गड्ढे, जली हुई गाड़ियां और बिखरे हुए कंटेनर नजर आए।

ईरानी सेना ने चीन से अमोनियम पर्च्लोरेट के आगमन से इनकार किया है, हालांकि निजी सुरक्षा कंपनी ऐम्ब्रे ने दावा किया कि मार्च में बंदरगाह पर मिसाइल ईंधन से संबंधित रासायनिक सामग्री आई थी। इस सामग्री का उपयोग ईरानी मिसाइल भंडार को पुनः भरने के लिए किया जाना था, जो गाजा युद्ध के दौरान इजरायल पर हमलों के बाद घट गया था। प्रांतीय गवर्नर मोहम्मद अशौरी ने तीन दिन के शोक की घोषणा की है। ईरान रेड क्रिसेंट सोसाइटी के प्रमुख पीर हुसैन कोलीवंद ने बताया कि घायल हुए लगभग 1,000 लोगों में से अब केवल 190 अस्पताल में भर्ती हैं।

रविवार को भी भारी हेलीकॉप्टर और कार्गो विमान बंदरगाह पर समुद्री जल गिराते रहे। सैटेलाइट तस्वीरों में अब भी बंदरगाह के ऊपर काले धुएं का विशाल गुबार दिखाई दे रहा था।

इजराइल ने तीसरी बार तोड़ा संघर्ष विराम बेरूत पर बरसे जेट

बेरूत, जेएनएन। इजरायली लड़ाकू विमानों ने रविवार को बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर हमला किया, जो नवंबर में संघर्षविराम लागू होने के बाद इस क्षेत्र पर तीसरा हमला है। हमला शुरू होने से लगभग एक घंटे पहले इजरायली सेना ने चेतावनी दी थी कि हदाथ इलाके में हिज्बुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा और स्थानीय निवासियों से 300 मीटर दूर हटने को कहा था।

हमले के बाद क्षेत्र में भारी धुआं उठता देखा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तीन बमों से एक धातु के ढांचे को निशाना बनाया गया, जहां दो ट्रक जलकर नष्ट हो गए। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

इजरायल का कहना है कि वह हिज्बुल्ला के आतंकवादी ठिकानों पर कार्रवाई कर रहा है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए अमेरिका और फ्रांस से हस्तक्षेप की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र के विशेष समन्वयक जनीन हेनिस ने भी इस हमले पर चिंता जताई और सभी पक्षों से संयम बरतने का आग्रह किया। इजरायल द्वारा जारी हमलों से संघर्षविराम की स्थिरता पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। इस्राइली बलों को जनवरी के अंत तक सभी लेबनानी क्षेत्रों से पीछे हटना था, जबकि हिज्बुल्ला को इस्राइल की सीमा से लगे लितानी नदी के दक्षिण में अपनी सैन्य उपस्थिति समाप्त करनी थी। रविवार को पहले, लेबनान के दक्षिणी गांव हाल्ता में एक ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जिसकी पुष्टि स्वास्थ्य मंत्रालय ने की। एक्स पर पोस्ट इस्राइली सेना ने कहा कि उसने एक हिज्बुल्ला सदस्य को निशाना बनाया है जो क्षेत्र में सक्रिय था।

सभी के पास एक खतरनाक एक्स...: श्रुति

नई दिल्ली। श्रुति हासन रिश्तों के बारे में काफी मुखर रही हैं। यहां तक कि जब उनका ब्रेकअप हुआ, तब भी उन्होंने इसे मीडिया से नहीं छिपाया। हाल ही में फिल्मफेयर के साथ बातचीत में श्रुति हासन ने लोगों द्वारा पूछने पर कि यह कौन सा नंबर बॉयफ्रेंड है। श्रुति ने कहा, मैंने कुछ लोगों को चोट पहुंचाई है। मैंने ऐसा न किया होता। बाकी सब चीजों के लिए मुझे बिल्कुल भी पछतावा नहीं है। मैं सोचती हूं, ठीक है। मैं एक जोकर थी, कोई बात नहीं। बस कुछ लोग जो मेरे लिए बेशकीमती थे, मैंने उन्हें गलती से चोट पहुंचाई और अब मैं हमेशा इसके लिए माफ़ी मांगती हूं। श्रुति ने कहा कि काश वह अपने रिश्तों से इतनी प्रभावित नहीं होती। हम सभी के पास एक खतरनाक एक्स होता है। उसके अलावा मैं बिना किसी पछतावे के उस चैप्टर को बंद कर देती हूं, इसलिए जब लोग कहते हैं, ओह, यह कौन सा नंबर वाला बॉयफ्रेंड है।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/-
संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें
9826433122
9826065324
Email : advtbhopaljagran@gmail.com
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sqcm.

अण्डा
BHOPAL EGG RATE
415/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/ सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

वन्यजीव | बाघों की आबादी पुनर्जीवित करने मानसून के बाद टाइगर भेजने की योजना

कंबोडिया को 6 रॉयल बंगाल टाइगर देगा भारत!

नई दिल्ली, जेएनएन। वन्यजीव संरक्षण में वैश्विक नेता बनने के अपने प्रयास में भारत ने मानसून के मौसम के बाद कंबोडिया में छह रॉयल बंगाल टाइगर दो नर और चार मादा भेजने की योजना बनाई है। भारत का राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए), भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के सहयोग से, कंबोडिया के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में स्थित कार्डामम नेशनल पार्क (सीएनपी) को तैयार करने में कंबोडियाई सरकार की सहायता कर रहा है। 2007 से कंबोडिया से बाघों को विलुप्त घोषित कर दिया गया है। एनटीसीए के एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, बाघ-शिकार घनत्व पर सकारात्मक रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद बाघों को सहारा देने के लिए किसी साइट की क्षमता निर्धारित करने में अब हम राहत महसूस कर रहे हैं कि हमारे बाघ कंबोडिया में दहाड़ सकते हैं।

अमेरिका स्थित ग्लोबल कंजर्वेशन ऑर्गनाइजेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, पार्क में मौजूदा बाघ-शिकार घनत्व कम से कम चार बाघों का भरण-पोषण कर सकता है। भारत पिछले चार वर्षों से भारतीय बाघों के लिए पार्क को तैयार करने के लिए क्षमता निर्माण में कंबोडियाई सरकार का समर्थन कर रहा है। दोनों देशों ने बाघों को लाने के लिए 2023 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। चार साल बाद हमारे कंबोडियाई समकक्ष एक अंतिम कार्ययोजना तैयार कर रहे हैं, जिसका मूल्यांकन एनटीसीए और डब्ल्यूआईआई की हमारी टीम मानसून से पहले करेगी।

कभी थे 1100 से अधिक बाघ

भारतीय अधिकारी यह निर्धारित करने के लिए कार्य योजना का मूल्यांकन करेंगे कि देश को नियमित आधार पर कितना योगदान देना होगा। इसमें भारतीय संरक्षकों की नियमित यात्राओं की योजना बनाना, अवैध शिकार से निपटने के लिए रणनीति विकसित करना और स्थानीय समुदायों को शामिल करना शामिल है। जब से बाघों को विलुप्त घोषित किया गया है, तब से सरकार और इस क्षेत्र में काम करने वाला एक गैर सरकारी संगठन उन्हें दक्षिणी कार्डामम नेशनल पार्क में फिर से लाने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूरे शोध क्षेत्र में दर्ज की गई खुरदार प्रजातियों की कुल संख्या 1,170 थी।

19-5

23-5

शिप्रा नदी में डूबते युवक को जवानों ने बचाया

जागरण, उज्जैन। रविवार को अमावस्या और पंचकोसी यात्रा के समापन के कारण शिप्रा नदी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान नृसिंह घाट के पास पुणे निवासी आशुतोष राजपूत नहाते समय गहरे पानी में चले गए। घाट पर तैनात होमगार्ड जवान जावेद खान और एसडीईआरएफ के जवान बृजमोहन ने लाइफ जैकेट की मदद से आशुतोष को सुरक्षित बाहर निकाला। होमगार्ड तैराक प्रभारी ईश्वरलाल के मुताबिक भीड़ को देख सुरक्षा कड़ी कर दी है।

तीन अवैध क्लीनिकों को किया सील

जागरण, छतरपुर। अवैध क्लीनिकों के खिलाफ जिला प्रशासन ने रविवार को कार्रवाई की। जिला स्तरीय टीम ने शहर में तीन अवैध क्लीनिकों को सील किया। महोबा रोड स्थित क्रिश्चियन हॉस्पिटल के पास चल रहे सिंह क्लीनिक में वैध दस्तावेज नहीं मिले। संकट मोचन मार्ग पर डॉ. शकील का क्लीनिक और आरोग्यम् क्लीनिक में भी अनियमितताएं पाई गईं। प्रशासन ने तीनों क्लीनिकों को सील कर दिया है।

"ट्वीट ऑफ द डे"

उमर अब्दुल्ला
सीएम जेके

पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद, आतंकवाद और इसके स्रोत के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने का समय आ गया है। कश्मीर के लोगों ने आतंकवाद और निर्दोष लोगों की हत्या के खिलाफ खुलकर विरोध किया है, और यह विरोध स्वेच्छा से और स्वतः ही हुआ है। अब समय है कि इस समर्थन का लाभ उठाया जाए और कोई भी गलत कदम न उठाया जाए जो लोगों को दूर करे। दोषियों को कड़ी सजा दी जाए, उन पर कोई दया न दिखाई जाए, लेकिन निर्दोष लोगों को हताहत होने से बचाया जाए।

दुष्कर्म की एफआईआर कराने के लिए इंदौर-भोपाल के चक्कर काटती रही पीड़िता

खतरनाक मंसूबे: छात्रा का आरोप कट्टरपंथी इस्लामी संगठन पीएफआई की हमेशा बात करता था आरोपी, भोपाल-इंदौर पुलिस ने नहीं लिखी रेप की एफआईआर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बहुचर्चित लव जिहाद मामले में चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। मामले में गिरफ्तार सीरियल रेपिस्ट फरहान पर पहली एफआईआर दर्ज कराने वाली छात्रा ने कट्टरपंथी इस्लामी संगठन पीएफआई (प्रतिबंधित) से उसके जुड़े होने की आशंका जताई है। छात्रा ने दैनिक जागरण को बताया कि वह पीएफआई की तारीफ करता था। पुलिस को उसने बताया भी था, लेकिन आरोपी से कोई पूछताछ नहीं हुई। छात्रा ने इंदौर-भोपाल पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उसने दावा किया कि वह फरहान की सबसे पहले एफआईआर कराने इंदौर के भंवरकुआं थाना गई थी। महिला अधिकारी नहीं होने का बहाना कर पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। इसके दो दिन बाद वह बागसेवनिया थाना भोपाल पहुंची। बागसेवनिया पुलिस ने भी फरहान के खिलाफ रेप की एफआईआर दर्ज नहीं की। उस पर सिर्फ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चुपचाप उसे जेल भेज दिया। जब अन्य लड़कियां उसके खिलाफ मामला दर्ज कराने आईं तब पुलिस ने रेप का मामला दर्ज किया।

आरोपी फरहान

इसके बाद कई मामले दर्ज हुए। बतादें, भोपाल में शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ने वाली लड़कियों को टॉरगेट कर फरहान उन्हें प्रेम जाल में फंसाता था। इसके बाद उनके साथ रेप कर अपने ही समुदाय के युवकों को सौंप देता था। वह भी लड़कियों के साथ रेप करते थे। फरहान तीन लड़कियों के साथ रेप कर चुका है। छात्रा ने बताया कि फरहान जिहादी हसरत को पूरा करने हिंदू लड़कियों को टॉरगेट करता था। वह कई लड़कियों के वीडियो मोबाइल में रखे था, जिन्हें दिखाकर ब्लैकमेल करता था। छात्रा ने बताया कि फरहान को इस काम को अंजाम देने फंडिंग की जा रही थी। उसके पिता मैकेनिक हैं। घर से आर्थिकतौर पर कमजोर फरहान के पास रेसिंग बाइक थी। वह लड़कियों के लिए बहुत खर्च करता था। पुलिस को इसकी जांच करने चाहिए कि उसके पास इतना पैसा कहां से आता था।

रिपोर्ट कर दो, मैं फरारी काट लूंगा

जब फरहान को पता चला कि मैं उसके खिलाफ शिकायत करने गई हूं, तो वह फिर धमकी देने लगा। बोला कि वह शपथ पत्र दे देगा कि आज के बाद ऐसा कुछ नहीं करेगा। तुम रिपोर्ट मत करना। फरहान मुझे बार-बार फोन कर धमकी दे रहा था कि थाना में रिपोर्ट कर दो, मैं फरारी काट लूंगा। पुलिस मेरा कुछ नहीं कर पाएगी। वही हुआ, पुलिस ने उसके खिलाफ रेप की एफआईआर दर्ज नहीं की। बाद में जब लड़कियों की संख्या बढ़ी तब रेप का मामला दर्ज किया गया।

साहिल को रिमांड पर लिया

पुलिस ने मामले में गिरफ्तार एक अन्य आरोपी साहिल को रिमांड पर लिया है। उसकी निशानदेही पर पुलिस घटना स्थल का परीक्षण कर रही है। साथ ही गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों को लेकर पूछताछ कर रही है। इधर, गिराह की शिकार एक अन्य लड़की के पिता ने एफआईआर दर्ज करने से मना कर दिया है। जबकि पुलिस ने लड़की की काउंसलिंग कराई थी। उसके पिता ने बदनामी की डर से ऐसा कदम उठाया है।

छात्रा ने बताई पीड़ा: पापा-भाई का सिर कलम करने की दी धमकी

मैं मूलतः भोपाल की रहने वाली हूं। मेरी उम्र 18 साल है। वर्तमान में साइंस कॉलेज इंदौर से बीएससी फोरेंसिक डिपार्टमेंट की पढ़ाई कर रही हूं। वर्ष 2022 में कक्षा 11वीं की पढ़ाई साकेत नगर में रहते हुए भेल इलाके में संचालित स्कूल से की है। तब मेरी बड़ी बहन टीआईटी कालेज में पढ़ती थी। वहीं उनके कालेज में फरहान भी पढ़ता था। दीदी के कालेज में आती-जाती थी। वहीं फरहान मुझसे बातें करने लगा वह मुझसे बोलता था कि मैं तुझे पसंद करता हूं। तब मैं छोटी थी मुझे कुछ समझ नहीं आता था। मैं फरहान से बात करने लगी। तब मेरी उम्र 16 साल थी। फिर फरहान मुझसे नार्मल बातें करता था। वह मेरे घर के पास आता था। मुझे अपनी बाइक से घुमाता था। अप्रैल 2023 में फरहान मेरे घर के पास आया। वह मुझे अपने साथ अपने रूम अशोका गार्डन में ले गया। मेरे साथ जबरदस्ती करने लगा। विरोध करने पर मेरे साथ मारपीट कर दी। वह बदनाम करने की धमकी देने लगा। इसके बाद उसने मेरे साकेत नगर वाले घर में आकर कई बार रेप किया। विरोध करने पर मेरे भाई-पापा का सिर कलम करने की धमकी देता था। इससे मैं बहुत डरी हुई थी। डर की वजह से मैं भोपाल छोड़कर इंदौर चली गई।

इस्लाम नहीं कबूलने पर डराया

छात्रा ने बताया कि वह उसे इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव बनाता था। इससे डरकर वह इंदौर आ गई। 8 अप्रैल 2025 को फरहान इंदौर आया। मुझसे कहने लगा कि मुझे तुमसे मिलकर माफी मांगनी है। मैंने उससे कहा कि ठीक है। फिर उसी दिन रात करीब 10 बजे फरहान मेरा गेट खटखटाने लगा। तो मैंने डर के मारे आधे घंटे तक गेट नहीं खोला। फरहान बार-बार फोन लगा रहा था फिर मैंने गेट खोला। अपने दोस्त से बात कर रही थी। फिर फरहान ने मेरे फोन से मेरी पर्सनल फोटो ले ली। इसके बाद चाकू दिखा कर डराया कि दोस्त से फोन पर बात करना बंद कर दो। मैंने फोन रख दिया। फरहान ने मेरा फोन फ्लाइट मोड पर डाल दिया। तब मेरे दोस्त ने उसके फोन पर काल किया। फरहान मुझसे बोलने लगा कि उसे बोल दो पांच मिनट बाद बात करे। इसके बाद मेरे साथ फिर गलत काम किया। विरोध करने पर मारपीट कर दी। जब मैं रो रही थी तो फरहान ने मेरी वीडियो बना ली। धमकी दी कि तुम मुस्लिम बन जाओ। अब अपने बीच सब हो गया है। मैं रोती रही वह चला गया। फिर मैने फ्रेंड को कॉल किया। रात को मेरा भाई, मेरी बुआ का लड़का, दोस्त आ गया। इसके बाद इंदौर के भंवरकुआं थाने लेकर गए। पुलिस ने रिपोर्ट नहीं लिखी। इसके बाद बागसेवनिया थाने आए।

संक्षिप्त खबरें

मुंबई: ईडी दफ्तर में आग लगी, कई दस्तावेज खाक

मुंबई, जेएनएन। मुंबई में स्थित ईडी दफ्तर में रविवार तड़के भीषण आग लग गई। यह ऑफिस दक्षिण मुंबई के बेलार्ड एस्टेट इलाके में स्थित कैसर-ए-हिंद इमारत में है। फायर ब्रिगेड की दस से ज्यादा गाड़ियों ने सात घंटे में आग पर काबू पाया। हालांकि, इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इसका आकलन किया जा रहा है कि इस अग्निकांड से कितना नुकसान हुआ। इसी दफ्तर में कई बड़े राजनेताओं और व्यापारियों के खिलाफ मामलों की जांच के दस्तावेज रखे हुए थे। ये जल गए हैं।

सपा सांसद सुमन के काफिले पर हमला

बुलंदशहर, जेएनएन। राणा सांगा को गद्दार कहने वाले सपा सांसद रामजीलाल सुमन के काफिले पर रविवार को हमला किया गया। सुमन 20 गाड़ियों के काफिले के साथ आगरा से बुलंदशहर जा रहे थे। अलीगढ़ के खेरेश्वर चौराहे पर क्षत्रिय समाज के कुछ युवा सड़क पर उतर आए और सांसद के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस पर काफिले की गाड़ियां तेजी से भागने लगीं। इससे करीब 500 मीटर आगे जाकर काफिले की 5 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस घटना में 6-7 लोग चोटिल हो गए।

कई जिलों में बारिश, दमोह में ओले गिरे गुना में 76 किमी की रफ्तार से चली हवा

मंडला में 20 सेमी से अधिक बारिश दर्ज, भोपाल में दिन भर छाए रहे बादल, शाम को बूंदाबांदी

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। मप्र के कई जिलों में रविवार को बारिश हुई। दमोह में ओले भी गिरे। बुंदेलखंड के अधिकतर क्षेत्रों में तेज हवा के साथ बारिश हुई। मौसम केंद्र भोपाल से मिली जानकारी अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण मप्र में तेज हवा और बारिश हो रही है। हालांकि प्रदेश के अलग अलग हिस्सों में अलग प्रकार का मौसम देखने को मिला। पश्चिमी मप्र में जहां गर्मी के तेवर तीखे रहे, वहीं पूर्वी मप्र में हवा, बारिश और बादल छाए रहे। रविवार को जबलपुर, मंडला, सागर, विदिशा सहित एक दो और जिलों में बारिश दर्ज की गई। दमोह में चने के आकार के ओले भी गिरे। प्रदेश में हुई बारिश से तापमान में गिरावट आई है। प्रदेश के कई जिलों का तापमान 40 डिग्री से नीचे चला गया है। हलांकि रतलाम में कफी गर्मी रही यहां का अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री दर्ज किया गया जो कि प्रदेश में सबसे ज्यादा रहा। वहीं सबसे कम तापमान पचमढ़ी में 33.2 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि अगले तीन दिन तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा।

अशोकनगर और सागर में 56 की स्पीड से चली हवा

पश्चिमी विक्षोभ के कारण मप्र के आधा दर्जन जिलों में रविवार को तेज हवा चली। इसमें सबसे तेज स्पीड से हवा गुना जिले में चली। यहां हवा की गति 76 किलो मीटर प्रति घंटा रही। इसके बाद सागर में 56, अशोक नगर में 56, सिवनी में 47, जबलपुर में 45, मंडला में 43 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। भोपाल में हवा की गति 18 किलो मीटर प्रति घंटा रही।

अधितम तापमान वाले जिले

शहर	तापमान
रतलाम	43.4
गुना	41.6
धार	41.2
उज्जैन	41.0
खंडवा	40.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में

भोपाल में टूरिस्ट प्लेस पर उमड़ी भीड़

राजधानी भोपाल में रविवार को मौसम सुहाना रहा। यहां दिन भर बादल छाए रहे। हवा की गति तेज रही। इससे लोगों को गर्मी का अहसास कम हुआ। शाम को एक दो स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी भी हुई। इस सुहाने मौसम का लुत्फ उठाने लागे अपने घरों से निकल पड़े। वीआईपी रोड, बोट क्लब, शाहपुरा तालाब सहित अन्य पर्यटन स्थलों पर लोगों की भीड़ देखी गई।

कार हादसे में मां-बेटी की मौत, पति व बेटा घायल

वड़ोदरा जा रहा था परिवार, डिवाइडर से टकराई कार

जागरण, रतलाम। दिल्ली मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर डिवाइडर से टकराकर कार पलट गई। हादसे में मां-बेटी की मौत हो गई। हादसे में पति और 8 साल का बेटा घायल है। हादसा झाबुआ जिले के थांदला थाने की खवासा पुलिस चौकी इलाके में दिल्ली मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर शनिवार को हुआ। घायलों को रतलाम के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी अनुसार शिवपुरी जिले में करेरा के रहने वाले सौरभ गुप्ता पत्नी आकांक्षा बेटे अयांश और बेटी निर्विका के साथ शनिवार सुबह अपनी कार से वड़ोदरा जाने के लिए निकले थे। इसी दौरान सड़क पर पड़े पत्थर की वजह से कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। फिर पलट गई। गाड़ी सौरभ चला रहे थे। आकांक्षा बेटी को गोद में लेकर साइड वाली सीट पर बैठी थी। बेटा पीछे की सीट पर था। गाड़ी डिवाइडर से टकराते ही आकांक्षा और बेटी कार से बाहर गिर पड़े। सौरभ और बेटा कार में ही फंस गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचआई) की एंबुलेंस को बुलाया। आकांक्षा ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। निर्विका की रतलाम मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। सौरभ और बेटे को रतलाम के निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया है।

ड्रग इंस्पेक्टर के पद पर हुआ था चयन

सौरभ के रिटायर्ड शिक्षक पिता मुरारीलाल ने बताया- बेटा वड़ोदरा की सन फार्मा कंपनी में साइंटिस्ट है। कजिन सिस्टर की शादी होने पर वह वड़ोदरा से छुट्टी लेकर आया था। 18 अप्रैल को जयपुर में शादी में पूरा परिवार शामिल हुआ। इसके बाद सौरभ ने मथुरा-वृंदावन में भंडारा भी किया था। सौरभ का हाल में ही एमपीपीएससी के जरिए औषधि निरीक्षक के पद पर चयन हुआ है। 14 मई को भोपाल में डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए बुलाया था।

पिता का आरोप- सोने के गहने नहीं मिले

मुरालीलाल के अनुसार, कार में नकद समेत दूसरा सामान मिल गया है। लेकिन आकांक्षा ने 2 तोला सोने के कंगन, सोने की तीन अंगूठी, मंगलसूत्र और बालियां पहन रखी थीं। सभी गहने गायब हैं। खवासा चौकी प्रभारी एएसआई एडमिरल तोमर ने बताया- कार अनियंत्रित होकर रोड से नीचे उतर गई थी। कार पलटने से डिक्की खुल गई थी। घटनास्थल और सामान का हमने वीडियो बनाया है। मामले की जांच कर रहे हैं।

अंकुर की जगह मनोज दे रहा था परीक्षा

प्रवेश-पत्र की प्रिंटिंग से फर्जी अभ्यर्थी आया पुलिस गिरफ्त में

जागरण, इंदौर। प्राइमरी और मिडिल शिक्षकों की भर्ती के लिए आयोजित रही चयन परीक्षा में फर्जी परीक्षार्थी पुलिस के हाथ लगा है। प्रवेश-पत्र की प्रिंटिंग से पूरे मामले का खुलासा हुआ है। अभ्यर्थी मनोज प्रजापत को इस्लामिया करीमिया कॉलेज पलासिया परीक्षा केंद्र से अंकुर के स्थान पर परीक्षा दे रहा था। केंद्राध्यक्ष आरिफ पटेल ने मनोज को पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मामले में मनोज और अंकुर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कर्मचारी चयन मंडल शिक्षकों के 10 हजार से अधिक खाली पदों के लिए चयन परीक्षा आयोजित कर रहा है। इस परीक्षा में शामिल हो रहे जौरा मुरैना निवासी अंकुर पुत्र साहेब सिंह को इस्लामिया करीमिया कॉलेज पलासिया परीक्षा केंद्र आवंटित किया। परीक्षार्थी समय से परीक्षा देने भी पहुंच गया। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के बाद प्रवेश पत्र की जांच के दौरान पर्यवेक्षकों को नकली प्रवेश पत्र का शक हुआ, जब परीक्षा केंद्र पर मौजूद दस्तावेजों से फोटो का मिलान किया तो मामला पकड़ में आ गया। अभ्यर्थी से आधार कार्ड मांगा, तो वह भी अलग था। इसके बाद अभ्यर्थी से सख्ती से पूछताछ की गई, तो मनोज टूट गया और उसने बताया कि अंकुर के स्थान पर वह परीक्षा देने आया है।

दोस्त की खातिर दी परीक्षा

पुलिस की पूछताछ में मनोज ने बताया कि वह दोस्ती के खातिर परीक्षा देने आया है, उसने बताया कि अंकुर और वह सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के साथी हैं। अंकुर को लगा कि शिक्षक चयन परीक्षा में वह सफल नहीं हो पाएगा, इसलिए योजनाबद्ध तरीके से फर्जी दस्तावेज बनवाए और अंकुर के स्थान पर वह परीक्षा देने आया है।

विधायक मसूद को जान से मारने की धमकी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। राजधानी की मध्य विधान सभा से विधायक आरिफ मसूद को सोशल मीडिया के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई। पोस्ट करने वाले ने लिखा- मैं आरिफ मसूद को जान से मारूंगा, लेकिन मेरी जमानत की जिम्मेदारी कौन लेगा। पुलिस ने मसूद समर्थक पूर्व पार्षद मेवालाल की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामाने आया कि सचिन सूर्यवंशी नाम के सोशल मीडिया यूजर की तरफ से पोस्ट की गई है। पुलिस को पोस्ट की जो स्क्रीनशॉट मिली है उसमें लिखा- देश हित में मारना-मरना पसंद है मुझे, जो नरसंहार हुआ है, उनके लिए देशद्रोही को मारूंगा, जो सपोर्ट कर रहे हैं। बता दें, मसूद का आपराधिक रिकार्ड रहा है। उन पर देश विरोधी बयानों को लेकर अपराध भी दर्ज हो चुके हैं।

दुबई के बाद काठमांडु उड़ा पहला नॉन शेड्यूल विमान

राजाभोज एयरपोर्ट पर तैयारियां पूरी, कल हज के लिए उड़ान भरेगी एयर इंडिया की फ्लाइट

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। इस माह तीन बार नान शेड्यूल फ्लाइट ने दुबई के लिए उड़ान भरी तो पहली बार रविवार को काडमांडु को एक इंटरनेशनल फ्लाइट ने टेक आफ किया। सुबह 8 बजे राजा भोज विमान तल पर एक छोटा सा विमान जिसकी क्षमता 12 की बताई जा रही है पहुंचा जिसमें भोपाल से 8 यात्री सवार हुए। हर इंटरनेशनल फ्लाइट के लिए उसी तरह की औपचारिकताओं की आवश्यकता होती है, जिसमें बाकायदा कस्टम एवं अमिग्रेशन की जांच होती है। बाकायदा पासपोर्ट पर सील लगाई जाती है, जिसके बाद यात्री को विमान में सवार होने दिया जाता है। इधर एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि मंगलवार को हज के लिए पहली इंटरनेशनल उड़ान राजा भोज विमान तल से टेकआफ करेगी। इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई हैं। जद्दा जाने वाले यात्रियों का मेडीकल पहले ही हो चुका है, वहीं एयरपोर्ट पर उन्हें किसी तरह की तकलीफ न हो इसके लिए भी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस बार हज के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस एयर लाइंस से एग्रीमेंट किया गया है।

पहली फ्लाइट से हज जाएंगे 165 यात्री: एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि फ्लाइट मंगलवार को रात 8.30 बजे हज के लिए उड़ान भरेगी। पहली फ्लाइट की क्षमता 165 यात्रियों की होगी जबकि 30 अप्रैल को भी एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट का ही शेड्यूल रहेगा जसकी क्षमता 110 यात्रियों की रहेगी। एयरपोर्ट डायरेक्टर के अनुसार चूंकि हज हमेटी अपनी तरफ से हज जाने वाले यात्रियों की औपचारिकताएं पूरी कर लेता है इस कारण यात्रियों का सामान चार घंटे पहले ही एयरपोर्ट पर पहुंच जाएगा और यात्रियों को कम से कम दो घंटे पहले एयरपोर्ट पर आना होगा। इसके बाद प्रत्येक यात्री का इमिग्रेशन एवं कस्टम जांच आदि की जाएगी। इसके लिए अतिरिक्त कांउटरों की व्यवस्था की गई है और स्टाफ भोपाल पहुंच चुका है। इस तरह भोपाल से दो दिन में लगभग 275 यात्री हज के लिए जाएंगे।

एनसीईआरटी की सोशल साइंस की किताब में किया गया बदलाव

एनसीईआरटी की 7वीं की किताब से मुगल, दिल्ली सल्तनत बाहर

नई दिल्ली, जेएनएन। एनसीईआरटी की कक्षा 7 सोशल साइंस की किताब में बदलाव किया गया है। नई किताब में मुगल वंश और दिल्ली सल्तनत के चैप्टर हटाए गए हैं। नई पाठ्यपुस्तक में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ 2025 को भी शामिल किया गया है। बताया गया है कि इसमें 66 करोड़ लोग आए, हालांकि यह बात नहीं जोड़ी गई है कि इस दौरान मची भगदड़ में 30 तीर्थयात्रियों की मौत भी हो गई थी। किताब में यूनानियों के बारे में भी विस्तार से एक अध्याय शामिल किया गया है। कोविड-19 महामारी के दौरान एनसीईआरटी ने पहले ही मुगल और दिल्ली सल्तनत पर आधारित हिस्सों को कम कर दिया था, लेकिन नई पाठ्यपुस्तक ने इन्हें पूरी तरह हटा दिया गया है। बदलावों के तहत नए अध्यायों में भारतीय राजवंश, 'पवित्र भूगोल', महाकुंभ और सरकारी योजनाओं पर जोर दिया गया है। पाठ्यक्रम में बदलावों का विपक्ष विरोध कर रहा है। विपक्ष ने किताबों के 'भगवाकरण' के आरोप लगाए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और नए नेशनल फ्रेमवर्क करिकुलम के तहत एनसीईआरटी की संशोधित श्रृंखला में कक्षा 7 की नई किताब एक्सप्लोरिंग सोसाइटीः इंडिया एंड बियॉन्ड, भाग-1 ताजा है। यह भारतीय और स्थानीय संदर्भ और लोकाचार में निहित सामग्री पर जोर देती हे। एनसीईआरटी ने इससे पहले पिछले साल कक्षा तीन और कक्षा 6 के लिए नई किताबें पेश की थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, किताब का दूसरा भाग आने वाले महीनों में जारी होगा। भाग-1 में 12 चैप्टर हैं, जिन्हें शैक्षणिक सत्र के पहले छह महीने में पढ़ाया जाएगा। भाग-2 में कई अतिरिक्त विषय शामिल होने की उम्मीद है।

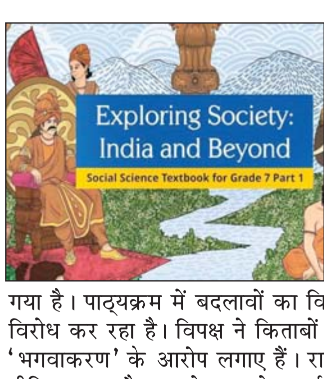

महाकुंभ 2025 और सरकारी योजनाओं को नई पाठ्यपुस्तक में मिली जगह

सरकारी योजनाएं भी शामिल: नई पाठ्यपुस्तक में सरकारी योजनाओं जैसे 'मेक इन इंडिया', 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', और 'अटल सुरंग' का भी जिक्र है। विभिन्न अध्यायों में कई संस्कृत शब्द शामिल किए हैं। जैसे- किक जनपद (जहां लोग बसे हैं), साम्राज्य (सर्वोच्च शासक), अधिराज (अधिपति) और राजाधिराज (राजाओं का राजा)।

चलती स्कूटी में युवक युवती का किस स्टंट

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। शहर की सड़क पर अश्लील हरकत करने का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो बैरागढ़ सड़क का बताया जा रहा है, जहां एक युवक स्कूटी चला रहा था और उसके पीछे बैठा जोड़ा चलती गाड़ी पर ही किस कर रहा था। यह घटना एक कार चालक ने मोबाइल में कैद कर ली और सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। वीडियो करीब 45 सेकेंड का है। बैरागढ़ थाना प्रभारी अशोक गौतम ने बताया कि वायरल वीडियो चिरायु अस्पताल के आगे के क्षेत्र का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, यह वीडियो कब का है इसकी पुष्टि अभी नहीं हो पाई है। 28 फरवरी 2025 को भोपाल के वीआईपी रोड पर एक बाइक पर दो युवकों के बीच खड़ी एक युवती का डांस करते हुए वीडियो सामने आया था।

किसानों की केंद्र से मांग, चार मई की बैठक से पंजाब सरकार को रखें बाहर

चंडीगढ़, जेएनएन। चंडीगढ़ में 4 मई को किसानों और केंद्र सरकार के बीच होने वाली प्रस्तावित बैठक से पहले किसान संगठनों ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि इस बैठक में पंजाब सरकार के प्रतिनिधियों को शामिल न किया जाए। संयुक्त किसान मोर्चा और किसान मजदूर मोर्चा द्वारा भेजे गए पत्र में कहा गया है, 'कृषि से जुड़े मुद्दों का समाधान संवाद और बातचीत के जरिये करना हमारी प्राथमिकता रही है और हम इसके लिए हमेशा तैयार हैं।' पत्र में आगे लिखा गया है कि 8 और 12 फरवरी 2025 को चंडीगढ़ में सरकार और किसान नेताओं के बीच बातचीत शुरू हुई थी, लेकिन 19 मार्च की घटनाओं के बाद माहौल बिगड़ गया। कई किसान नेताओं को पंजाब सरकार द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, और दिल्ली की सीमाओं पर भारी पुलिस बल और बैरिकेडिंग देखी जा रही है। इससे लगता है कि केंद्र और राज्य सरकारें किसानों के लोकतांत्रिक अधिकारों को दबाने का प्रयास कर रही हैं। पत्र में आगे कहा गया है कि '19 मार्च के बाद केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित बैठक मौजूदा हालात में उचित व सार्थक नहीं लगती।' इसलिए किसान संगठन 17 अप्रैल 2025 को भेजे गए पत्र के जवाब में किसी भी बैठक में भाग लेने में असमर्थता जता रहे हैं। किसान नेताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक गिरफ्तार किसान नेताओं को रिहा नहीं किया जाता और दिल्ली बॉर्डर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर लगी पाबंदियां नहीं हटतीं, तब तक बातचीत शुरू नहीं हो सकती।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।